नई दिल्ली । मंगलवार, 12 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सप्तमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :126 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल एएफसी अंडर 17 एशियन कप: उज्बेकिस्तान...
@ विचार क्या प्रधानमंत्री की अपील असरकारक होगी...
@ व्यापार सेंसेक्स और निफ्टी 1.5 प्रतिशम फिसले...

दुनिया की कोई ताकत हमें झुका नहीं सकती: मोदी

पोखरण परमाणु परीक्षणों को याद किया

एजेंसी ■ अहमदाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 11 मई, 1998 को पोखरण में किए गए परमाणु परीक्षणों को याद किया। उन्होंने कहा कि दुनिया की बड़ी ताकतों के भारी दबाव के बावजूद भारत ने अपने परमाणु लक्ष्यों को आगे बढ़ाने का पक्का और मजबूत इरादा दिखाया। उन्होंने कहा कि भारत ने 1998 में दो परमाणु परीक्षण किए थे, पहला 11 मई को और दूसरा 13 मई को। उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत इस देश और इसके नागरिकों को बाहरी ताकतों के सामने झुकने पर मजबूर नहीं कर सकती। सोमनाथ मंदिर के दोबारा बनने के 75 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित 'सोमनाथ अमृत महोत्सव' समारोह में पीएम मोदी ने 1998 के परमाणु परीक्षणों का जिक्र किया।इतिहास के इन अहम पलों को याद करते हुए उन्होंने दिखाया कि कैसे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी

वाजपेयी के नेतृत्व में भारत एक वैश्विक ताकत के तौर पर उभरा। सोमनाथ मंदिर में 'कुंभाभिषेक' के बाद सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 11 मई को भारत ने पोखरण में तीन परमाणु परीक्षण किए । हमारे वैज्ञानिकों ने दुनिया के सामने देश की ताकत और काबिलियत का प्रदर्शन किया, इससे पूरी दुनिया में हलचल मच गई। उन्होंने बताया कि दुनिया की बड़ी ताकतों ने हमारी परमाणु ताकत को बहुत गंभीरता से लिया और हम पर कई तरह के आर्थिक प्रतिबंध और रोक लगा दीं।पीएम मोदी ने कहा कि कोई भी इंसान इससे घबरा जाता, खासकर तब जब दुनिया की बड़ी ताकतें आपके खिलाफ एकजुट हो जाएं, लेकिन हम अलग मिट्टी के बने हैं। 11 मई के बाद दुनिया की ताकतों ने अपनी निगरानी और बढ़ा दी, लेकिन हमारे वैज्ञानिकों ने अपना काम पूरा कर लिया था।

फिर 13 मई को दो और परमाणु परीक्षण किए गए। उस दिन, दुनिया को भारत के राजनीतिक नेतृत्व की 'अटल' इच्छाशक्ति के बारे में पता चला।उन्होंने कहा कि देश पर भारी दबाव था, लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने यह साबित कर दिया कि हमारे लिए राष्ट्रीय हित सबसे ऊपर हैं और दुनिया की कोई भी ताकत हमें झुकने पर मजबूर नहीं कर सकती।

प्रधानमंत्री ने परमाणु मिशन को 'ऑपरेशन शक्ति' नाम दिए जाने के बारे में भी विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि यह नाम इस बात का प्रतीक है कि तमाम मुश्किलों के बावजूद भारत का खुद पर भरोसा और उसकी रणनीतिक स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। खास बात यह है कि 18 मई, 1974 को हुए पोखरण-I परीक्षणों और उसके बाद 11 और 13 मई, 1998 को हुए पोखरण-II परीक्षणों ने भारत को परमाणु-सशस्त्र देशों के चुनिंदा समूह में शामिल कर दिया।

24 घंटे में दूसरी बार पीएम मोदी की जनता से अपील, सोने की खरीदी से बचें और ईंधन बचाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के वडोदरा में सरदारधाम हॉस्टल का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने देशवासियों से कई अहम अपील भी की, जिनमें सोने की खरीद कम करने, फर्टिलाइजर का सीमित उपयोग करने और 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने की बात शामिल रही।

प्रधानमंत्री मोदी ने वडोदरा में सरदारधाम भवन-3 का उद्घाटन किया और साथ ही सरदारधाम शिक्षा एवं सामाजिक विकास ढांचे से जुड़ी कई नई योजनाओं की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने 150 करोड़ रुपए की लागत से बने इस नए भवन का उद्घाटन किया। यह सरदारधाम कॉम्प्लेक्स के विस्तार का हिस्सा है, जिसे छात्रों को रहने और पढ़ाई की सुविधा देने के लिए बनाया गया है, खासकर उन छात्रों के लिए जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। नया भवन-3, गुजरात में सरदारधाम की बढ़ती आधारभूत संरचना का नवीनतम हिस्सा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दिन 'पुण्य पर्व' जैसा है।

ट्रम्प ने ईरान का जंग रोकने का प्रस्ताव ठुकराया

अमेरिका ने एनरिच्ड यूरेनियम सौंपने की शर्त रखी

एजेंसी ■ तेहरान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'मैंने ईरान के प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।' इससे पहले भी ट्रम्प ने ईरान पर खेल खेलने का आरोप लगाया था।ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, तेहरान ने रविवार को पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को अपना नया प्रस्ताव भेजा। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही गई थी।अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत ईरान को कम से कम 12 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना होगा और अपने पास मौजूद करीब 440 किलो 60% एनरिच्ड यूरेनियम अमेरिका को सौंपना होगा।इसके बदले अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देगा, ईरान की फ्रीज की गईं अरबों डॉलर की संपत्तियां छोड़ेगा, साथ ही ईरानी बंदरगाहों पर लगी नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा।

एआईएडीएमके में बड़ी फूट!

एजेंसी ■ चेन्नई

तमिलनाडु सीएम विजय थलपति तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार ने AIADMK के भीतर गहरी दरार पैदा कर दी है। तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी टीवीके को समर्थन देने के सवाल पर पार्टी के विधायक आपस में बंट गए हैं। इसके साथ ही पार्टी के मुखिया एडप्पादी के पलानीस्वामी (ईपीएस) के खिलाफ भी विरोध के स्वर उठने लगे हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, एक गुट सरकार बनाने के लिए टीवीके को किसी भी तरह का समर्थन देने के सख्त खिलाफ है। वहीं, दूसरा गुट चाहता है कि अभिनेता विजय की पार्टी को बाहर से समर्थन दिया जाए। इस खींचतान के बीच कुछ विधायकों ने सीधे तौर पर मांग की है कि हार की जिम्मेदारी लेते हुए पलानीस्वामी को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

बंगाल में मंत्रियों को विभाग बांटे

दिलीप घोष को ग्रामीण विकास, गृह मंत्रालय सीएम के पास

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई भाजपा सरकार ने विभागों का बंटवारा कर दिया है, जिसमें मुख्यमंत्री ने गृह विभाग अपने पास रखा है। वरिष्ठ नेता दिलीप घोष को ग्रामीण विकास और अग्निमित्र पाल को महिला एवं बाल कल्याण जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय सौंपे गए हैं, जो नई सरकार की प्रशासनिक प्राथमिकताओं को दर्शाता है।

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को नवगठित मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण विभागों के आवंटन की घोषणा की। वरिष्ठ भाजपा नेता दिलीप घोष को ग्रामीण विकास और प्राणी विकास विभाग सौंपे गए हैं। अग्निमित्र पाल को महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय के साथ-साथ नगर निगमों का प्रभार दिया गया है, जबकि निशित प्रमाणिक उत्तर बंगाल विकास और युवा कल्याण एवं खेल विभागों की देखरेख करेंगे। खुदीराम टुडू को जनजातीय विकास मंत्री नियुक्त किया गया है और अशोक कीर्तनिया को खाद्य विभाग का प्रभार दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने गृह विभाग को बरकरार रखा है। मुख्यमंत्री ने की बैठक में नेताओं को किन बातों की जानकारी दी। शनिवार को पश्चिम बंगाल के पहले मुख्यमंत्री के रूप में सुवेंदु अधिकारी ने शपथ ली। इस भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और केंद्रीय मंत्रिमंडल के अधिकांश सदस्य उपस्थित थे।

सुवेंदु ने अग्निमित्रा पॉल, निशिथ प्रमाणिक

(राजबोंगशी), दिलीप घोष (ओबीसी), अशोक कीर्तनिया (मातुआ) और क्षुदिराम टुडू (आदिवासी) के साथ शपथ ग्रहण किया।

इससे पहले पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक और नीतिगत उपायों की घोषणा की, जिनमें राज्य को केंद्र की आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना में शामिल करना, सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को भूमि का हस्तांतरण और बीएनएस आपराधिक कानून को लागू करना शामिल है। ये निर्णय पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के मंत्रिमंडल की पहली बैठक के दौरान लिए गए, जिसकी अध्यक्षता अधिकारी ने की और जिसमें शपथ लेने वाले पांच मंत्रियों के साथ-साथ वरिष्ठ नौकरशाह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि बंगाल अब आयुष्मान भारत योजना का हिस्सा बन जाएगा, साथ ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, किसानों को फसल बीमा प्रदान करने वाली प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सरकारी स्कूलों के उन्नयन के लिए प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) योजना और कारीगरों एवं शिल्पकारों को समर्थन देने वाली प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना जैसी कई अन्य केंद्रीय कल्याणकारी परियोजनाओं का भी हिस्सा होगा।

राज्य में महिलाओं की शिक्षा और सशक्तीकरण के लिए 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना और रियायती दरों पर खाना पकाने के रसोई गैस प्रदान करने वाली उज्ज्वला 3.0 योजना भी लागू की जाएगी।

राहुल बोले- देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राहुल गांधी ने X पर किए पोस्ट में पीएम मोदी को कम्प्रोमाइज्ड पीएम बताया है।

राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया 'सात अपीलों' पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी करार दिया। कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है। X पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा, 'कल मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं। उन्होंने कहा, '12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं।'

दरअसल, रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत और पर्यावरण की रक्षा हो सके।

आवश्यक वस्तुओं की कमी नहीं, अनावश्यक खरीदारी से बचें : राजनाथ सिंह

एजेंसी ■ नई दिल्ली।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में पश्चिम एशिया के कारण ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव पर मंथन किया गया। इसके अलावा, बैठक में ईंधन उपलब्धता और आवश्यक वस्तुओं के भंडारण व वितरण व्यवस्था का विस्तृत आकलन किया गया।

सरकार ने यह भरोसा दिलाया कि देशवासियों को किसी भी आवश्यक वस्तु की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा और आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

दरअसल, पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इजरायल के संघर्ष के कारण विश्व के कई देशों में ऊर्जा की आपूर्ति बाधित हुई है। वहीं, किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए भारत पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर नजर बनाए हुए है। इसी के मद्देनजर सोमवार को देश में ऊर्जा आपूर्ति और

आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा के लिए अंतर-मंत्रालयी समूह की पांचवीं बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल, नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू समेत कई अन्य महत्वपूर्ण व्यक्ति शामिल हुए।

बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि अंतरराष्ट्रीय तनाव के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस तथा अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। सरकार लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है और किसी भी प्रकार की कमी या बाधा से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। केंद्र और संबंधित एजेंसियां मिलकर ऊर्जा सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती तथा बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए समन्वित प्रयास कर रही हैं।

उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे शांत रहें व धैर्य रखें और किसी भी प्रकार की घबराहट या अनावश्यक खरीदारी से बचें। सरकार के अनुसार, देश में आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

बैठक में यह भी कहा गया कि प्रधानमंत्री

टीएमसी 31 सीटों के नतीजों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची:

कहा- यहां जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोटों से कम

एजेंसी ■ कोलकाता

ममता बनर्जी ने 5 मई को प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। भाजपा-चुनाव आयोग पर साजिश के आरोप लगाए थे। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा, 'बंगाल में सीटों पर जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोटों से कम मामले में ममता बनर्जी और अन्य लोग नई याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं।' टीएमसी ने दावा किया कि हालिया विधानसभा चुनाव में 31 सीटों पर जीत का अंतर, स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दौरान हटाए गए वोटों की संख्या से कम था। दरअसल, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची की बेंच बंगाल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान टीएमसी सांसद और वकील कल्याण बनर्जी ने बागची की उस टिप्पणी का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि अगर जीत का अंतर हटाए गए वोटों से कम है, तो अदालत शिकायतों पर विचार कर सकती है।

सुप्रीम कोर्ट : इस मामले में ममता और अन्य लोग नई याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं। चुनाव आयोग अधिवक्ता डीएस नायडू: इसका उपाय चुनाव याचिका है। एसआईआर से जुड़े मुद्दों और मतदाता सूची संशोधन के दौरान वोट जोड़ने या हटाने के खिलाफ अपीलों के लिए ही चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

कल्याण बनर्जी : मेरे एक उम्मीदवार 862 वोटों से हारे, जबकि दिलचस्प बात यह है कि उस निर्वाचन क्षेत्र में एसआईआर के दौरान 5,550 वोट हटा दिए गए थे। ऐसी 31 सीटें हैं, जहां जीत का अंतर हटाए गए वोटों से कम था। हालांकि लिस्ट नहीं दी। टीएमसी और भाजपा के बीच कुल वोटों का अंतर करीब 32 लाख था और वोट डिलीशन के खिलाफ 35 अपीलें अभी भी पेंडिंग हैं। न्यायमूर्ति बागची: परिणामों, वोट हटाने आदि के बारे में जो भी कहना है, उसके लिए अलग अंतरिम आवेदन दाखिल करना होगा। चुनाव आयोग जो यह कह रहा है कि चुनाव याचिका ही उपाय है, वह अपनी जवाबी हलफनामे में यह बात रख सकता है। एक याचिकाकर्ता वकील मेनका गुरुस्वामी: यह आशंका है कि अब वोट हटाने के खिलाफ अपीलों के निपटारे में चार साल लग सकते हैं।

सोमनाथ मंदिर भारत की सभ्यतागत भावना का प्रतिबिंब है: मुख्यमंत्री नायडू

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा है कि सोमनाथ मंदिर भारत की सभ्यतागत भावना का एक चिरस्थायी प्रतीक है, जो सदियों से इसकी रक्षा और पुनर्निर्माण करने वालों के बलिदान और समर्पण को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी के उस पोस्ट के जवाब में ये विचार साझा किए, जिसमें उन्होंने सोमवार को मंदिर के जीर्णोद्धार के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में महापूजा की थी।

उन्होंने कहा कि हमारी भूमि पर आस्था का सम्मान किया जाता है और यह एक ऐसी शक्ति है जो सभी को एकजुट करती है। सोमनाथ मंदिर केवल एक पूजा स्थल से कहीं अधिक है; यह भारत की सभ्यतागत भावना का एक चिरस्थायी प्रतीक है, जो इतिहास में इसकी रक्षा और पुनर्निर्माण करने वालों के बलिदान और समर्पण को दर्शाता है।

तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख ने यह भी लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने 'विकास भी, विरासत भी' की भावना को अपनाया है, जिससे यह सुनिश्चित हो रहा है कि भारत की विकास यात्रा उसकी चिरस्थायी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण और पुनरुद्धार के साथ-साथ आगे बढ़े।

नायडू ने लिखा कि यह एक ऐसा दृष्टिकोण है जो उन सभी को सम्मानित करता है, जिन्होंने भारत के विकास और उसकी समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण के लिए समान रूप से प्रयास किए हैं। सोमनाथ अमृत महोत्सव के अवसर पर, मैं दुनिया भर के भक्तों को अपनी शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। हर हर महादेव!

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने भी सोमनाथ मंदिर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कवि कोकिल गुर्रम जशुवा द्वारा रचित 'फिरदौसी' की कुछ कविताएं भी प्रकाशित कीं। ये काव्यात्मक पंक्तियां बताती हैं कि कैसे गजनी महमूद ने हमारी धरती पर 17 बार आक्रमण किया और हमारे सोमनाथ को लूटा।

उन्होंने लिखा कि 'वे आए। उन्होंने सब कुछ नष्ट कर दिया। उन्हें लगा कि उन्होंने हमें मिटा दिया है। वे गलत थे। सोमनाथ को 17 बार ध्वस्त किया गया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर विदेश मंत्री ने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के 'समर्पण को किया सलाम'

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' पर आत्मनिर्भर भारत की यात्रा को सुगम बनाने वाले वैज्ञानिकों, इंजीनियर्स और इनोवेटर्स (नवोन्मेषकों) का अभिनंदन किया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जयशंकर ने कहा, 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर, भारत के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और इनोवेटर्स के समर्पण को सलाम। 1998 का पोखरण टेस्ट भारत की वैज्ञानिक काबिलियत और सामरिक इरादे की एक मजबूत निशानी है। स्पेस और डिजिटल से लेकर एआई और क्लीन एनर्जी के क्षेत्र तक, आज टेक्नोलॉजी और इनोवेशन आत्मनिर्भर भारत की यात्रा को बल दे रहे हैं।

इस विशेष दिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम गणमान्यों ने देशवासियों को बधाई दी। पीएम मोदी ने सुबह ही एक्स पर वैज्ञानिकों को देश का गौरव और स्वाभिमान का सच्चा शिल्पी बताया था। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'वर्ष 1998 में पोखरण में हुए परमाणु परीक्षण ने दुनिया को भारत के अद्भुत सामर्थ्य से परिचित कराया। हमारे वैज्ञानिक देश के गौरव और स्वाभिमान के सच्चे शिल्पी हैं।'

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस भारत में हर साल 11 मई को मनाया जाता है। यह उस दिन की याद दिलाता है जब भारत ने पोखरण में ऑपरेशन शक्ति (पोखरण-II) के तहत सफल परमाणु परीक्षण किया था। इस तरह दुनिया के मानचित्र में भारत एक परमाणु संपन्न देश के रूप में और सशक्त हुआ था।

ये दिवस देश के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और उनकी तकनीकी उपलब्धियों को समर्पित है। 11 मई 1998 को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में राजस्थान के पोखरण में एक के बाद एक तीन सफल परमाणु परीक्षण किए गए थे।

केरल मुख्यमंत्री की नियुक्ति में देरी बढ़ने से कांग्रेस में तनाव, आईयूएमएल ने चिंता जताई

तिरुवनंतपुरम। केरल के अगले मुख्यमंत्री को लेकर कांग्रेस नेतृत्व का लंबे समय से जारी अनिर्णय अब यूडीएफ के भीतर स्पष्ट बेचैनी पैदा कर रहा है। विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद दूसरे सप्ताह में भी अनिश्चितता बनी रहने के कारण गठबंधन के सहयोगी दल और गुटबद्ध दल पार्टी हाई कमान पर दबाव बढ़ा रहे हैं।

सोमवार को एक नाटकीय घटनाक्रम में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और पूर्व राज्य इकाई प्रमुख के. सुधाकरन के कन्नूर स्थित आवास पर उनसे जुड़े नेताओं की प्रस्तावित संयुक्त बैठक मीडिया में खबर आने के बाद अंतिम समय में अचानक स्थगित कर दी गई।

कांग्रेस हलकों में इस बैठक को दोनों गुटों द्वारा नेतृत्व की खींचतान के बीच समन्वित राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के प्रयास के रूप में देखा जा रहा था। दोनों गुटों से जुड़े स्थानीय कांग्रेस नेता अचानक बैठक स्थगित करने के निर्णय से पहले सुधाकरन के आवास पर पहुंचने लगे थे। एक कांग्रेस नेता ने मीडिया से कहा कि मैं सिर्फ अपने नेता से मिलने आया था, इससे ज्यादा कुछ नहीं है।

हालांकि नेताओं ने सार्वजनिक रूप से इसे एक निजी मुलाकात बताया, लेकिन मुख्यमंत्री पद की दौड़ से इस बैठक को जोड़ने वाली खबरें सामने आने के बाद प्रस्तावित बैठक के इर्द-गिर्द के राजनीतिक संदेश को नजरअंदाज करना असंभव हो गया।

ये घटनाक्रम ऐसे समय सामने आए हैं जब यूडीएफ के भीतर से ही तीखी आलोचनाएं शुरू हो गई हैं। यूडीएफ के दूसरे सबसे बड़े घटक, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के मलप्पुरम जिला महासचिव पी. अब्दुल हमीद ने निर्णय में देरी के लिए कांग्रेस नेतृत्व की खुलेआम आलोचना की और चेतावनी दी कि इस अनिश्चितता के गंभीर राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं।

पूर्व विधायक हमीद ने कहा कि केरल के राजनीतिक रूप से जागरूक मतदाता लंबे समय तक चलने वाले अनिर्णय को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आप कार्यकर्ताओं से यह नहीं कह सकते कि दिल्ली में मुख्यमंत्री का फैसला करने में कई दिन लग गए और उनसे इसे स्वीकार करने की उम्मीद करें।

तमिलनाडु: विजय कैबिनेट में शामिल इकलौती महिला कीर्तना, पहली बार चुनाव जीतकर रचा इतिहास

चेन्नई। शिवकाशी से पहली बार विधायक बनीं 29 वर्षीय संपथ कीर्तना, मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की नवगठित तमिलनाडु कैबिनेट में सबसे चर्चित चेहरों में से एक बनकर उभरी हैं। विजय की कैबिनेट में कीर्तना न सिर्फ युवा सदस्य हैं, बल्कि नई सरकार में एकमात्र महिला मंत्री भी हैं।

कीर्तना विरुधुनगर जिले के शिवकाशी से जीतकर विधानसभा पहुंची हैं।

यह इलाका देश भर में 'भारत की आतिशबाजी राजधानी' के नाम से जाना जाता है। यहां बड़ी संख्या में पटाखा फैक्ट्री हैं।

उन्होंने शिवकाशी से लगभग सात दशकों में पहली बार महिला विधायक बनकर इतिहास रचा। उन्होंने 11,697 वोटों से जीत दर्ज की।

राजनीतिक जानकारों का मानना ??है कि उनकी जीत दक्षिणी तमिलनाडु में युवा वोटर्स और महिलाओं के बीच टीवीके की सफल पहुंच को दिखाती है।

राजनीति में आने से पहले कीर्तना ने आई-पैक और शोटाइम कंसल्टिंग जैसी बड़ी कैंपेन कंपनियों के साथ एक पॉलिटिकल कंसल्टेंट और डिजिटल स्ट्रैटेजिस्ट के तौर पर काम किया। अपने प्रोफेशनल करियर के दौरान, कीर्तना एम.के. स्टालिन और ममता बनर्जी समेत कई बड़े नेताओं के इलेक्शन कैंपेन और पॉलिटिकल कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजी से जुड़ी रहीं।

डेटा-ड्रिवन कैंपेन मैनेजमेंट और यूथ मोबिलाइजेशन में अपनी एक्सपर्टीज के लिए जानी जाने वाली कीर्तना ने पार्टी के शुरुआती वर्षों में टीवीके के डिजिटल कम्युनिकेशन और सोशल मीडिया आउटरीच को बढ़ाने में एक अहम भूमिका निभाई।

कीर्तना ने मदुरै यूनिवर्सिटी से मैथेमेटिक्स में बीएससी और पांडिचेरी सेंट्रल यूनिवर्सिटी से स्टैटिस्टिक्स में एमएससी की है। कीर्तना तमिल, इंग्लिश और हिंदी समेत पांच भाषाएं भी अच्छी तरह बोलती हैं। टीवीके में उनके कद को तमिलनाडु की राजनीति में एक जेनरेशनल बदलाव के सिंबल के तौर पर देखा जा रहा है।

पश्चिम बंगाल सरकार ने मनोनीत सदस्यों और पुनर्नियुक्त अधिकारियों का कार्यकाल समाप्त किया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को विभिन्न राज्य सरकारी विभागों के अंतर्गत आने वाले विभिन्न बोर्डों, संगठनों, गैर-वैधानिक निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मनोनीत निदेशकों, सदस्यों और अध्यक्षों का कार्यकाल समाप्त करने का आदेश जारी किया।

पश्चिम बंगाल सरकार के एक वरिष्ठ विशेष सचिव द्वारा जारी आधिकारिक आदेश में कहा गया है, 'मुझे आपसे अनुरोध करने का निर्देश दिया गया है कि आपके विभाग के अंतर्गत आने वाले राज्य सरकार के विभिन्न बोर्डों, संगठनों, गैर-वैधानिक निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मनोनीत सदस्यों/निदेशकों/अध्यक्षों का कार्यकाल तत्काल समाप्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए।'

इसी आदेश में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान सेवानिवृत्ति के बाद पुनर्नियुक्ति या सेवा विस्तार का लाभ उठा रहे पूर्व राज्य सरकारी अधिकारियों का कार्यकाल समाप्त करने का भी निर्देश दिया गया है।

आदेश की प्रति में लिखा है, 'मुझे यह भी निर्देश दिया गया है कि राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में सामान्य सेवानिवृत्ति आयु (60 वर्ष) के बाद पुनर्नियुक्ति/सेवा विस्तार पर कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों का कार्यकाल भी तत्काल समाप्त किया जाए। यह सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से जारी किया गया है।'

2011 से 2026 तक ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के दौरान ऐसे निकायों में विभिन्न व्यक्तियों, विशेष रूप से बुद्धिजीवियों, सेलिब्रिटी जगत के लोगों और यहां तक ??कि सेवारत और सेवानिवृत्त मीडियाकर्मियों को नामांकित करना एक चलन बन गया था।

इसी बीच, पिछली राज्य सरकार ने कई सेवानिवृत्त नौकरशाहों और पुलिस अधिकारियों को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद भी या तो पुन: नियुक्त कर दिया या उनका कार्यकाल बढ़ा दिया, और वह भी उनके अंतिम वेतन के साथ-साथ अन्य भत्तों और लाभों के साथ।

विपक्षी दलों और आर्थिक सलाहकारों ने इस प्रवृत्ति की बार-बार आलोचना की थी। इस तरह की नियुक्तियों और पुन: नियुक्तियों के खिलाफ राजनीतिक तर्क यह था कि ये कदम या तो सत्ताधारी दल के विश्वासपात्रों को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए प्रचार में उनके अथक प्रयासों के लिए पुरस्कृत करने के लिए थे, या राज्य सरकार के गुप्त रहस्यों को छुपाने के लिए थे।इन नियुक्तियों और पुनर्नियुक्तियों के खिलाफ आर्थिक तर्क यह था ।

पेट्रोल, तेल गैस की खपत कम करने का मोदी के आह्वान को समूचे देशवासी स्वीकार करें: बृजमोहन अग्रवाल

देश की जनता को मोदी जी पर पूरा भरोसा कि वे देश को उर्जा के इस संकट से बाहर निकाल लेंगे

नई दिल्ली। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को दिल्ली स्थित अपने आवास में संवाददाताओं से बातचीत में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा तेल, गैस और पेट्रोल की खपत कम करने के आह्वान का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि हमें युद्ध के इस दौर में पेट्रोलियम, गैस, तेल और सोने की खपत कम से कम करनी चाहिए। क्योंकि यही अब सबसे बेहतर रास्ता है सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि जिन चीजों का हम उत्पादन नहीं कर सकते, उनकी कम से कम खपत करके हम अपने विदेशी मुद्रा भंडार की बचत कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी पर पूरी देश की जनता को विश्वास है कि वह देश को तेल और उर्जा के इस संकट के दौर से समूचे देश को बाहर निकाल लेंगे और इसलिए ही उन्होंने इस तरह का आह्वान देश वासियों से किया है। प्रधानमंत्री मोदी के इस आह्वान का मैं सबसे अधिक समर्थन करता हूँ क्योंकि इस समय हम उर्जा उत्पादों सहित अन्य उपयोगी चीज़ों के लिए 22 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा का भुगतान कर रहे हैं। लिहाज़ा पेट्रोलियम, गैस, तेल और सोने की

खपत कम करेंगे तो हमारी विदेशी मुद्रा ही बचेगी और वह देश की आर्थिक स्थिति को और मजबूत करेगी। आज युद्ध के इस दौर में विकसित देश अमेरिका और ब्रिटेन भी संकट में हैं, इसलिए हमारे विकासशील देश भारत को इस संकट में अपनी खपत कम करके अपनी आर्थिक व्यवस्था को ठीक रख सकते हैं। मोदी जी के खपत कम करने के कथन को हर देशवासियों को स्वीकार करते हुए देश की अर्थव्यवस्था की प्रगति में अपना योगदान देना चाहिए।

वैश्विक तनाव के बीच जैव ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता: शक्तिकांत दास

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव और भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को कहा कि जैव ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन केंद्र सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि भारत बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच अपनी ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक मजबूती को और मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है।

मुंबई में आयोजित 'सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट 2026' में बोलते हुए दास ने कहा कि भारत की मजबूती का आधार मजबूत आर्थिक स्थिरता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद सरकार की वित्तीय स्थिति और बैंकिंग व्यवस्था स्थिर बनी हुई है।

उन्होंने कहा, 'कॉरपोरेट कंपनियों की बैलेंस शीट अब पहले की तुलना में काफी मजबूत है, जिससे नए निवेश को समर्थन मिलेगा।' साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार सुधारों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस मामले में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जा रही है।

हालांकि, दास ने चेतावनी दी कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव और सप्लाई चेन में आ रही रुकावटें दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं पर भारी लागत का बोझ डालती रहेंगी।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पश्चिम एशिया में जारी तनाव के आर्थिक प्रभाव को कम करने के लिए कई कदम अपनाने की अपील की थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से कहा था कि जहां संभव हो, घर से काम करें, गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचें और एक साल तक विदेश यात्रा करने से परहेज करें।

उन्होंने नागरिकों से खाने के तेल, विदेशी उत्पादों और रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल को कम करने की भी अपील की थी।

इन उपायों को भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने और ईंधन आयात पर दबाव कम करने की बड़ी रणनीति के रूप में देखा जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी लोगों से घबराने की जरूरत नहीं होने की बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार मौजूदा वैश्विक हालात के असर को कम करने के लिए 'ठोस कदम' उठा रही है।

राजनाथ सिंह ने सोमवार को मंत्रियों के अनौपचारिक सशक्त समूह की पांचवीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ऊर्जा सप्लाई चेन पर पड़ने वाले खतरे और देश में जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता की समीक्षा की गई।

संक्षिप्त खबरें

फर्जी टिकट घोटाला: चैटजीपीटी से फर्जी आईपीएल टिकट बेचे गए, 4 गिरफ्तार

रायपुर। आईपीएल मैच के नाम पर बड़ा खेल सामने आया है। एआई टूल चैटजीपीटी की मदद से तैयार किए गए ऐसे नकली आईपीएल टिकट, जिन्हें पहली बार देखने पर कोई पहचान ही नहीं पाया। नाऊल के इकाना स्टेडियम के बाहर ये टिकट बैलगाड़ी पर बेच रहे थे, लेकिन प्रवेश द्वार पर स्कैन होते ही पूरा खेल खुल गया। शिकायत याचिका में ही साइबर सेल एक्टिवेशन और यूपीआई ट्रांजेक्शन ट्रैस करने के लिए चारों को थाने ले जाया गया। पुलिस के पास से फ़र्ज़ी टिकटें, पी.पी., मोबाइल, एटीएम कार्ड और प्रिंटिंग का पूरा अंकन मिला हुआ है। पूछताछ में पता चला कि पहले दिल्ली में और फिर डिजाइन सुधारकर लखनऊ में यह रेकैट चलाया जा रहा था ।

फसलों को खरपतवार से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए विचार-मंथन करेंगे देश भर के कृषि वैज्ञानिक

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आगामी 12 से 14 मई 2026 तक अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन अनुसंधान परियोजना' की 33वीं वार्षिक समीक्षा बैठक आयोजित की जा रही है। है। इस तीन दिवसीय बैठक का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक (NRM) डॉ. ए. के. नायक द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह किया जाएगा। यह परियोजना देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में फसलों में खरपतवार नियंत्रण पर अनुसंधान तथा नवीनतम तकनीकों के विकास एवं उनके किसानों के बीच प्रसार हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जबलपुर स्थित खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के माध्यम से चलाई जा रही है।

इस समीक्षा बैठक में भारत भर के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालय में संचालित 17 प्रमुख केंद्रों, तथा 7 स्वयंसेवी केंद्रों में खरपतवार अनुसंधान में लगे कार्यरत वैज्ञानिकों के अलावा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (SAUs) संस्थानों तथा हर्बीसाइड उद्योगों लगभग 100 वैज्ञानिकों के शामिल होने की संभावना है।

समीक्षा बैठक के दौरान वर्ष 2025-26 में किए गए अनुसंधान कार्यों एवं विस्तार गतिविधियों की प्रमुख उपलब्धियों की समीक्षा की जाएगी तथा आगामी दो वर्षों के लिए तकनीकी कार्यक्रम पर गहन विचार विमर्श करते हुए अंतिम रूप दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि खरपतवार नियंत्रण न करने या समय पर न किए जाने से फसल उत्पादन में लगभग 40 से 60 प्रतिशत तक कमी आती है। धान की सीधी बोनी में यह कमी कभी कभी 90 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर मधेश्वर महादेव पर्वत में हुई विशेष पूजा-अर्चना

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और आस्था के केंद्रों को नया गौरव प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ, महाकाल और सोमनाथ जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों का व्यापक विकास आज भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक है। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर मधेश्वर महादेव पर्वत में हुई विशेष पूजा-अर्चना मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर के महादेव घाट स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व - अटूट आस्था के 1000 वर्ष' कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर से किए गए संबोधन को वर्चुअल माध्यम से सुना।

रायपुर के लक्ष्य ज्वेलर्स में 1 करोड़ की चोरी

देर रात बदमाशों ने बोला धावा और जेवरात ले उड़े

रायपुर। रायपुर में लक्ष्य ज्वेलर्स में भारी मात्रा में ज्वेलरी की चोरी हुई है। शनिवार देर-रात चोरों ने ज्वेलरी दुकान को निशाना बनाते हुए करीब एक करोड़ रुपए के जेवरात पार कर दिए। घटना खम्हारडीह थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार और रविवार की रात करीब 12:30 बजे चोर लक्ष्य ज्वेलरी शॉप में घुसे और दुकान से बड़ी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। रविवार को दुकान बंद होने के कारण इसकी जानकारी कारोबारी को नहीं हुई। सोमवार सुबह शॉप खोलने पर चोरी का पता चला।

रायपुर के शंकर नगर इलाके में स्थित है लक्ष्य ज्वेलर्स।

क्राइम ब्रांच सूचना मिलने के बाद खम्हारडीह थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है, जिससे चोरी से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा सकें। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

सोमवार को फोरेंसिक की टीम जांच करने शोरूम पहुंची।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित होगा 'पत्रकारिता मार्तण्ड उत्सव

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निवास कार्यालय में रायपुर प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 30 मई को आयोजित 'पत्रकारिता मार्तण्ड उत्सव' में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री साय ने आमंत्रण के लिए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने 'पत्रकारिता मार्तण्ड उत्सव' के पोस्टर का विमोचन भी किया। क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी ने बताया कि यह आयोजन हिंदी पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा, लोकतंत्र में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका तथा पत्रकारिता के योगदान को सम्मानित और स्मरणीय बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि कार्यक्रम में प्रदेश एवं देश के वरिष्ठ पत्रकारों, संपादकों, मीडिया विशेषज्ञों, साहित्यकारों तथा विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियों की सहभागिता रहेगी। आयोजन के अंतर्गत पत्रकार सम्मान, विचार गोष्ठी, विशेष व्याख्यान एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया जाएगा।

21 साल बाद पलटा फैसला!

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने 21 साल पुराने रेप और किडनैपिंग केस में बड़ा फैसल सुनाकर सभी को चौंका दिया। ट्रायल कोर्ट से 7 साल की सज़ा का दी गई थी। इसमें अब आरोपी बाइज़्ज़त बरी हो गया है। अदालत ने साफा से कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित ही नहीं कर पाया कि घटना का वक्त पीड़ित की 16 साल से कम उम्र की थी। इतना ही नहीं, मेडिकल रिपोर्ट और बाकी रिकॉर्डिंग देखने के बाद कोर्ट को संबंध सहमति से देखा गया।

उच्च न्यायालय ने बड़ा सवाल उठाया और कहा कि विशिष्ट विवाह या जबरदस्ती ले जाने के ठोस सबूत ही नहीं दिए गए। ऐसे में संदेह का फ़ायदे माल को मिला और 21 साल पुराने केस में पूरा फैसला पलट गया।

छत्तीसगढ़ में खाद संकट पर किसान यूनियन भड़का, साय सरकार पर हमला

रायपुर। छत्तीसगढ़ खेती किसानी से समृद्ध राज्य है. यहां पर धान के अलावा अन्य फसलों की खेती है. प्रदेश में खरीफ सीजन के लिए समितियों में खाद उपलब्ध नहीं होने पर भारतीय किसान यूनियन ने राज्य सरकार पर हमलावर रुख अख्तियार कर लिया है. उर्वरक वितरण के अनुपात में बदलाव को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने साय सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं. भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश महासचिव तेजराम विद्रोही ने राज्य सरकार पर किसान विरोधी नीति अपनाने का आरोप लगाया है. किसानों को सीमित मात्रा में यूरिया और डीएपी देने का फैसला फसल उत्पादन को बुरी तरह प्रभावित करेगा.

भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश महासचिव तेजराम विद्रोही ने आरोप लगाया कि सरकार ने समितियां में नगद और उर्वरक वितरण के पुराने 60:40 अनुपात को बदल दिया है. इसे 70:30 कर दिया गया है. पहले किसानों को समितियां से 40% उर्वरक मिलता था लेकिन अब यह घटकर 30% रह जाएगा. इससे किसानों को बाकी खाद निजी व्यापारियों से अधिक कीमत पर खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ेगा.

भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश महासचिव तेजराम विद्रोही निजी खाद कंपनियों विक्रेताओं पर अतिरिक्त सामान बेचने का दबाव बनाती है. जिसका सीधा आर्थिक नुकसान किसानों को उठाना पड़ता है. इससे खाद विक्रेताओं और किसानों के बीच विवाद और कटुता बढ़ती है. जबकि इसका फायदा खाद कंपनियां उठाती हैं-तेजराम विद्रोही, महासचिव, भारतीय किसान यूनियन ।

सीमित खाद वितरण से घटेगा उत्पादन

किसान यूनियन ने सरकार के प्रति एकड़ एक बोरी यूरिया और एक बोरी डीएपी देने के फैसले को किसानों के साथ धोखा बताया है. तेजराम विद्रोही का कहना है कि पिछले साल समय पर खाद नहीं मिलने से करीब 20% धान उत्पादन प्रभावित हुआ था. इस बार सीमित खाद वितरण से उत्पादन में और गंभीर गिरावट आ सकती है.

विद्रोही ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर किसानों का उत्पादन कम करना चाहती है. जिससे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कम मात्रा में धान खरीदना पड़े. उन्होंने चेतावनी दिए कि यदि किसानों को समय पर पर्याप्त खाद उपलब्ध नहीं कराया गया तो किसानों की परेशान बढ़ जाएगी. किसान सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन के लिए मजबूर हो जाएंगे।

ILS हॉस्पिटल्स ने एक वर्ष में महत्वपूर्ण उपलब्धि की हासिल

रायपुर । आइएलएस हॉस्पिटल्स रायपुर ने अपने संचालन के पहले वर्ष में 20,000 से अधिक मरीजों का सफलतापूर्वक उपचार कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस दौरान अस्पताल ने क्षेत्र के मरीजों के बीच मजबूत 'Trust & Faith' स्थापित किया है।

अस्पताल द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, एक वर्ष में 2,200 से अधिक डायलिसिस, 800+ कैथ लैब एवं कार्डियक प्रक्रियाएं, 450+ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी प्रक्रियाएं, 10 किडनी ट्रांसप्लांट, 500 से अधिक सर्जरी तथा 7,100 से अधिक रेडियोलॉजी एवं डायग्नोस्टिक प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक की गई हैं।

ये उपलब्धियां अस्पताल की अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, अनुभवी चिकित्सकों, मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण और समुदाय के बढ़ते विश्वास को दर्शाती हैं।

आइएलएस हॉस्पिटल्स की स्थापना वर्ष 2000 में प्रसिद्ध लैप्रोस्कोपिक एवं बैरियाट्रिक सर्जन डॉ. ओम तांतिया द्वारा मात्र 8 बेड से की गई थी।

उनके दूरदर्शी नेतृत्व में आज यह समूह देश के प्रमुख मल्टीस्पेशियलिटी हेल्थकेयर संस्थानों में शामिल हो , डॉ. सौरभ चोर्डिया ने कहा कि अस्पताल उच्च गुणवत्ता और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है, जहां मरीज संतुष्टि सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अस्पताल के समर्पित डॉक्टरों, कुशल नर्सिंग स्टाफ, प्रशिक्षित पैरामेडिकल टीम और सभी कर्मचारियों को दिया।

आइएलएस हॉस्पिटल्स रायपुर आने वाले समय में भी स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए मरीजों के विश्वास और भरोसे को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

एक वर्ष की सफल पूर्णता के अवसर पर ILS हॉस्पिटल्स रायपुर ने 'OPD केयर कार्ड' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह पहल आम जनता के लिए किफायती, सुलभ और समुदाय-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। यह लंबे समय से चिंता का विषय रहा है कि OPD सेवाएं अधिकांश बीमा योजनाओं में शामिल नहीं होती हैं, जिससे मरीजों पर आर्थिक बोझ बढ़ता है। OPD केयर कार्ड इस अंतर को पाटने का प्रयास है।

बिरगांव में पानी की किल्लत पर आम आदमी पार्टी ने निगम ऑफिस के सामने किया प्रदर्शन

रायपुर। राजधानी रायपुर सहित बिरगांव नगर निगम एरिया में उत्पन्न भीषण पेयजल संकट ने आम नागरिकों का जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। समुचित पेयजल आपूर्ती की मांग को लेकर प्रदेश सचिव अनुषा जोसेफ़ के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने नगर निगम कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। आप नेताओं ने बताया कि बिरगांव के कई इलाकों में लोग पानी के लिए तरसने को मजबूर हैं। अनेक इलाकों में लगातार जल स्तर गिरने के कारण बोर सूख गया है और लोग परेशान हैं। लोगों ने निगम प्रशासन से पानी टेंकरों की मांग की लेकिन निगम कई जगह पानी पहुंचाने की समुचित व्यवस्था नहीं कर पा रहा है। नगर निगम आम जनता के लिए शुद्ध जल की आपूर्ति करने में लगातार नाकाम साबित हो रही है।

इसी को लेकर 11 मई 2026 को आम आदमी पार्टी द्वारा बिरगांव के नगर निगम ऑफिस के सामने प्रदर्शन कर निगम आयुक्त को ज्ञापन दिया गया । प्रदर्शन में आम आदमी पार्टी की ओर से अनुषा जोसेफ, शिव शर्मा कलावती मार्को, इमरान खान,देवेंद्र गुप्ता,विकास दास मानिकपुरी, विजय देवांगन, बलवंत सिंह,नूतेश शर्मा, प्रिया शर्मा, तीरथ राम मिश्रा, नितेश कुमार दुबे, मुदलियार सहित अनेक साथी शामिल

एम्स रायपुर में 'तृतीय वार्षिक पीडियाट्रिक न्यूट्रिशन कोर मीट 2026' का सफल आयोजन

रायपुर । अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर के क्लिनिकल न्यूट्रिशन एवं डायटेटिक्स विभाग द्वारा आईएपीईएन रायपुर चैप्टर एवं इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) छत्तीसगढ़ के सहयोग से 'तृतीय वार्षिक पीडियाट्रिक न्यूट्रिशन कोर मीट 2026' का सफल आयोजन किया गया। इस वर्ष के सम्मेलन का मुख्य विषय 'क्लिनिकल न्यूट्रिशन प्रैक्टिस में उत्कृष्टता का संवर्धन' रहा, जिसका उद्देश्य अकादमिक अनुसंधान और व्यावहारिक चिकित्सा के बीच के अंतर को कम करना है ताकि बच्चों के स्वास्थ्य परिणामों में सुधार लाया जा सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एम्स रायपुर के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ, लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर एम्स रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. एली मोहापात्रा, आईएपीईएन रायपुर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. विशाल कुमार और सचिव जूली पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहीं। गणमान्य अतिथियों ने सामूहिक रूप से इस बात पर बल दिया कि बाल चिकित्सा में जटिल पोषण संबंधी चुनौतियों के समाधान के लिए बहुविषयक सहयोग और निरंतर शोध अत्यंत आवश्यक हैं।

अपने संबोधन में लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिं ने रेखांकित किया कि बच्चों का उचित पोषण एक स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि बच्चों में कुपोषण, चयापचय संबंधी विकारों और गंभीर रूप से बीमार बच्चों के विशेष पोषण प्रबंधन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक एवं बहुआयामी दृष्टिकोण अनिवार्य है। उन्होंने आयोजन समिति की अध्यक्ष नुपुर जैन और डॉ. अनिल गोयल के साथ-साथ आयोजन सचिव शालिनी सोरेन और डॉ. अतुल जिंदल के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने नैदानिक विशेषज्ञता को मजबूत करने के लिए यह मंच प्रदान किया। तकनीकी सत्रों में देशभर से आए प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। डॉ. प्रिया चितले ने बाल पोषण मूल्यांकन पर विस्तृत जानकारी दी, जबकि डॉ. लेखा श्रीधरन ने गंभीर रोगियों के प्रबंधन में न्यूट्रिशन सपोर्ट की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। विशेष रूप से, 'विश्व उच्च रक्तचाप दिवस 2026' के अवसर पर डॉ. निमेष साहू ने उच्च रक्तचाप की बढ़ती समस्या पर व्याख्यान दिया और संतुलित आहार व नियमित जांच के माध्यम से इसके बचाव की सलाह दी। कार्यक्रम में जेक्का प्रदीप कुमार द्वारा 'न्यूट्री-क्विज़' और सपना बी. नायर द्वारा आधुनिक फीडिंग तकनीकों का लाइव प्रदर्शन भी किया गया।

सम्मेलन का समापन भविष्य में भी इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों को जारी रखने के संकल्प के साथ हुआ। डॉक्टरों, नर्सिंग अधिकारियों और स्वास्थ्य क्षेत्र के पेशेवरों सहित सभी प्रतिभागियों ने जन्मजात चयापचय विकारों और आधुनिक बाल पोषण चिकित्सा पर प्रदान किए गए व्यावहारिक ज्ञान की सराहना की। यह आयोजन विशिष्ट पोषण हस्तक्षेप के माध्यम से क्षेत्र में बाल स्वास्थ्य सेवाओं के मानकों को ऊपर उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

माटी के स्वाद, स्वाभिमान के साथ पर हुआ आयोजन

रायपुर। पुरानी बस्ती छत्तीसगढ़ी अग्रवाल भवन में प्रदेश के पत्रकारों और उनके परिवार के लिए आयोजित माटी के स्वाद कार्यक्रम में प्रदेश की परंपरागत कलेवा और बोरे बासी के साथ कई तरह की भाजी और चिला फरा जैसे कलेवा को बढ़ावा देने के साथ ही छत्तीसगढ़ी राजभाषा, मातृभाषा को अगले पायदान की ओर ले जाने के क्रम में छत्तीसगढ़िया पत्रकार महासंघ और वैदिक ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को एक पारिवारिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें प्रदेश के पत्रकार परिवार बड़ी संख्या में शामिल हुए।

इस मौके पर आयुर्वेद चिकित्सा संबंधी जानकारी के साथ आयुर्वेद मेडिकल कैंप का भी आयोजन किया गया जहां बड़ी संख्या में पत्रकार परिवार के सदस्यों ने स्वास्थ्य जांच कराई और दवाइयां ली, आयुर्वेद कालेज के डॉक्टर हरिन्द्र मोहन शुक्ला भी इस मौके पर अपनी टीम के साथ मौजूद रहे साथ ही डॉक्टर शुक्ला ने आयुर्वेद चिकित्सा पर शानदार व्याख्यान दिया और संतुलित आहार से स्वस्थ जीवन की सलाह दी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में वरिष्ठ पत्रकारों का स्वागत और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया गया। छत्तीसगढ़िया पत्रकार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्ररथ गर्व ने इस मौके पर छत्तीसगढ़ी भाषा पर विस्तृत भाव प्रकट करते हुए, राजभाषा छत्तीसगढ़ी में पत्रकारिता की जरूरत को प्रबलता से उठाया और प्रदेश भर के छत्तीसगढ़ी भाषी पत्रकारों को अपनी राजभाषा, मातृभाषा छत्तीसगढ़ी में व्यवहार करने अपील की ताकि भाषाई अस्मिता पर प्रदेश भर में एक भाव बन सके। वैदिक ग्रुप से सैय्यद सलमा जी ने आयोजन के लिए अपना विजन प्रकट किया साथ ही मदर्स डे को सेलिब्रेट करते हुए समाज में महिलाओं के सम्मान और मातृत्व पर व्याख्यान दिया।

संक्षिप्त खबरें

बीजापुर नक्सली डंपः जंगल में दबा था लाल आतंक का खजाना

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में गंगालूर थाने की टीम ने भारी मात्रा में बम बरामद किया है, जिसमें बैटरी और विस्फोटक सामग्रियां शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि डोडीतुमनार के पहाड़ी में बंकर बनाया गया है, जिसमें कई घातक हथियार हैं।

सूचना के बाद एक्शन में आई टीम ने मॉस्क पर स्टॉक करते हुए होंडा कंपनी के बिल्डर 02, लेथ मशीन 02, इन्वर्टर 01, बैटरी 04, कार्डेक्स वायर 50 मीटर, प्लास्टिक 02 और देशी बीजील लांचर 01 पोर्टफोलियो को बरामद किया।

धान सुखाड़ किसान परिवार का आरोप,बेरोजगारी रोककर मांगे गए पैसे

खैरागढ़। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विचारपुर धान बागान केंद्र में किसानों से कथित अवैध उत्पीड़न का मामला सामने आने के बाद हलकों में हड़कंप मच गया है। सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो वायरल हो रहा है जिसके आधार पर किसान परिवार ने कलेक्टर और क्षेत्रीय विभाग से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार, हंटरटोला निवासी किसान देविका सिन्हा का परिवार 270 बोरा धान लेकर पहुंच केंद्र था। आरोप है कि धान की गुणवत्ता खराब होने पर अलग-अलग अनुपात में रोक लगा दी गई और धान वापस ले जाने को कहा गया। किसान परिवार का कहना है कि बाद में धान उत्पादन में बदलाव की मांग की गई। तुलेश सिन्हा के अनुसार बातचीत के दौरान 10 से 15 हजार रुपये तक डूब गए। इसी दौरान ली गई कथित बातचीत का वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड किया गया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल है।

मामले में कंपनी केंद्र प्रबंधक गंगाराम साहू ने सभी सहकर्मियों को वोट देने के बारे में बताया है। उनका कहना है कि असली किसान नहीं है और डिविज़न जांच में आरोप साबित नहीं हुआ है। जांच मामला जांच के कार्यालय में है।

CAF जवान ने की आत्महत्या, किराए के मकान में फांसी पर लटका मिला शव

धमतरी। धमतरी जिले से CAF के एक जवान की आत्महत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शहर की पिंक सिटी कॉलोनी स्थित किराए के मकान में जवान का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया।

मृतक की पहचान जागेश्वर प्रसाद के रूप में हुई है, जो भटगांव का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि वह छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में पदस्थ था और वर्तमान में सूरजपुर में उसकी ड्यूटी थी। जानकारी के मुताबिक, जागेश्वर प्रसाद हाल ही में पश्चिम बंगाल और असम चुनाव ड्यूटी से छुट्टी लेकर अपने घर लौटा था। छुट्टी के दौरान इस तरह का आत्मघाती कदम उठाने से विभाग के अधिकारी और परिजन भी स्तब्ध हैं।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस

घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जवान के शव को फंदे से नीचे उतारकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। फिलहाल पुलिस पड़ोसियों और परिजनों से पूछताछ कर रही है। आत्महत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। कोतवाली थाना पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

जटिल रोगों का कबीरधाम जिला अस्पताल में हो रहा सफल उपचार

कबीरधाम। जिला अस्पताल कबीरधाम में अत्यधिक एवं लंबे समय तक मासिक रक्तस्राव से पीड़ित दो महिलाओं का सफलतापूर्वक उपचार कर उन्हें राहत प्रदान की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा समय पर जांच एवं सर्जरी कर मरीजों को गंभीर जटिलताओं से बचाया गया। डॉ. निहारिका सिंह ने बताया कि लंबे समय तक अत्यधिक मासिक रक्तस्राव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर जांच एवं उचित उपचार से गंभीर एनीमिया एवं अन्य जटिलताओं से बचाव संभव है। महिलाओं से नियमित स्त्री रोग जांच कराने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है।

पहले मामले में 47 वर्षीय महिला पिछले तीन वर्षों से अत्यधिक एवं लंबे समय तक मासिक धर्म की समस्या से परेशान थीं। लगातार अधिक रक्तस्राव होने के कारण उन्हें नियमित दवाइयों की आवश्यकता पड़ती थी तथा गंभीर एनीमिया की स्थिति में रक्त चढ़ाने (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) की जरूरत भी पड़ी।

जांच एवं अल्ट्रासाउंड में गर्भाशय का आकार बढ़ा हुआ पाया गया, जिसका वॉल्यूम लगभग 130 सीसी था। साथ ही एंडोमेट्रियल हाइपरप्लासिया की पुष्टि हुई। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने हिस्टरेक्टॉमी (गर्भाशय निकालने की सर्जरी) करने का निर्णय लिया। सर्जरी के दौरान दोनों ओर रक्तस्रावी पैराओवेरियन सिस्ट पाए गए, जिन्हें सफलतापूर्वक हटाया गया। ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा तथा मरीज स्वस्थ होकर घर लौट गईं।

दूसरे मामले में चैला बाई, उम्र 40 वर्ष, पिछले एक वर्ष से अत्यधिक एवं लंबे समय तक मासिक रक्तस्राव से पीड़ित थीं। लगातार रक्तस्राव के कारण उनका हीमोग्लोबिन स्तर घटकर मात्र 5 ग्राम रह गया था, जिसके चलते उन्हें 2 यूनिट रक्त चढ़ाना पड़ा। अल्ट्रासाउंड जांच में गर्भाशय में फाइब्रॉइड पाया गया, जिसके बाद हिस्टरेक्टॉमी करने का निर्णय लिया गया।

ऑपरेशन के दौरान फैलोपियन ट्यूब में सिस्ट पाया गया, जिसे सफलतापूर्वक हटाया गया। सर्जरी पूरी तरह सफल रही तथा मरीज स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से घर गई। इन दोनों सर्जरी को डॉ. निहारिका सिंह, स्टाफ नर्स एवं ओटी स्टाफ की टीम द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

धमतरी में 'समर कैम्प 2026' का आगाज़

धमतरी । जिले के बच्चों और युवाओं की खेल प्रतिभा को तराशने तथा ग्रीष्मकालीन अवकाश को रचनात्मक बनाने के उद्देश्य से धमतरी में 'समर कैम्प 2026' की शुरुआत हो गई है। जिला प्रशासन और खेल विभाग के समन्वय से आयोजित यह 30 दिवसीय शिविर 9 मई से 8 जून तक चलेगा, जिसमें खेल तकनीक के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

समर कैम्प का उद्देश्य केवल खेल प्रशिक्षण देना नहीं है, बल्कि बच्चों को एक सकारात्मक वातावरण प्रदान कर उन्हें नशामुक्ति, स्वास्थ्य और अनुशासित जीवनशैली की ओर प्रेरित करना है।

30 दिन, 36 केंद्र और अनगिनत अवसर

इस वर्ष समर कैम्प का दायरा बढ़ाते हुए जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 36 केंद्र बनाए गए हैं। फ्रीडम फिजिकल ट्रेनिंग सहित विभिन्न खेल संघों और क्लबों के माध्यम से बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार खेलों का चयन करने का विकल्प मिल रहा है। शिविर में मैदानी खेल में फुटबॉल, कबड्डी, एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, रग्बी को शामिल किया गया है। मार्शल आर्ट्स में कराटे, जूडो, ताइक्वांडो, बॉक्सिंग, कुडो के साथ-साथ ?पारंपरिक एवं अन्य में योग, शतरंज, कुश्ती, तीरंदाजी, स्केटिंग, वेटलिफ्टिंग को शामिल किया गया है ।

अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में निखरेगी प्रतिभा

शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यहाँ के अनुभवी प्रशिक्षक हैं, जो न केवल खेल की बारीकियां सिखा रहे हैं, बल्कि बच्चों में फिटनेस, अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता जैसे गुणों का संचार कर रहे हैं। इन शिविरों का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से ऐसी प्रतिभाओं की पहचान करना है, जिन्हें भविष्य में खेल अकादमियों और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जा सके।

रमणा की कविताओं में गहरी संवेदना : गिरीश पंकज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ बिलासा साहित्य मंच के तत्वावधान में रविवार को बिलासपुर प्रेस क्लब में वरिष्ठ साहित्यकार वेदुला वेंकट रमणा 'किरण' के कविता संग्रह 'अमरूद और आत्मा' का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार एवं सद्भावना दर्पण के संपादक गिरीश पंकज थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर शर्मा ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में बिलासपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष अजीत मिश्रा उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान कविता संग्रह 'अमरूद और आत्मा' का विधिवत लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर अतिथियों एवं साहित्यकारों ने साहित्य की वर्तमान भूमिका, कविता की सामाजिक प्रासंगिकता तथा पुस्तक की वैचारिक गहराई पर अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्य अतिथि गिरीश पंकज ने कहा कि वेदुला वेंकट रमणा 'किरण' की कविताएं समकालीन कविता के बीच अपनी एक सशक्त और विशिष्ट अभिव्यक्ति के रूप में उभरती हैं। उन्होंने कहा कि कवि ने अपनी रचनाओं में प्रकृति के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए समाज की जनहित के प्रति बढ़ती उदासीनता और सुस्त होती चेतना का विरोध किया है। उनकी कविताओं को गहराई से पढ़ने पर यह स्पष्ट होता है कि कवि अपने समय से आगे की दृष्टि रखते हैं, जो आने वाले समय में समकालीन साहित्य की नई पहचान बनेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. सुधीर शर्मा ने कहा कि 'अमरूद और आत्मा' जैसे अनूठे विषय और प्रतीकों पर केंद्रित कविताएं यह प्रमाणित करती हैं कि कवि जितने सरल व्यक्तित्व के हैं, उतने ही संवेदनशील भी हैं। उन्होंने कहा कि रमणा किसी एक विषय या शैली तक सीमित नहीं हैं। वे ग़ज़लें भी लिखते हैं, उनकी कविताओं में नए विचारों की ताजगी भी दिखाई देती है। कार्यक्रम का संचालन नितेश पाटकर ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार श्री सुनील शर्मा का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अजय पाठक, गंगाधर पटेल, केवल कृष्ण पाठक, बुधराम यादव, एमडी मणिकपुरी, रितेश पाटकर, संजय कुमार पाण्डेय, डॉ. चम्पा मजूमदार, डॉ. सुनीता मिश्रा, कमलेश पाठक,अशोक कुमार शर्मा,अनमोल सिन्हा, सुषमा पाठक,पूर्णिमा तिवारी अनमोल, अखिलेश तिवारी,देवाशीष मजूमदार, सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

पांच लाख रुपये की इनामी महिला माओवादी ने किया आत्मसमर्पण

जगदपुर। छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश सीमा पर सक्रिय पांच लाख रुपये की समर्थक महिला माओवादी ने आत्मसमर्पण कर दिया है। उनके इस कदम से संगठन को बड़ा झटका लगा है। आंध्रप्रदेश के अल्लूरी सिताराम आंध्रप्रदेश जिले में पुलिस के साथ रहने वाली महिला माओ पोडियम लक्ष्मी बीजापुर जिले के उसुर थाना क्षेत्र की निवासी है। डीकेएसजेडसी की सदस्य रही लक्ष्मी लंबे समय से छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश सीमा में सक्रिय थीं। पुलिस अधिकारियों ने महिला माओवादी को मुख्य धारा में दस्तावेज तैयार किए। बता दें, 2026 में, अल्लूरी सीताफल के आंध्र प्रदेश जिले में पांच माओवादियों ने पुलिस कप्तान अमित बरदार को गिरफ्तार कर लिया था। सरेंडर करने वालों में माओवादिया में एक डीवीसीएम (डिवीजनल कमेटी सदस्य) रैंक का सदस्य, तीन एसीएम/पीसीएमएम रैंक के सदस्य और एक कैडर सदस्य शामिल थे। डीवीसीएम सदस्य पर तीन लाख रुपये की मान्यता थी, जबकि एसीएम रैंक के सदस्य पर एक लाख रुपये की मान्यता थी। ये माओवादी दक्षिण जंगल में सक्रिय थे और पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी पीएलजीए के हिडमा समूह के साथ मिलकर काम कर रहे थे। नवंबर 2025 में, आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सितारामंदी जिले के मारेडुमिली क्षेत्र में पुलिस के साथ मिलकर शीर्ष माओवादी नेताओं सहित छह माओवादी मारे गए।

आरआई, पटवारी को बंधक बनाया गया, जमीन सीमांकन के दौरान हुए नुकसान पर भड़के ग्रामीण

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में भूमि सीमांकन को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। करतला थाना क्षेत्र के नोनबिर्रा गांव में रिलीव ने गलत सीमांकन का आरोप लगाया, राजस्व निरीक्षक (आरआईसी) और पीसीआर पटवारी को करीब दो घंटे तक बंधक रखा गया। इस दौरान जमकर विवाद हुआ। घटना के बाद पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ बंधक कार्य में बाधा, और बंधक सहित अलग-अलग धाराओं में दर्ज किया है।

बालको निवासी भरत चौहान नोनबिर्रा क्षेत्र में पटवारी के पद पर सवार हैं। उनके साथ राजस्व पर्यवेक्षक जयपाल सिंह ने नोनबिर्रा में ज़मीन का सीमांकन करने के लिए ग़ैर-आदिवासी आदेश दिए। सीमांकन के संबंध में संबंधित पक्ष की जानकारी दी गई है।

सीमांकन के दौरान एक पीएम संतराम, उनके पुत्र लीलाधर पटेल, हरिराम और हुकुमचंद पटेल ने सीमांकन की मांग पर विवाद खड़ा कर दिया। आरोप है कि चारों ने अमले की कार के पीछे मोटरसाइकिल खड़ी कर उन्हें वहां से नहीं जाने दिया।

विवाद के दौरान लीलाधर ने आत्महत्या कर लेने की धमकी भी दी। राजस्व पर्यवेक्षक और पटवारी पर लेकर गलत सीमांकन करने का आरोप लगाया। रिवाल्वर ने कहा, राजस्व अमले ने आरोप लगाया है, शेष दो घंटे तक उन्हें रोके रखा गया, जिससे सीमांकन का ढांचा कार्य प्रभावित हुआ। रेवेन्यू जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। करतला पुलिस ने संतराम, लीलाधर पटेल, हरिराम और हुकुमचंद पटेल के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

औद्योगिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए 'स्टैंडर्ड सस्टेनेंस ट्रैकर' पर हुआ संवाद

भिलाइ। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 'स्टैंडर्ड सस्टेनेंस ट्रैकर' विषय पर एक 'लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मानव संसाधन विकास केंद्र के सभागार में आयोजित यह कार्यक्रम मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) देबदत्त सतपथी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, महाप्रबंधक प्रभारी (सुरक्षा अभियांत्रिकी) एस. के. अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर सत्र का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में अग्रवाल ने औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में 'स्टैंडर्ड सस्टेनेंस ट्रैकर' की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का केवल निर्धारण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका सतत अनुपालन और प्रभावी मॉनिटरिंग भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एक व्यवस्थित ट्रैकिंग प्रणाली के माध्यम से संयंत्र के भीतर सुरक्षा संस्कृति को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकता है।

तकनीकी सत्र के दौरान, मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित महाप्रबंधक (फोर्ज एंड एसएस शॉप) जितेन्द्र मोटवानी ने '360 डिग्री डेली ऑब्जर्वेशन एवं कंट्रोल' की अवधारणा को साझा किया। उन्होंने प्रतिभागियों को समझाया कि किसी भी सुरक्षा प्रणाली की सफलता तभी संभव है जब विभाग के शत-प्रतिशत कार्यक्षेत्र और प्रत्येक कर्मचारी की इसमें सक्रिय सहभागिता हो। मोटवानी ने 'स्टैंडर्ड सस्टेनेंस ट्रैकर' के लॉजिक, इसकी कार्यप्रणाली और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बारे में विस्तृत जानकारी दी, जिससे कार्यस्थल पर होने वाली त्रुटियों को न्यूनतम किया जा सके।

इस संवाद कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के कुल 32 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के आधुनिक तरीकों पर चर्चा की। कार्यक्रम का सफल समन्वय सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी) अजय टल्लू द्वारा किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित यह पहल औद्योगिक सुरक्षा प्रोटोकॉल को डिजिटल और व्यवस्थित रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लंबित मांगों और छंटनी के खिलाफ इंटक का विरोध

भिलाई। बीएसबी के कर्मचारियों ने सोमवार को इंटक के बैनर तले मुर्गा चौक पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने प्रबंधन की कथित मजदूर विरोधी नीतियों, लंबित मांगों, प्रमोशन में बाधा बन रही ग्रेडिंग प्रणाली तथा कर्मचारियों की छंटनी और कंपलसरी रिटायरमेंट के खिलाफ आवाज उठाई। प्रदर्शन के बाद प्रबंधन को संबोधित मांग पत्र आइआर विभाग को सौंपा गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ठेका मजदूर भी मौजूद रहे। कर्मचारियों ने कहा कि 39 महीने का एरियर और 1 जनवरी 2017 से लंबित वेतन समझौते को जल्द पूरा किया जाए। साथ ही 1 जनवरी 2027 से नए वेज बोर्ड का गठन करने की मांग भी उठाई गई। प्रदर्शनकारियों ने 650 वर्ग फीट के सभी आवासों को लाइसेंस पर देने की मांग करते हुए कहा कि कर्मचारियों के हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है। इस्पात संयंत्र सुरक्षा प्रदर्शन सोमवार सुबह 7:45 बजे से 8:45 बजे तक मुर्गा चौक में किया गया। कर्मचारियों ने कहा कि अपने हक और भविष्य की रक्षा के लिए संघर्ष जरूरी है। यूनियन पदाधिकारियों ने कर्मचारियों से एकजुट होकर आंदोलन में भाग लेने की अपील की। स्टील इम्पलाइज यूनियन इंटक भिलाई के महासचिव ने कहा कि यदि कर्मचारियों की मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। ठेका श्रमिकों के लिए केंद्रीय न्यूनतम वेतन लागू कर न्यूनतम मासिक वेतन ?26,000 निर्धारित करने, 35% ठेका श्रमिकों की छंटनी पर रोक लगाने, काम की गारंटी सुनिश्चित करने तथा सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की मांग पर अमल किया जाए।

संपादकीय

तपती कक्षाएँ और संवेदनहीन व्यवस्था

– डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत इस समय भीषण गर्मी के दौर से गुजर रहा है। हर वर्ष तापमान नए रिकॉर्ड बना रहा है। मौसम विभाग लगातार हीट वेव की चेतावनियाँ जारी करता है। लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। सरकारी कार्यालयों, निजी कंपनियों, बैंक, मॉल और बड़े संस्थानों में कूलर और एयर कंडीशनर की व्यवस्था सामान्य बात हो चुकी है। कर्मचारियों की सुविधा और कार्यक्षमता के लिए वातानुकूलित वातावरण को आवश्यक माना जाता है। लेकिन जब बात स्कूलों की आती है तो तस्वीर अचानक बदल जाती है। देश के लाखों बच्चे और शिक्षक आज भी तपती हुई कक्षाओं में बैठकर दिन बिताने को मजबूर हैं। ऐसा लगता है मानो व्यवस्था ने यह मान लिया हो कि केवल स्कूल के बच्चों और मास्टरों को ही गर्मी नहीं लगती। यह केवल एक व्यंग्यात्मक टिप्पणी नहीं, बल्कि हमारे शिक्षा तंत्र की दुखद सच्चाई है। जिस देश में बच्चों को 'राष्ट्र का भविष्य' कहा जाता है, वहीं उन्हीं बच्चों को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा जाता है। शिक्षा के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, स्मार्ट क्लास, डिजिटल इंडिया और नई शिक्षा नीति की बातें होती हैं, लेकिन जब कोई सरकारी स्कूल की वास्तविक स्थिति देखता है तो सारे दावे खोखले दिखाई देते हैं। गर्मी के दिनों में कई सरकारी स्कूलों की स्थिति किसी भट्ठी से कम नहीं होती। कहीं टीन की छतें धूप में तपकर आग उगलती हैं, कहीं छोटे-छोटे कमरों में दर्जनों बच्चे ठूँस दिए जाते हैं। कई स्कूलों में पंखे खराब पड़े रहते हैं, तो कहीं बिजली की ही व्यवस्था नहीं होती। खिड़कियाँ या तो टूटी होती हैं या इतनी छोटी कि हवा का प्रवेश ही न हो सके। ऐसे वातावरण में बच्चे घंटों बैठकर पढ़ाई करने की कोशिश करते हैं। कल्पना कीजिए, जब बाहर तापमान 45 डिग्री के पार हो और भीतर बैठा बच्चा पसीने से तरबतर हो, तब उसका ध्यान किताबों में कैसे लगेगा? छोटे बच्चे बार-बार पानी पीने के लिए उठते हैं, कुछ बच्चों को चक्कर आने लगते हैं, कई बच्चे थकान और बेचैनी से परेशान हो जाते हैं। कई बार हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी घटनाएँ भी सामने आती हैं। इसके बावजूद शिक्षा व्यवस्था में बैठे लोगों को यह समस्या शायद उतनी गंभीर नहीं लगती। शिक्षकों की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। उन्हें उसी गर्म वातावरण में लगातार कई पीरियड लेने होते हैं। बोर्ड पर लिखना, बच्चों को संभालना और पढ़ाना, यह सब आसान नहीं होता। लेकिन विडंबना यह है कि जिन शिक्षकों पर भविष्य निर्माण की जिम्मेदारी है, उनकी कार्य परिस्थितियों पर सबसे कम ध्यान दिया जाता है। यदि किसी सरकारी कार्यालय का एसी खराब हो जाए तो शिकायत तुरंत दर्ज होती है और मरम्मत की व्यवस्था भी जल्दी हो जाती है। कर्मचारियों की सुविधा को 'कार्य दक्षता' से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन स्कूलों में बच्चों और शिक्षकों के लिए कूलर या एसी की बात होते ही अक्सर यह कह दिया जाता है कि 'इतनी सुविधाएँ संभव नहीं हैं' या 'यह अनावश्यक खर्च है।' सवाल यह है कि क्या बच्चों का स्वास्थ्य और शिक्षा कम महत्वपूर्ण हैं? यदि आरामदायक वातावरण किसी कर्मचारी की कार्यक्षमता बढ़ा सकता है, तो वही वातावरण बच्चों की सीखने की क्षमता और मानसिक एकाग्रता को क्यों नहीं बढ़ाएगा?

आज बड़े शहरों के निजी स्कूलों में एयर कंडीशनर युक्त कक्षाएँ आम होती जा रही हैं। वहाँ पढ़ने वाले बच्चों को आधुनिक सुविधाएँ मिलती हैं। दूसरी ओर सरकारी स्कूलों के बच्चे बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करते हैं। यह केवल सुविधा का अंतर नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता का जीवंत उदाहरण है। एक तरफ अमीर बच्चों के लिए ठंडी और स्मार्ट कक्षाएँ हैं, दूसरी तरफ गरीब परिवारों के बच्चे तपती दीवारों और पसीने भरे कमरों में बैठने को मजबूर हैं। शिक्षा में समानता की बातें करने वाला समाज इस असमानता पर अक्सर चुप दिखाई देता है। शिक्षा केवल किताबों, परीक्षाओं और पाठ्यक्रम का नाम नहीं है। सीखने के लिए एक स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण भी उतना ही आवश्यक होता है। मनोवैज्ञानिक और शिक्षा विशेषज्ञ लंबे समय से यह बताते आए हैं कि अत्यधिक गर्मी बच्चों की एकाग्रता, स्मरण शक्ति और मानसिक सक्रियता को प्रभावित करती है। गर्म वातावरण में बच्चा जल्दी थक जाता है और उसकी सीखने की क्षमता कम हो जाती है। जब बच्चा पूरे समय गर्मी से परेशान रहेगा, तो वह पाठ पर ध्यान कैसे केंद्रित करेगा? शिक्षा का उद्देश्य केवल बच्चों को स्कूल भेजना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा वातावरण देना है जहाँ वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर सीख सकें। विडंबना यह है कि सरकारें शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए करोड़ों रुपये डिजिटल योजनाओं पर खर्च करती हैं, लेकिन कक्षाओं के तापमान पर शायद ही कभी चर्चा होती है। जबकि सच्चाई यह है कि गर्मी से जूझता बच्चा स्मार्ट बोर्ड से अधिक एक ठंडी हवा की जरूरत महसूस करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों की स्थिति तो और भी अधिक चिंताजनक है। कई गाँवों में बिजली की आपूर्ति ही नियमित नहीं होती। कुछ स्कूलों में आज भी पर्याप्त कमरे नहीं हैं। बच्चे पेड़ों के नीचे या खुले बरामदों में बैठकर पढ़ते हैं। ऐसे स्थानों पर कूलर या एसी की कल्पना करना भी कठिन लगता है। कई स्कूलों में पीने के पानी की समस्या भी गंभीर होती है। गर्मियों में पानी के टैंक सूख जाते हैं या पानी इतना गर्म हो जाता है कि पीना मुश्किल हो जाता है। बच्चों को कई बार दूर से पानी लाना पड़ता है। यह स्थिति केवल असुविधा नहीं, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। हर वर्ष शिक्षक दिवस, बाल दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर नेताओं के भाषणों में शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया जाता है। 'बच्चे देश का भविष्य हैं' जैसी पंक्तियाँ बार-बार दोहराई जाती हैं। लेकिन वास्तविक प्राथमिकताएँ स्कूलों की स्थिति देखकर समझी जा सकती हैं। यदि वास्तव में बच्चे देश का भविष्य हैं, तो क्या उन्हें कम से कम इतना अधिकार नहीं मिलना चाहिए कि वे सम्मानजनक वातावरण में शिक्षा प्राप्त कर सकें? क्या यह उचित है कि कार्यालयों की सुविधाएँ प्राथमिकता बन जाएँ और बच्चों की मूलभूत आवश्यकताएँ उपेक्षित रह जाएँ?

यह समस्या केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि सोच की भी है। हमारे समाज में अक्सर बच्चों और शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जाता। यह मान लिया गया है कि स्कूलों में थोड़ी असुविधा 'सामान्य' है। यही सोच सबसे बड़ी समस्या है। जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में गर्मी लगातार बढ़ रही है। कई शहरों में तापमान 47-48 डिग्री तक पहुँच चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले वर्षों में हीट वेव की घटनाएँ और अधिक बढ़ेंगी। ऐसे में स्कूलों की पारंपरिक व्यवस्था अब पर्याप्त नहीं रह गई है। आज आवश्यकता है कि स्कूल भवनों का निर्माण मौसम के अनुसार किया जाए। पर्याप्त वेंटिलेशन, हरे पेड़, ठंडे छत डिज़ाइन, स्वच्छ पेयजल और तापमान नियंत्रण जैसी सुविधाएँ अनिवार्य हों। यह विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता है। सरकार यदि चाह ले तो चरणबद्ध तरीके से सरकारी स्कूलों में कूलर और बेहतर पंखों की व्यवस्था की जा सकती है। सौर ऊर्जा आधारित समाधान भी अपनाए जा सकते हैं। कई राज्यों में मिड-डे मील, स्मार्ट क्लास और डिजिटल शिक्षा जैसी योजनाएँ सफलतापूर्वक लागू हुई हैं, तो बच्चों को गर्मी से राहत देने की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। लेकिन इसके लिए संवेदनशील सोच और वास्तविक प्राथमिकता की जरूरत है। केवल घोषणाओं और विज्ञापनों से शिक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं होगी। समाज को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। हम अक्सर अपने बच्चों के लिए निजी स्कूलों की सुविधाएँ देखते हैं, लेकिन सरकारी स्कूलों की दुर्दशा को सामान्य मान लेते हैं। सामाजिक संगठनों, पंचायतों, स्थानीय प्रशासन और अभिभावकों को भी इस विषय पर गंभीरता से सोचना चाहिए। बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमारे समाज में शिक्षक को 'गुरु' कहकर सम्मान दिया जाता है। शिक्षक दिवस पर बड़े-बड़े कार्यक्रम होते हैं। लेकिन वास्तविक सम्मान केवल भाषणों और फूलों से नहीं मिलता।

सम्मान तब मिलता है जब शिक्षक को बेहतर कार्य परिस्थितियाँ दी जाएँ। जो शिक्षक स्वयं गर्मी, थकान और असुविधा से जूझ रहा हो, उससे सर्वोत्तम प्रदर्शन की अपेक्षा करना उचित नहीं है। यदि हम शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना चाहते हैं, तो शिक्षकों के कार्य वातावरण को बेहतर बनाना ही होगा।

क्या प्रधानमंत्री की अपील असरकारक होगी ?

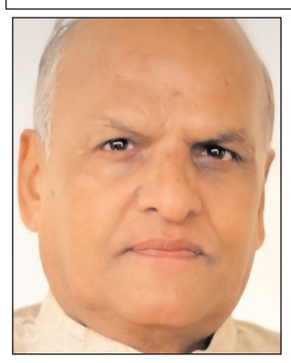

गिरीश पंकज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा की एक रैली को सम्बोधित करते हुए देश की जनता से अपील की है कि वह बचत पर ध्यान दे. पेट्रोल-डीजल खाद सहित अनेक वस्तुओं की खपत कम हो. उन्होंने कहा कि कोविड-काल में देश अपने अनेक खर्चों में कटौती करने पर विवश हो गया था, उसी तरह वर्तमान समय में संयम रखने की आवश्यकता है. पूरा देश समझ रहा है और स्वाभाविक है कि प्रधानमंत्री होने के नाते वह भी समझ रहे हैं कि देश किन संकटों से गुजर रहा है. युद्ध के चलते पेट्रोलियम आयात का संकट सामने है. भविष्य में पेट्रोलियम उत्पाद की कीमतें बढ़ सकती हैं, इसलिए प्रधानमंत्री ने पहले से ही संकेत दे दिया है कि पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम-से-कम करें. लोग वर्क फ्रॉम होम करें. विदेश यात्राएं कम करें.जिन शहरों में मेट्रो चल रही है, वहां के लोग अपने वाहनों से जाने के बजाय मेट्रो से सफर करें,ताकि पेट्रोल डीजल की बचत हो सके.माल ढुलाई के लिए माल गाड़ियों का इस्तेमाल अधिक हो. ट्रकों के कारण डीजल की खपत बढ़ जाएगी. आयातित खाद की बजाय जैविक खाद का इस्तेमाल करें, खाने के तेल का इस्तेमाल कम करें ताकि आदमी की सेहत भी ठीक रहे.सफर करना है तो बेहतर हो कि साझा ढंग से कार का इस्तेमाल करें, जिसे कार पूल्लिंग कहते हैं. ये सारे सुझाव बहुत अच्छे हैं.लेकिन बेहतर यह भी होता कि प्रधानमंत्री देश की आम जनता को समझाइए देने के साथ-साथ इस देश के नेताओं से भी यही अपील करते कि वे अनावश्यक प्रवास से बचें.अपने बंगले में होने वाले तामझाम पर लगाम लगाएँ. कितना अच्छा होता कि सारे मंत्री खुद कार पूलिंग करके इधर-से-उधर यात्रा करते. लेकिन ऐसा कुछ दिख नहीं रहा, न कभी दिखेगा. दुर्भाग्य की बात यह है कि हमारे नेता केवल सामान्य जन से ही त्याग की अपील करते हैं. यह और बात है कि वे अपने जीवन में त्याग को बिल्कुल आत्मसात नहीं करते. यही कारण है कि उनकी बातों का कुछ भी असर नहीं हो पाता. लालबहादुर शास्त्री जैसे महान नेता नहीं रहे, जिनकी अपील का असर होता था, और देश उनके कहे अनुसार जीवन यापन करने लगता था. लेकिन वर्तमान समय में हमारे नेताओं की फिजूलखर्ची सबके सामने है. यही कारण है कि उनके कहे का कोई असर नहीं होने वाला. अगर इस देश के नेता फिजूलखर्ची बंद कर दें, तो देश की जनता वैसे ही खुशहाल हो जाए. लेकिन सारी कटौतियां आम लोगों के लिए हो रही हैं,और सत्ता में बैठे नेताओं को सारी छूट है. एक मंत्री के पीछे अनेक कारें दौड़ती नजर आती है. कई बार उनके कारण यातायात रोक दिया जाता है. बहुत देर तक पेट्रोल डीजल नष्ट होता रहता है. हो सकता है कि मंत्री नेताओं की कारें पानी से चलती हों! इसलिए वे परवाह नहीं करते. अगर उनकी कारें पेट्रोल और डीजल से चलती तो नि:संदेह मंत्री सिर्फ अपनी कार में यहां से वहां भ्रमण करते.लेकिन हमारा लोकतंत्र राजशाही को जीने की कोशिश करता है.इसलिए कोई भी मंत्री आपको अकेले सफर करते नहीं दिखेगा. उसके आगे-पीछे जब तक आठ दस गाड़ियां न चलें तो शायद उसकी आत्मा को भी संतोष नहीं होगा. इसलिए प्रधानमंत्री ने अगर आम जनता से संयम बरतने की अपील की है तो हम उम्मीद करते

हैं कि वह तत्काल अपनी सरकारों से अभी अपील करें कि उनके मंत्री फिजूलखर्ची रोकें और गाड़ियों के झुण्ड के साथ चलने का मोह खत्म करें. इस देश में जितनी फिजूलखर्ची मंत्री और अफसर करते हैं, उतनी कोई नहीं करता. कलेक्टर, एसपी आदि के साथ भी तीन-चार गाड़ियां चलती हैं.क्यों चलनी चाहिए? कलेक्टर-एसपी की सुरक्षा के लिए क्यों इतना तामझाम होना चाहिए? यह अपने आप में बड़ा अपव्यय है, जन धन का दुरुपयोग भी. अगर हमारे नेताओं और अफसर की फिजूलखर्ची ही रोक दी जाए तो मुझे लगता है, पेट्रोल-डीजल का संकट बहुत हद तक खत्म हो सकेगा.

सामयिक अपील..

प्रधानमंत्री की एक अपील और बड़ी जोरदार है कि आम लोग सोने की गैर जरूरी खरीदी न करें. अरे,सोना जब इतना महंगा हो गया है तो निम्न

आयवर्गीय जनमानस उसे वैसे भी खरीदी कहां पा रहा? खरीदी का काम तो भ्रष्ट अफसर और नंबर दो की कमाई करने वाले नेता और उनके परिजन ही कर रहे हैं. आम आदमी तो सिर्फ रोज अखबार और टेलीविजन में सोने-चांदी के बढ़ते भाव को ही देख रहा है और सोच रहा है कि कब कीमतें कम हो, तब वह सोना खरीदने की हिम्मत करे. वैसे प्रधानमंत्री की अपील बेहद सामयिक है और वह आसन्न खतरे को महसूस भी कर रहे हैं. आज नहीं तो कल अगर ईरान और इजराइल का युद्ध खत्म नहीं हुआ,तो हो सकता है पेट्रोल डीजल की कीमतें बढ़ जाए.अभी तो सरकार में कीमतों को बढ़ाने पर रोक लगा कर रखी है.कल को हो सकता है वह भी विवश होकर हाथ पीछे खींच ले,फिर तो मजबूरी में लोगों को वही सब करना पड़ेगा जिसकी अपील प्रधानमंत्री ने की है. प्रधानमंत्री की अपील ने इस देश को आत्ममंथन के लिए भी मजबूर कर दिया है कि आखिर हम इतने दीनहीन कैसे हो गए! इसलिए यह समय सापेक्ष चिंतन है कि धीरे-धीरे हम पेट्रोल पर निर्भर का खत्म करने की ओर बढ़े और पेट्रोल के विकल्पों पर विचार करें.इलेक्ट्रॉनिक गाड़ियों का इस्तेमाल अधिक से अधिक हो. इसके लिए यह भी जरूरी है कि सरकार उसमें पर्याप्त सब्सिडी दे. विदेश मुद्रा बचाना भी बहुत जरूरी है इसलिए अनावश्यक विदेश भ्रमण का कार्यक्रम स्थगित कर देना अपने आप में एक अच्छा कदम हो सकता है. प्रधानमंत्री ने एक महत्वपूर्ण बात यह भी कही कि देशभक्ति दिखाने के लिए देश के लिए बलिदान करना ही जरूरी नहीं, अगर हम आत्म संयम रखते हुए अपने अनावश्यक खर्चों में कटौती करें तो वह भी अपने आप में देशभक्ति है. नि:संदेह यह महत्वपूर्ण बात है. लेकिन जैसा कि मैंने पहले भी कहा, यह देशभक्ति हमारे नेता कब दिखाएंगे? खासकर वह नेता जो सत्ता में बैठे हुए हैं,जिनको महंगी से महंगी गाड़ियां चाहिए और उनके आगे पीछे चलने वाली गाड़ियों का काफिला भी. अगर इस देश के नेताओं की फिजूलखर्ची रोक दी जाए तो बहुत हद तक पेट्रोल डीजल की खपत का समाधान हो सकता है. लेकिन वहां कोई अंकुश नहीं है. वहाँ मनमानी चलती रहती है. प्रधानमंत्री की अपील देखकर हो सकता है अब सत्ता में बैठे अनेक छुटभैये मंत्री-विधायक भी जनता से फिजूलखर्ची रोकने की अपील करने लगें,क्योंकि यह प्रवृत्ति देखने में आ रही है कि अगर प्रधानमंत्री कोई अपील करते हैं तो उनकी पार्टी के छोटे-छोटे मंत्री भी फ़ौरन अपील करने लगते हैं. गोया प्रधानमंत्री की अपील का कोई अर्थ नहीं जब तक एक अदना-सा मंत्री भी अपील न करे. इस देश की जनता समझदार है. प्रधानमंत्री ने अपील की, मतलब वह भी आत्मसात करने की कोशिश करेगा. कोविड -काल में प्रधानमंत्री ने कहा था कि थाली बजाना है,तो पूरा देश थाली बजाने लगा था. नेता जब जनता से अपील करते हैं तो जनता हंसती है और कहती है कि पहले तुम तो शुरुआत करो.

उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रधानमंत्री ने जो समय सापेक्ष अपील की है, उसका पालन आम जनता तो करेगी ही करेगी. लेकिन सत्ता में बैठे मंत्री विधायक भी इस अपील को अपने जीवन में लागू करके दिखाएंगे. विपक्ष को तो मौका मिलना चाहिए ताकि वह किसी बात को पकड़कर आलोचना करने लगे. प्रधानमंत्री की अपील का मजाक उड़ाकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि लोगों से अपील करके प्रधानमंत्री अपनी असफलता ही बता रहे हैं. उनके साथ दूसरे विपक्षी नेता भी सुर से सुर मिलाकर प्रधानमंत्री की आलोचना कर रहे हैं.सच कहें तो प्रधानमंत्री की अपील में दम है. आम जनता को संयम बरतते हुए अपने उन खर्चों में कटौती तो करनी ही चाहिए, जिस देश पर भार पड़ता है. लेकिन आमजन के साथ अगर सत्ता में बैठे हुए मंत्री विधायक भी इस कटौती का ईमानदारी से पालन करें, तो नि:संदेह देश खुशहाल हो सकता है.

नर्सों का योगदान और विश्व स्वास्थ्य का भविष्य

– महेन्द्र तिवारी

मानवता की सेवा और उपचार की प्रक्रिया में नर्सों का योगदान अतुलनीय है। प्रत्येक वर्ष 12 मई को संपूर्ण विश्व अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाता है। यह दिवस केवल एक तिथि नहीं है बल्कि उस समर्पण और करुणा का सम्मान है जो नर्सें बिना किसी स्वार्थ के समाज को प्रदान करती हैं। इस विशेष दिवस का आयोजन आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के उपलक्ष्य में किया जाता है। 1820 में जन्मी फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने नर्सिंग को एक पेशेवर और सम्मानित स्वरूप प्रदान किया। क्रीमिया युद्ध के दौरान उन्होंने रात के अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायल सैनिकों की जिस प्रकार सेवा की उसने उन्हें लेडी विद द लैंप की उपाधि दी। उन्होंने यह सिद्ध किया कि चिकित्सा केवल औषधियों का खेल नहीं है बल्कि इसमें स्वच्छता, सहानुभूति और निरंतर देखभाल का भी उतना ही महत्व है। वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की विषयवस्तु हमारी नर्सें, हमारा भविष्य, सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं निर्धारित की गई है। यह विषयवस्तु इस बात की ओर संकेत करती है कि भविष्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए नर्सों का सशक्तिकरण अनिवार्य है।

नर्सिंग सेवा का विस्तार केवल चिकित्सालयों की दीवारों तक सीमित नहीं है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जो व्यक्ति के जन्म से लेकर जीवन के अंतिम क्षणों तक उसके साथ बनी रहती है। स्वास्थ्य प्रणाली में नर्सों की भूमिका एक सेतु के समान है जो चिकित्सक और रोगी के मध्य संवाद और उपचार को सुगम बनाती है। किसी भी आपदा या आपातकाल की स्थिति में नर्सें ही सबसे अग्रिम पंक्ति में खड़ी नजर आती हैं। यदि हम वैश्विक आंकड़ों पर दृष्टि डालें तो विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि स्वास्थ्य क्षेत्र के कुल कार्यबल का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा नर्सों और दाइयों का है। इसके बावजूद वैश्विक स्तर पर नर्सों की भारी कमी देखी जा रही है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए लगभग 60 लाख अतिरिक्त नर्सों की आवश्यकता होगी। यह आंकड़ा हमें सचेत करता है कि यदि समय रहते इस क्षेत्र में निवेश नहीं किया गया तो भविष्य में स्वास्थ्य प्रणालियाँ लड़खड़ा सकती हैं।

भारत जैसे सघन जनसंख्या वाले देश में नर्सों का उत्तरदायित्व और भी अधिक बढ़ जाता है। भारतीय नर्सिंग परिषद के आंकड़ों के अनुसार देश में पंजीकृत नर्सों की संख्या लाखों में है परंतु प्रति 1000 जनसंख्या पर नर्सों की उपलब्धता अभी भी वैश्विक मानकों से कम है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है वहाँ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की पूरी जिम्मेदारी नर्सों के कंधों पर होती है। वे न केवल प्रसव संबंधी सेवाएं प्रदान करती हैं बल्कि टीकाकरण अभियानों, संक्रामक रोगों के नियंत्रण और पोषण संबंधी जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर को कम करने के भारत के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में नर्सों का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा है। वे समाज के सबसे निचले स्तर तक पहुँचकर स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाती हैं।

हाल के वर्षों में वैश्विक महामारी कोविड 19 ने संपूर्ण विश्व को नर्सों की वास्तविक शक्ति से परिचित कराया। जब पूरा विश्व भयभीत होकर घरों में बंद था तब नर्सें बिना अपनी जान की परवाह किए संक्रमित मरीजों की सेवा कर रही थीं। पीपीई किट पहनकर घंटों बिना भोजन और जल के काम करना उनके अदम्य साहस का परिचायक था। उस कठिन समय में नर्सों ने न केवल शारीरिक उपचार किया बल्कि एकांतवास में रह रहे मरीजों को मानसिक संबल भी प्रदान किया। कई नर्सों ने इस सेवा के दौरान अपने प्राणों की आहुति दे दी जो उनके व्यवसाय के प्रति सर्वोच्च बलिदान को दर्शाता है। इस महामारी ने यह पाठ पढ़ाया कि किसी भी देश की सुरक्षा केवल उसकी सीमाओं पर नहीं बल्कि उसके स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और उसके समर्पित स्वास्थ्य कर्मियों के हाथों में भी सुरक्षित है।

वर्तमान परिदृश्य में नर्सिंग के क्षेत्र में कई चुनौतियां भी विद्यमान हैं जिन्हें संबोधित करना अत्यंत आवश्यक है। नर्सों को अक्सर लंबे समय तक कार्य करना पड़ता है जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

बोध कथा

विवेक और उदारता

एक थी सत्संस्कारों में पली हुई बेटी। नाम था विनीता। नाम के ही अनुकूल बड़ों की विनय एवं सेवा को सौभाग्य मानती थी। प्रमाद-रहित स्वच्छ एवं चुस्त चर्या। अपने अध्ययन के साथ ही परोपकार में दत्तचित्त । सहज ही सर्व की प्रिय ।

दैवयोग से उसका विवाह धनी किन्तु कंजूस परिवार में हो गया। जहाँ न पात्रदान न करुणादान।

एक दिन एक अशक्त, भूखा और असहाय वृद्ध द्वार पर आया। बहू ने देखा और वासी सूखी रोटी दे दी।

वृद्ध ने कहा- 'बेटी ! यह तो मुझसे नहीं खाई जायेगी।

बहू- 'बाबा ! इस घर में वासी ही खाया जाता है।

बहू की विनय, सेवा एवं कर्तव्यनिष्ठा से प्रसन्न रहने वाले वहीं खड़े हुए उसके श्वसुर बोले- ''बेटी ! ऐसा क्यों कहती हो?' 7

बहू- 'पिताजी ! इस घर में मैंने यही देखा है कि पूर्व पुण्य से प्राप्त सम्पदा को भोगो और जोड़ो। दान, पुण्य, धर्म आदि तो देखा ही नहीं। श्वसुर को अपनी भूल समझ में आयी। फिर तो बहू ने उस भूखे वृद्ध को अच्छा भोजन कराया और धर्ममार्ग में लगने की प्रेरणा की तथा उसका परिचय प्राप्त कर सच्चरित्र जान घर के समीप ही एक कोठरी रहने को दे दी।

वृद्ध भी कृतज्ञ-भाव से यथाशक्ति घर के कार्यों में सहयोग करने लगा। घर के छोटे बच्चों को तो वह बहुत प्यार से खिलाता। उनसे अच्छी बातें करता, बड़े बच्चों से तो वह अच्छी पुस्तकें पढ़वाता और प्रसन्न रहता। बहू की सुबुद्धि से मिल गया परिवार को एक विश्वसनीय सेवक।

एक दिन बुखार आया और अल्प समय में वह भगवान का स्मरण करता हुआ और देह से भिन्न आत्मा का चिन्तन करता हुआ, सभी से क्षमाभाव-पूर्वक शान्त परिणामों से देह छोड़ कर, सद्गति को प्राप्त हुआ।

'जिसप्रकार नाप से छोटा जूता तो मात्र पैर में ही कष्ट देता है, परन्तु नाप से बड़ा जूता तो गिराकर पूरे शरीर को कष्ट देता है, उसी प्रकार धन की कमी से तो व्यक्ति मात्र परेशान ही होता है, परन्तु धन की अतिवृद्धि व्यक्ति को अहंकारी, विलासी, क्रूर आदि बनाकर पतन के गर्त में गिरा देती है।

व्यंग्य केसरी

नेताजी का पेट दर्द

रविन्द्र गिन्नौरे

पेट दर्द कई तरह के होते हैं। अक्सर ज्यादा खाने वाले पेट दर्द से पीड़ित रहते हैं,पर नेता ज्यादा खाकर भी पचा लेते हैं। कभी किसी की तरक्की देखकर पेट दर्द होने लगता है। बचपन में जब स्कूल नहीं जाना होता था तब पेट दर्द का बहाना बड़ा काम आता था। राजनीतिज्ञों का पेट दर्द कुर्सी छिन जाने पर होता है। पीढ़ी दर पीढ़ी पेट दर्द होता चला आ रहा है। पेट दर्द का बहाना इतना सटीक है कि इसे डाक्टर भी नहीं झुठला सकते।

पेट दर्द का एक जुड़वां भाई है उसका नाम हैं, 'पेट में मरोड़ उठना'। मरोड़ उठने पर खाया पिया पचता नहीं और लोटा लेकर जाने पर कुछ होता नहीं। बस..! पेट में मरोड़े' रह रह कर उठती हैं। ऐसी मरोड़ का इलाज डॉक्टर के पास भी नहीं है। चुनाव परिणाम की घोषणा होते ही 'पेट की मरोड़' महामारी का रुप ले लेती है। चुनाव हारने के साथ सत्ता का स्वाद चला जाता है और पेट की मरोड़ से नेता अंट संट बातें कहने लगते हैं! पहले के नेता गली मोहल्ले में लोगों को चेंदते अपनी मरोड़ ठीक कर लेते थे। अब तो बड़ी सहूलियत हो गई कि घर बैठ-बैठे अपने पेट की मरोड़ को शांत कर लो ! सोशल मीडिया जो आ गया है। राजनीतिज्ञों और लिख्खाड़ों के पेट में अक्सर मरोड़े उठती हैं। नेता तो मंचों पर भौंककर अपनी मरोड़ शांत कर लेते हैं। भला हो सोशल मीडिया का जिसने लिख्खाड़ो की मरोड़ ठीक करने का रास्ता खोल दिया है। आए दिन पेट की मरोड़ शांत करने वालों की जबरदस्त पोस्ट देखने को मिलती है। जो कभी इतिहास, संस्कृति, साहित्य आदि आदि के अगुवा बने थे बस एक चुनाव हारते सब कुछ धराशाई हो गया। अचानक बदलाव से पेट में रह रहकर मरोड़े तो उठेंगी ही । क्या करें! क्या नहीं करें! पर उनका बस कुछ चल नहीं रहा है। उनके तमाम ज्ञान पर वाहवाही होती, तालियां बजती।आज वही लोग उन्हें धता बता रहे हैं। जिनकी जमीं जमाई दुकान पर पानी फिर गया है। जिनकी हर अदा पर लोग जी हुजूरी करते नहीं थकते थे अब उन पर कुत्ता भी फटकता है। उद्घाटन, पुरस्कार, विमोचन आदि आदि के जो अगुवा बने थे, अब दूध की मक्खी की तरह उन्हें निकाल फेंका गया है। पद दलित कर दिए गए हैं। खाने के लाले पड़ गए हैं। स्वाभाविक है खाली पेट में मरोड़ और उठने लगी तो रोज़ रोज़ सोशल मीडिया में आते हैं और खुलासा कर लेते हैं।

बस एक ही सहारा रह गया है सोशल मीडिया। खिसियानी बिल्ली तो खंबा नोंचती है। बिल्ली के लिए आदिकाल से खंबा सोशल मीडिया जैसा काम आ रहा है। बिल्ली तो अपना इलाज कर लेती है। मौसम नहीं सत्ता बदलने से जिनके पेट में मरोड़े उठ रहे हैं उसे कैसे शांत किया जाए ? इस बारे में सुधिजन अपनी राय दें।

इतिहास

12 मई साल का 132 वां दिन है और इतिहास में इस दिन के नाम पर बहुत सी घटनाएं दर्ज हैं। 2008 में 12 मई को बस दो पल के लिए धरती ने करवट बदली और चीन में 87 हजार लोग मौत की गोद में समा गए। इतिहास के सबसे ताकतवर भूकंप में शुमार इस भूकंप में हजारों लोग लापता हुए, लाखों बेघर हो गए और इससे हुए संपत्ति के भारी नुकसान की भरपाई में बरसों का वक्त लगा। भूकंप से करीब चार लाख लोग घायल हुए। 12 मई की तारीख में देश दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज है। देखें आज का इतिहास...

1459 में राव जोधा ने जोधपुर की स्थापना की।

1666 में पुरंदर की संधि के तहत छत्रपति शिवाजी महाराज औरंगजेब से मिलने आगरा पहुंचे।

नकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते शेयर बाजार में भारी गिरावट, सेंसेक्स और निफ्टी 1.5 प्रतिशत फिसले

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी तनावों के बीच नकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली देखने को मिली और प्रमुख बेंचमार्क निफ्टी50 और सेंसेक्स 1.5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1312.91 अंकों यानी 1.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,015.28 पर था, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 360.30 अंक (1.49 प्रतिशत) गिरकर 23,815.85 पर पहुंच गया।

दिन के दौरान सेंसेक्स 76,638.09 पर खुलकर 1,300 अंकों या 1.5 प्रतिशत से अधिक गिरकर 75,957.40 के दिन के निचले स्तर पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 23,970.10 पर खुलकर दिन के दौरान 1 प्रतिशत से अधिक गिरकर 23,799.10 के निचले स्तर पर पहुंच गया।

व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 1.05 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक में 1.13 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो सबसे ज्यादा निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल में 3.73 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी में 3.05 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी ऑयल एंड गैस में 2 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी मेटल और निफ्टी प्राइवेट बैंक का प्रदर्शन भी खराब रहा।

निफ्टी पैक में सबसे ज्यादा टाटा कंज्यूमर के शेयरों में 8 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त देखने को मिली। इसके बाद मैक्स हेल्थ के शेयरों में 2.7 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा कोल इंडिया, सन फार्मा, एचयूएल, ग्रासिम, ओएनजीसी, अदाणी पोर्ट्स और एसबीआई लाइफ के शेयरों में भी तेजी देखने को मिली। इसके विपरीत, टाइटन, इंडिगो, एसबीआई, इटरनल, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, भारती एयरटेल और रिलायंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई और ये दिन के टॉप लूजर्स की लिस्ट में शामिल रहे।

इस दौरान, बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 473.5 लाख करोड़ रुपए से घटकर लगभग 467.5 लाख करोड़ रुपए हो गया, जिससे निवेशकों को करीब 6 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इस बीच, ब्रेंट क्रूड का मई फ्यूचर्स 2.12 प्रतिशत बढ़कर 103.4 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार करता नजर आया।मार्केट एक्सपर्ट सुनील शाह ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि शेयर बाजार में आई गिरावट की वजह केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील नहीं है, बल्कि इसके पीछे पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की लगातार ऊंची कीमतें सबसे बड़ा कारण हैं।

सोना केवल उपभोग के लिए नहीं, गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम से पुराना गोल्ड बाजार में लाने में मिलेगी मदद: इंडस्ट्री

सूरत। विदेशी मुद्रा को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैर-जरूरी सोना न खरीदने की अपील का समर्थन करते हुए इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के गुजरात अध्यक्ष नैनेश पच्चीगर ने सोमवार को कहा कि सोना केवल उपभोग के लिए नहीं है, बल्कि यह देश की संस्कृति, बचत, सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण का भी एक महत्वपूर्ण आधार है।

उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी की इस अपील से महत्वपूर्ण विदेशी मुद्रा की बचत करने में मदद मिलेगा।

पच्चीगर ने कहा कि इस उद्योग से लाखों छोटे कारीगर जुड़े हुए हैं और इस वजह से सरकार को पुरानी गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम को दोबारा से शुरू करना चाहिए। इससे बाजार में पुराना सोना लाने में मदद मिलेगी और उसकी रिसाइकिलिंग बढ़ेगी। इससे छोटे और मझोले कारीगरों को लगातार काम मिलता रहेगा। इससे विदेशी मुद्रा को देश से बाहर जाने से रोकने के सरकार के लक्ष्य को भी मजबूती मिलेगी।

पच्चीगर ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री की अपील का पालन करते हुए विदेशी मुद्रा की बचत भी हो और साथ ही आभूषण क्षेत्र से जुड़े करोड़ों कारीगरों की आर्थिक व्यवस्था पर भी कोई आंच न आए। इसके लिए एसोसिएशन जल्द ही सरकार के समक्ष एक सुझाव पत्र भी पेश करेगी।

दूसरी तरफ, जेसीबीएल ग्रुप की निदेशक सीए रेणु अरोड़ा ने पीएम मोदी का समर्थन करते हुए कहा कि सोने और कच्चे तेल के हम पूरी तरह से विदेशों पर निर्भर हैं, जब भी हम विदेशों से सोना और कच्चा तेल खरीदते हैं तो हमारे रुपए पर दबाव बढ़ता और इसकी वैल्यू कम होती है। इससे अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है।

उन्होंने आगे कहा कि सोने और कच्चे तेल की खपत होगी, तो वैश्विक झटकों का सामना करने में देश को मदद मिलेगीगी।

रविवार को सिकंदराबाद में रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से अगले एक वर्ष तक गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की अपील की थी, जिससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव कम हो सके।

उन्होंने कहा, 'वर्तमान परिस्थितियों में, विदेशी मुद्रा बचाना देश के लिए महत्वपूर्ण हो गया है।

मोबाइल डेटा जैसी क्रांति लाएगा एआई, ऊर्जा खपत में होगी बड़ी वृद्धि : गौतम अदाणी

नई दिल्ली। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने सोमवार को कहा कि एआई मोबाइल डेटा विस्फोट जैसी क्रांति लाएगा और इससे ऊर्जा की खपत में तेज वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय राजधानी में 'सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026' को संबोधित करते हुए गौतम अदाणी ने कहा कि एक दशक पहले, कुछ ही लोगों ने भारत में मोबाइल डेटा के विस्फोट के पैमाने की कल्पना की थी, लेकिन जैसे ही स्मार्टफोन किफायती हुए, नेटवर्क का विस्तार हुआ, डेटा की कीमतें गिरीं और खपत में जबरदस्त उछाल आया।

अदाणी समूह के चेयरमैन ने कहा, 'एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) भी इसी तरह की वृद्धि लाएगा, लेकिन यह वृद्धि कहीं अधिक ऊर्जा खपत करने वाली होगी। डेटा सेंटर की क्षमता, जिसके 2030 तक 5 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है, 2047 तक लगभग 75 गीगावाट तक बढ़ सकती है, इसीलिए भारत को अभी से तैयारी करनी होगी।'

उन्होंने आगे कहा कि भारत आम परिवारों, फैलते शहरों, सक्रिय कारखानों, इलेक्ट्रिक वाहनों और विस्तार की प्रतीक्षा कर रहे लाखों छोटे व्यवसायों के लिए विकास कर रहा है।अदाणी समूह के प्रमुख ने कहा, 'भारत में एक बड़ा फायदा यह है कि हम जो कुछ भी बनाएंगे, उसकी मांग पहले से ही मौजूद होगी। हमारे सामने चुनौती है ऐसी क्षमता का निर्माण करना जो मांग के साथ तालमेल बिठा सके।'

उन्होंने आगे कहा कि भारत ने एनर्जी सेक्टर में असाधारण प्रगति की है और मार्च 2026 में स्थापित ऊर्जा क्षमता 500 गीगावाट से अधिक हो गई है। बीते 10 वर्षों में स्थापित क्षमता में 53 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है।

गौतम अदाणी ने आगे कहा कि भारत अपनी इस क्षमता को 4 गुना तक बढ़ाने के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले दो दशक यानी 2047 तक यह 2,000 गीगावाट तक पहुंच जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि हमारी जीडीपी की वृद्धि दिशा देश की ग्रोथ स्टोरी को स्पष्ट रूप से दिखाती है। देश को दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में 67 वर्ष का समय लगा, लेकिन अगले दो ट्रिलियन डॉलर अगले 12 वर्षों में ही जोड़े गए। गौतम अदाणी के मुताबिक,भारत तेजी से विकास कर रहा है। हर सड़क, बंदरगाह, हवाई अड्डा, कारखाना, ऊर्जा संसाधन और डेटा सेंटर विकास के अगले स्तर को बढ़ा रहा है।

शेयर बाजार में मजबूती का असर! अप्रैल में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एयूएम 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक बढ़ा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में अप्रैल में आई मजबूती का असर म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री पर भी देखने को मिला है और इस दौरान एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बढ़त देखने को मिली है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया (एम्फी) की ओर से जारी डेटा के मुताबिक, 30 अप्रैल को म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एयूएम 81.92 लाख करोड़ रुपए था, जो कि 31 मार्च के एयूएम से 73.73 लाख करोड़ रुपए से 8.19 लाख करोड़ रुपए अधिक है।

अप्रैल में सेंसेक्स में 4,965.95 अंक या 6.90 प्रतिशत और निफ्टी में 1,666.15 अंक या 7.46 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई थी। बाजार की मजबूती की वजह ईरान-अमेरिका में तनाव कम होना और कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आना था।

एम्फी के मुताबिक, अप्रैल में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 38,440.20 करोड़ रुपए का इनफ्लो दर्ज किया गया था, जो कि मार्च में 40,450.26 करोड़ रुपए था। अप्रैल में पूरी इंडस्ट्री का इनफ्लो 3.22 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि मार्च में 2.39 लाख करोड़ रुपए था।

अप्रैल में लार्जकैप फंड्स में 2,524.61 करोड़ रुपए इनफ्लो दर्ज किया गया है, यह मार्च में 2,997.84 करोड़ रुपए था। मिडकैप फंड्स में इनफ्लो 6,551.40 करोड़ रुपए रहा है, जो कि मार्च में 6,063.53 करोड़ रुपए पर था।

अप्रैल में स्मॉलकैप फंड्स में इनफ्लो बढ़कर 6,885.90 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले महीने 6,263.56 करोड़ रुपए पर था।

फ्लैक्सीकैप फंड्स में इनफ्लो अप्रैल में 10,147.85 करोड़ रुपए रहा है, जो कि मार्च में 10,054.12 करोड़ रुपए पर था। सेक्टोरल और थीमेटिक फंड्स में इनफ्लो 1,949.36 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि मार्च में 2,698.82 करोड़ रुपए था। डेट फंड में अप्रैल में इनफ्लो अप्रैल में 2.47 लाख करोड़ रुपए था। वहीं, मार्च में 2.94 लाख करोड़ रुपए का आउटफ्लो दर्ज किया गया था।

तेल कंपनियों की एलपीजी डिलीवरी स्कैम को लेकर चेतावनी, जालसाज ओटीपी और ऑथेंटिकेशन के जरिए कर रहे फ्रॉड

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने देश में बढ़ रहे एलपीजी डिलीवरी स्कैम को लेकर चेतावनी जारी की है और कहा है कि जालसाज गैस डिलीवर करने वाले वेंडर बनकर ओटीपी और डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड के जरिए फ्रॉड कर रहे हैं।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और भारत पेट्रोलियम ने सोशल मीडिया पर साइबर धोखाधड़ी के बारे में उपभोक्ताओं को आगह करते हुए कहा कि इस धोखाधड़ी में घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को फर्जी एसएमएस और व्हाट्सएप मैसेज के जरिए निशाना बनाया जा रहा है, जो डिलीवरी नोटिफिकेशन की नकल करते हैं। इस मैसेज में ग्राहकों को वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) या डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) साझा करने के लिए कहा जाता है।

कई मामलों में, कॉल करने वालों ने गैस एजेंसी के अधिकारियों के रूप में खुद को पेश किया और गैस कनेक्शन 'काटने' से बचने के लिए केवाईसी अपडेट या आधार लिंक करने का अनुरोध किया, और फिर अनुरोधों को 'सत्यापित' करने के लिए ओटीपी की मांग की है।

एचपीसीएल ने ग्राहकों को सूचित किया कि आधिकारिक डिलीवरी मैसेज 'वीएम-एचपीजीएएससी-एस' नाम से आएगा, जिसमें चार अंकों का ओटीपी होगा और इसका उपयोग केवल सिलेंडर डिलीवरी के समय किया जाएगा।

पोस्ट में कहा गया, 'एचपी गैस के प्रतिनिधि कभी भी फोन कॉल, व्हाट्सएप संदेश या संदिग्ध लिंक के माध्यम से ओटीपी नहीं मांगेंगे।' साथ ही कहा, 'यदि संदेश अत्यावश्यक, अपरिचित या आधिकारिक प्रारूप से अलग दिखता है, तो उस पर भरोसा न करें।'

इसी तरह, इंडियन ऑयल ने ग्राहकों से आग्रह किया कि वे अपना 6 अंकों का डीएसी केवल इंडेन डिलीवरी कर्मियों के दरवाजे पर पहुंचने के बाद ही साझा करें।

बीपीसीएल ने उपभोक्ताओं को कहा, 'केवल डिलीवरी के समय ओटीपी साझा करना' ही उनकी सुरक्षा का एकमात्र नियम है।

इसके अलावा, तेल कंपनियों ने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे केवल इंडियनऑयल वन, एचपीपे या हेलो बीपीसीएल जैसे अपने आधिकारिक एप्लिकेशन के माध्यम से ही सिलेंडर बुक करें या विवरण अपडेट करें।

सत्यापित वेबसाइटों का भी उपयोग किया जा सकता है, लेकिन उपभोक्ताओं को व्हाट्सएप के माध्यम से व्यक्तिगत मोबाइल नंबरों से आने वाले मैसेज से सावधान रहना चाहिए।

अगर ग्राहक गलती से विवरण साझा कर देते हैं या उनके साथ वित्तीय धोखाधड़ी हो जाती है, तो चोरी हुए धन को फ्रीज करने की संभावना बढ़ाने के लिए उन्हें 'गोल्डन आवर' विंडो के भीतर राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करना चाहिए।

वैश्विक अस्थिरता के बीच भी भारत की विकास दर वित्त वर्ष 27 में 6.6 प्रतिशत रहने की उम्मीद : एसबीआई रिसर्च

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था के वित्त वर्ष 2026-27 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है और यह वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 7.2 प्रतिशत रह सकती है। यह जानकारी एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में सोमवार को दी गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 26 में भारत की विकास दर 7.5 प्रतिशत पर रहने की उम्मीद है। यह दिखाता है कि वैश्विक झटकों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. सौम्या कांति घोष ने कहा, 'कृषि और गैर-कृषि गतिविधियों से मिल रहे सकारात्मक संकेतों के कारण ग्रामीण उपभोग मजबूत बना हुआ है। राजकोषीय प्रोत्साहन के समर्थन से, शहरी उपभोग में पिछले त्योहारी सीजन से लगातार वृद्धि देखी जा रही है।'

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के बैंक ऋण में वित्त वर्ष 2026 में 16.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो वित्त वर्ष 2025 में 11.0 प्रतिशत थी। कुल ऋण वृद्धि 29.5 लाख करोड़ रुपए रही, जबकि पहली छमाही में यह केवल 5 लाख करोड़ रुपए और दूसरी छमाही में 24.5 लाख करोड़ रुपए थी। सरकार द्वारा जीएसटी के माध्यम से उपभोग को बढ़ावा देने के कारण वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में ऋण में वृद्धि जारी रही। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह रुझान अभी भी जारी है और 30 अप्रैल 2026 तक ऋण में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है, 'हालांकि, हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में ऋण वृद्धि मजबूत बनी रहेगी और उच्च आधार प्रभाव के कारण दूसरी छमाही में इसमें गिरावट आएगी। पूरे वर्ष के लिए ऋण वृद्धि 13-14 प्रतिशत रहने का अनुमान है।'

बाहरी संकटों, विशेषकर पश्चिम एशियाई संकट के बावजूद, घरेलू खपत से जीडीपी वृद्धि में सकारात्मक योगदान मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा, एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल 10 डॉलर की वृद्धि से चालू खाता दर में 0.35 प्रतिशत, मुद्रास्फीति में 0.35 से 0.40 प्रतिशत और जीडीपी में 0.20-0.25 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

नोएल टाटा ने वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह की टीईडीटी में पुनर्नियुक्ति का विरोध किया: रिपोर्ट

नई दिल्ली। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा एजुकेशन एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट (टीईडीटी) के ट्रस्टी के रूप में वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह की पुनर्नियुक्ति के खिलाफ मतदान किया है। यह जानकारी कई रिपोर्ट्स में दी गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, नोएल टाटा ने मतदान की निर्धारित समय सीमा समाप्त होने से एक दिन पहले अपना वोट डाला था। पुनर्नियुक्तियों के लिए सर्वसम्मति आवश्यक थी, जिससे दोनों की टीईडीटी में पुनर्नियुक्ति अब संभव नहीं है।

खबरों के अनुसार, श्रीनिवासन और सिंह अपने वर्तमान कार्यकाल की समाप्ति के बाद टीईडीटी से इस्तीफा दे देंगे।

यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पहले भी नोएल टाटा ने शासन संबंधी मामलों पर सीनियर ट्रस्टी के साथ आम सहमति बनाए रखी थी। टाटा ट्रस्ट्स के भीतर नेतृत्व और निगरानी को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच उनके पुनर्नियुक्तियों का विरोध करने को एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

इसके अलावा, टीईडीटी टाटा ट्रस्ट्स के अंतर्गत संचालित प्रमुख धर्मार्थ संस्थाओं में से एक है और छात्रवृत्ति और शैक्षणिक सहायता कार्यक्रमों जैसी कई शिक्षा-केंद्रित पहलें चलाती है।हालांकि टाटा संस में इसकी कोई इक्विटी हिस्सेदारी नहीं है, फिर भी यह ट्रस्ट एक बड़ी धनराशि का प्रबंधन करता है और समूह के परोपकारी नेटवर्क में एक प्रभावशाली संस्था बना हुआ है।

यह ताजा घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब टाटा ट्रस्ट्स में शासन से संबंधित व्यापक विचार-विमर्श चल रहा है।

इसके अलावा, सीनियर ट्रस्टी टाटा संस बोर्ड में प्रतिनिधित्व, कुछ समूह कंपनियों के प्रदर्शन और भविष्य के नेतृत्व से संबंधित मामलों की समीक्षा करने वाले हैं।

यह भी माना जा रहा है कि चर्चाओं में टाइटन कंपनी के पूर्व प्रबंध निदेशक भास्कर भट्ट को टाटा संस बोर्ड में शामिल करने की संभावना भी शामिल है।

साथ ही, टाटा संस बोर्ड में टाटा ट्रस्ट्स के नामित निदेशक के रूप में श्रीनिवासन की भूमिका की भी समीक्षा की जा रही है। इससे पहले, ट्रस्टी मेहली मिस्त्री और जे.एन. मिस्त्री ने भी कथित तौर पर प्रस्तावों के खिलाफ मतदान किया था।

पृथ्वी के अस्तित्व के लिए जरूरी है सूर्य, जानें सूरज की रोशनी से कैसे बनती है बिजली? कैसे काम करता है 'सोलर पावर'

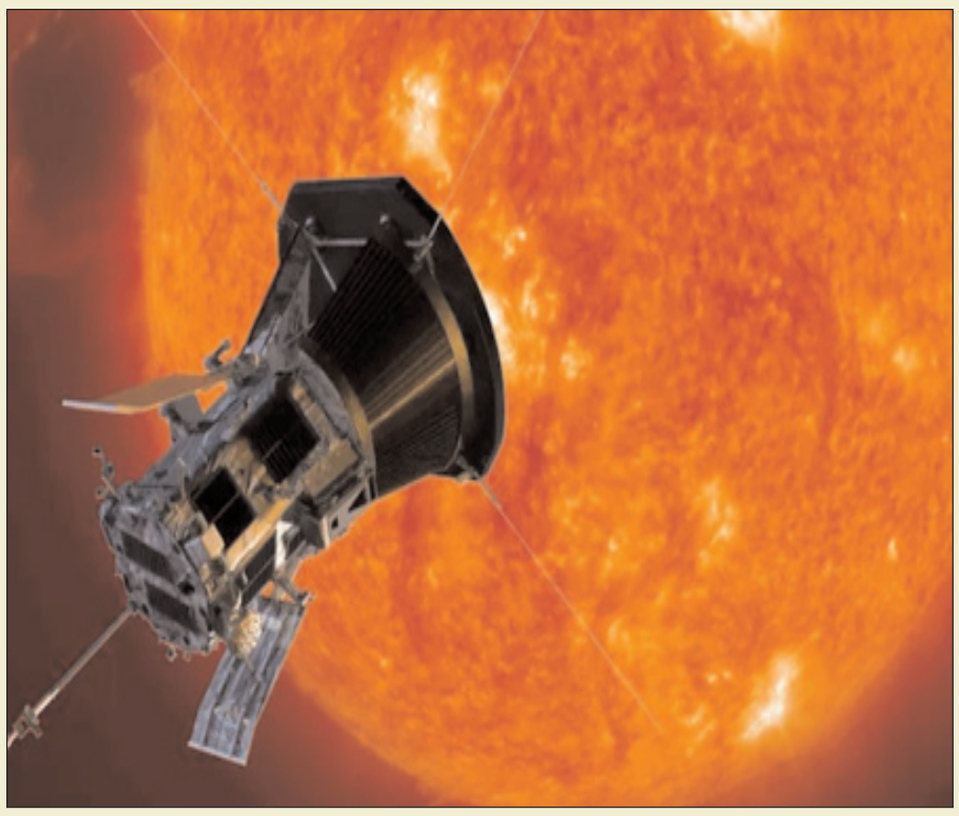

नई दिल्ली। पृथ्वी पर जीवन का सबसे बड़ा स्रोत है सूर्य। अनाज से लेकर जलवायु, मौसम नियंत्रण तक में इसकी भागीदारी है। पूरी मानव जाति एक साल में जितनी ऊर्जा इस्तेमाल करती है, उतनी ऊर्जा सूर्य सिर्फ एक घंटे में पृथ्वी को दे देता है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में जब दुनिया ऊर्जा संकट और प्रदूषण से जूझ रही है, तब सूर्य की रोशनी से बिजली बनाने वाली सौर ऊर्जा सबसे सस्ता, साफ और अनलिमिटेड विकल्प बनकर उभरी है। 3 मई को हर साल अंतरराष्ट्रीय सूर्य दिवस मनाया जा रहा है, जो सौर ऊर्जा के महत्व को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

सौर ऊर्जा को बिजली में बदलने की प्रक्रिया को 'सोलर पावर' कहते हैं। यह तकनीक लगभग 200 साल पुरानी है, लेकिन आज यह घरों से लेकर अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है। सोलर पावर न सिर्फ बिजली पैदा करती है बल्कि पर्यावरण को भी बचाती है क्योंकि इसमें कोई धुआं, प्रदूषण या आवाज नहीं होती। सिर्फ सूरज की रोशनी काफी है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनुसार, सोलर पावर का मतलब है सूरज की रोशनी को बिजली में बदलना। यह प्रक्रिया 'फोटोवोल्टिक इफेक्ट' पर आधारित है। सन 1839 में फ्रांसीसी वैज्ञानिक अलेक्जेंडर एडमंड बेकरेल (उस समय सिर्फ 19 साल के थे) ने सबसे पहले इस प्रभाव की खोज की। वे अपने पिता की लैब में प्रयोग कर रहे थे। जब उन्होंने रोशनी पर काम किया तो बिजली का करंट पैदा हुआ। यही घटना सोलर पावर की नींव बनी।

वैज्ञानिक बताते हैं कि सोलर पैनल मुख्य रूप से सिलिकॉन नामक सामग्री से बनाए जाते हैं। सिलिकॉन एक सेमीकंडक्टर है, यानी यह बिजली को आसानी से कंट्रोल कर सकता है। एक सामान्य सोलर सेल में सिलिकॉन की तीन पतली परतें होती हैं। बीच वाली परत प्योर सिलिकॉन की होती है। ऊपरी और निचली परतों में थोड़े अलग तत्व मिलाए जाते हैं जैसे एक तरफ फास्फोरस और दूसरी तरफ बोरॉन। जब सूरज की रोशनी इन परतों पर पड़ती है तो सिलिकॉन के अंदर मौजूद इलेक्ट्रॉन उत्तेजित हो जाते हैं और घूमने लगते हैं। ये इलेक्ट्रॉन एक परत से दूसरी परत की ओर खिंचते हैं। इससे एक तरफ नेगेटिव चार्ज और दूसरी तरफ पॉजिटिव चार्ज जमा होता है। दोनों तरफ तार लगाकर सर्किट बनाया जाता है। इलेक्ट्रॉन इस सर्किट से बहते हुए बिजली पैदा करते हैं जो हम इस्तेमाल कर सकते हैं।

खास बात है कि इस पूरी प्रक्रिया में कोई धुआं, प्रदूषण या आवाज नहीं होती। सिर्फ सूरज की रोशनी चाहिए होती है और बीजली पैदा हो जाती है। सोलर पैनल इतने उपयोगी हैं कि स्पेस एजेंसी इन्हें अंतरिक्ष यानों में भी इस्तेमाल करते हैं। नासा के अनुसार, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप भी सोलर पैनल से ही बिजली प्राप्त करता है।

नासा लगातार सोलर टेक्नोलॉजी को बेहतर बनाने का काम कर रहा है। अंतरिक्ष में सोलर पावर की शुरुआत की बात करें तो सोलर सेल का पहला सफल इस्तेमाल 1958 में हुआ था। अमेरिका ने मार्च 1958 में वैंगार्ड-1 नाम का पहला सोलर पावर से चलने वाला सैटेलाइट लॉन्च किया। इससे पहले स्पुतनिक और एक्सप्लोरर-1 जैसे सैटेलाइट सिर्फ बैटरी पर चलते थे और कुछ हफ्तों में बंद हो जाते थे, लेकिन वैंगार्ड-1 ने छह साल तक डाटा भेजा। आज सोलर पावर घरेलू बिजली, स्ट्रीट लाइट, पानी के पंप और बड़े-बड़े सोलर पार्क में इस्तेमाल हो रहा है।

टेक्सास का न्यू लंदन स्कूल विस्फोटः एक त्रासदी जिसने ली 300 लोगों की जान

नई दिल्ली। अमेरिका के टेक्सास स्थित 'न्यू लंदन स्कूल विस्फोट' आधुनिक इतिहास की सबसे भयावह स्कूल दुर्घटनाओं में से एक के लिए जाना जाता है। 18 मार्च 1937 को न्यू लंदन स्कूल में अचानक हुए भीषण गैस विस्फोट ने पूरे भवन को कुछ ही सेकंड में मलबे में बदल दिया। इस हादसे में लगभग 300 लोगों की मौत हो गई, जिनमें अधिकांश मासूम बच्चे और शिक्षक थे। यह दुर्घटना उस समय हुई जब स्कूल प्रशासन ने लागत बचाने के लिए प्राकृतिक गैस पाइपलाइन से 'लीक हो रही' गैस को सीधे उपयोग में लेना शुरू कर दिया था। यह गैस बिना किसी गंध के थी, जिससे उसके रिसाव का पता नहीं चल पाया। जैसे ही एक क्लास में इलेक्ट्रिक स्विच ऑन किया गया, गैस ने विस्फोट का रूप ले लिया और पूरी इमारत धराशायी हो गई। वहीं, एनएलएसडी (न्यू लंदन सकूल डिजास्टर) वेबसाइट के अनुसार, 18 मार्च को जिमनेजियम में पीटीए की बैठक हुई। दोपहर 3:17 बजे, मैनुअल ट्रेनिंग के इंस्ट्रक्टर लेमी आर. बटलर ने एक सैंडिंग मशीन चालू की; उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि रिएक्शन होगा और कहर बरप जाएगा। स्विच चालू होते ही आग लग गई, और लपटें इमारत के नीचे बनी एक लगभग बंद जगह में फैल गईं—यह जगह 253 फीट लंबी और 56 फीट चौड़ी थी। धमाका हुआ और चपेट में कई लोग आ गए। इस धमाके की आवाज चार मील दूर तक सुनाई दी। इस घटना ने पूरे अमेरिका को झकझोर कर रख दिया। राहत और बचाव कार्य कई दिनों तक चलता रहा, और मलबे से लगातार शव निकाले जाते रहे। इस त्रासदी के बाद अमेरिका में गैस सुरक्षा को लेकर व्यापक बदलाव किए गए। सबसे महत्वपूर्ण निर्णय यह लिया गया कि प्राकृतिक गैस में गंध मिलाना अनिवार्य किया जाए, ताकि रिसाव होने पर उसे आसानी से पहचाना जा सके। यह नियम आज भी दुनिया के कई देशों में लागू है।

इस हादसे का उल्लेख कई ऐतिहासिक पुस्तकों में मिलता है। उदाहरण के तौर पर, लेखक जेनेट कीथ की पुस्तक 'रिच मैन्स वॉर, पुअर मैन्स फाइट' में इस त्रासदी का संदर्भ देते हुए लिखा गया है कि यह घटना 'एक ऐसा क्षण था जिसने समुदाय को हमेशा के लिए बदल दिया और सुरक्षा के प्रति लापरवाही की भारी कीमत को उजागर किया।' यह उद्धरण उस समय के सामाजिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण को भी सामने लाता है, जहां छोटी सी लापरवाही ने सैकड़ों जिंदगियां छीन लीं।

न्यू लंदन स्कूल विस्फोट केवल एक दुर्घटना नहीं था, बल्कि एक चेतावनी थी कि तकनीकी सुविधाओं के साथ सुरक्षा उपायों की अनदेखी कितनी विनाशकारी साबित हो सकती है। आज भी यह घटना दुनिया भर में औद्योगिक और सार्वजनिक सुरक्षा के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में याद की जाती है।

पहली बार तेनजिंग नोर्गे ने एडमंड हिलेरी के साथ फतह की थी दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे महान पर्वतारोहियों में गिने जाने वाले तेनजिंग नोर्गे ने माउंट एवरेस्ट पर पहली सफल चढ़ाई कर इतिहास रच दिया था। 9 मई, 1986 को दुनिया से अलविदा कहने वाले तेनजिंग नोर्गे ने 29 मई, 1953 को न्यूजीलैंड के पर्वतारोही एडमंड हिलेरी के साथ एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचकर मानव साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति का नया अध्याय लिखा था।

तेनजिंग नोर्गे का जन्म 1914 में नेपाल के खुम्बू क्षेत्र में हुआ था। हालांकि उनकी जन्मतिथि को लेकर मतभेद हैं, लेकिन सामान्यत: मई 1914 को स्वीकार किया जाता है। तेनजिंग के प्रारंभिक जीवन के बारे में विरोधाभासी विवरण मिलते हैं। अपनी आत्मकथा में उन्होंने लिखा है कि वे एक शेरपा थे, जिनका जन्म और पालन-पोषण पूर्वोत्तर नेपाल के खुंबू जिले के तेंगबोचे में हुआ था। 1985 में ऑल इंडिया रेडियो को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता तिब्बत से आए थे, लेकिन उनका जन्म नेपाल में हुआ था।

तेनजिंग नोर्गे का परिवार बेहद साधारण था और वे शेरपा समुदाय से संबंध रखते थे। शेरपा लोग हिमालयी क्षेत्रों में रहने वाले मेहनती और साहसी समुदाय के रूप में जाने जाते हैं। बचपन से ही तेनजिंग का जीवन कठिन परिस्थितियों में बीता। ऊंचे पहाड़, बर्फीला मौसम और सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने संघर्ष करना सीखा। पर्वतों के प्रति उनका आकर्षण बचपन से ही था और यही आकर्षण आगे चलकर उन्हें विश्व प्रसिद्ध पर्वतारोही बना गया।

युवावस्था में तेनजिंग दार्जिलिंग आ गए, जो उस समय पर्वतारोहण अभियानों का प्रमुख केंद्र था। यहां उन्होंने एक कुली और गाइड के रूप में काम शुरू किया। धीरे-धीरे उन्होंने पर्वतारोहण की तकनीकें सीखीं और कई अभियानों में हिस्सा लिया।

1930 और 1940 के दशक में उन्होंने कई बार एवरेस्ट अभियान में भाग लिया, लेकिन मौसम, तकनीकी कठिनाइयों और संसाधनों की कमी के कारण सफलता नहीं मिल सकी। हालांकि इन असफलताओं ने उनके हौसले को कमजोर नहीं किया। 1953 में ब्रिटिश अभियान दल ने एक बार फिर एवरेस्ट फतह करने की योजना बनाई। इस अभियान का नेतृत्व जॉन हंट कर रहे थे। तेनजिंग नोर्गे को उनकी क्षमता और अनुभव के कारण दल में महत्वपूर्ण भूमिका दी गई। लंबे और कठिन सफर के बाद, 29 मई 1953 की सुबह तेनजिंग नोर्गे और एडमंड हिलेरी एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचे। यह मानव इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक मानी गई। चोटी पर पहुंचकर तेनजिंग ने वहां मिठाई और बिस्कुट अर्पित किए, जबकि हिलेरी ने तस्वीरें खींचीं। यह उपलब्धि केवल दो व्यक्तियों की जीत नहीं थी, बल्कि पूरी मानवता के साहस का प्रतीक बन गई। एवरेस्ट पर चढ़ाई के बाद तेनजिंग ने उसी दिन अपना जन्मदिन मनाने का फैसला किया।

एवरेस्ट विजय के बाद तेनजिंग नोर्गे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हो गए। उन्हें भारत, नेपाल और दुनिया के कई देशों में सम्मान मिला। भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया। उन्होंने दार्जिलिंग स्थित हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट में निदेशक के रूप में भी काम किया और नई पीढ़ी के पर्वतारोहियों को प्रशिक्षण दिया।

तेनजिंग नोर्गे बेहद विनम्र और सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। वे मानते थे कि सफलता केवल शारीरिक ताकत से नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता और टीमवर्क से मिलती है। उन्होंने हमेशा शेरपा समुदाय के योगदान को सम्मान दिलाने की कोशिश की। उनका जीवन यह संदेश देता है कि कठिन परिस्थितियां भी किसी व्यक्ति के सपनों को रोक नहीं सकतीं, यदि उसके भीतर दृढ़ संकल्प हो।

नोरगे ने तीन बार शादी की थी। उनकी पहली पत्नी दावा फुटी 1944 में कम उम्र में ही चल बसीं। उनके एक बेटा नीमा दोरजे की चार साल की उम्र में मृत्यु हो गई। नोरगे की दूसरी पत्नी आंग लाहमू थीं, जो उनकी पहली पत्नी की चचेरी बहन थीं। तीसरी पत्नी दक्कू थीं, जिनसे उन्होंने अपनी दूसरी पत्नी के जीवित रहते हुए ही शादी कर ली थी, जैसा कि शेरपा रीति-रिवाज के अनुसार अनुमत था।

'जब शब्द तलवार बन जाएं', राष्ट्रकवि दिनकर की जीवंत ज्वाला

नई दिल्ली। 'वर्षों तक वन में घूम-घूम, बाधा-विघ्नों को चूम-चूम, सह धूप-घाम, पानी-पत्थर, पांडव आए कुछ और निखर। सौभाग्य न सब दिन सोता है, देखें, आगे क्या होता है...।' यह रचना है राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की। हर साल की 24 अप्रैल की पहचान उस आवाज की स्मृति से है, जिसने शब्दों को शस्त्र बना दिया था। यह वह दिन है जब हिन्दी साहित्य के सूर्य, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर', इस दुनिया से विदा हुए थे। दिनकर आज हमारे बीच में नहीं हैं, लेकिन उनकी कविताएं आज भी समाज, युवा और राष्ट्र की चेतना में धधक रही है। उनकी पंक्तियां केवल कविता नहीं थीं, वे एक आंदोलन थीं, एक ऐसा स्वर, जिसने गुलामी के दौर में भी हिम्मत देने का काम किया और आजादी के बाद भी आत्मसम्मान और संस्कृति का पाठ पढ़ाया।

दिनकर सिर्फ एक कवि नहीं थे; वे शब्दों के महान योद्धा थे। उनकी लेखनी में देशभक्ति की गूंज, वीरता की ललकार और संवेदना की गहराई एक साथ मिलती है। दिनकर की रचनाओं में से एक, 'हित-वचन नहीं तूने माना, मैत्री का मूल्य न पहचाना, तो ले, मैं भी अब जाता हूं, अंतिम संकल्प सुनाता हूं। याचना नहीं, अब रण होगा, जीवन-जय या कि मरण होगा,' आज भी हर किसी के जुबान पर है।

बिहार के बेगूसराय जिले के सिमरिया गांव में 23 सितंबर 1908 को एक साधारण कृषक परिवार में जन्मे दिनकर का जीवन संघर्षों से भरा रहा। बचपन में स्कूल जाने के लिए गंगा पार करना, पैदल लंबी दूरी तय करना और आर्थिक कठिनाइयां उनके जीवन का हिस्सा था। महज दो साल की उम्र में उनके पिता का निधन हो गया। विधवा मां ने कठिन परिस्थितियों में उनका पालन-पोषण किया। यही संघर्ष आगे चलकर उनकी कविताओं में ओज, विद्रोह और आक्रोश के रूप में प्रकट हुआ। पटना विश्वविद्यालय से इतिहास, दर्शनशास्त्र और राजनीति विज्ञान की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने संस्कृत, बांग्ला, अंग्रेजी और उर्दू का भी गहन अध्ययन किया, जिसने उनके साहित्य को व्यापक दृष्टि दी। दिनकर की साहित्यिक यात्रा स्कूल के दिनों से ही शुरू हो गई थी। 1928 में प्रकाशित 'बारदोली-विजय' उनका पहला काव्य-संग्रह था। इसके बाद तो उनकी लेखनी ने कभी रुकना नहीं जाना। 'रश्मिरथी', 'कुरुक्षेत्र' और 'उर्वशी' जैसे प्रबंध-काव्य हों या 'हुंकार', 'रेणुका', 'रसवंती' और 'द्वंद्वगीत' जैसे मुक्तक-काव्य, हर रचना में एक अलग ताप, एक अलग ऊर्जा दिखाई देती है।

उनकी कविताओं में जहां एक ओर वीर रस का उत्कर्ष है, वहीं दूसरी ओर कोमल श्रृंगारिक भावनाओं की भी गहरी छाया दिखाई देती है। उन्होंने केवल कविता ही नहीं, बल्कि निबंध, संस्मरण, आलोचना, डायरी और इतिहास जैसे गद्य साहित्य में भी लेखन किया, जिससे उनकी बहुआयामी प्रतिभा सामने आती है। उनका जीवन केवल साहित्य तक सीमित नहीं रहा।

आजीविका के लिए उन्होंने पहले अध्यापन किया, फिर बिहार सरकार में सब-रजिस्टार बने और अंग्रेज सरकार के युद्ध-प्रचार विभाग में काम करते हुए भी उनके खिलाफ कविताएं लिखते रहे। आजादी के बाद वे मुजफ्फरपुर कॉलेज में हिंदी विभागाध्यक्ष बने और 1952 में राज्यसभा के सदस्य के रूप में संसद पहुंचे, जहां उन्होंने दो कार्यकाल तक अपनी सेवाएं दीं। बाद में भागलपुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति बने और फिर भारत सरकार के हिंदी सलाहकार के रूप में दिल्ली लौटे। यह सफर एक साधारण किसान परिवार के बेटे से राष्ट्रीय स्तर के विचारक और नीति-निर्माता बनने तक का था। दिनकर की लेखनी का प्रभाव इतना प्रखर था कि अंग्रेजी शासन भी उनसे असहज हो उठता था। उनकी प्रतिभा को देश ने भी पूरे सम्मान के साथ स्वीकार किया। 'संस्कृति के चार अध्याय' के लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला, 'उर्वशी' के लिए ज्ञानपीठ सम्मान से नवाजा गया और भारत सरकार ने उन्हें 'पद्म भूषण' से अलंकृत किया। उनकी स्मृति में डाक टिकट जारी किया जाना इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान केवल साहित्य तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बन चुका है। उनका निधन 24 अप्रैल 1974 को हुआ था।

वैश्विक प्रयास धीमे, नवजात मृत्युदर चिंता का विषयः यूएन रिपोर्ट

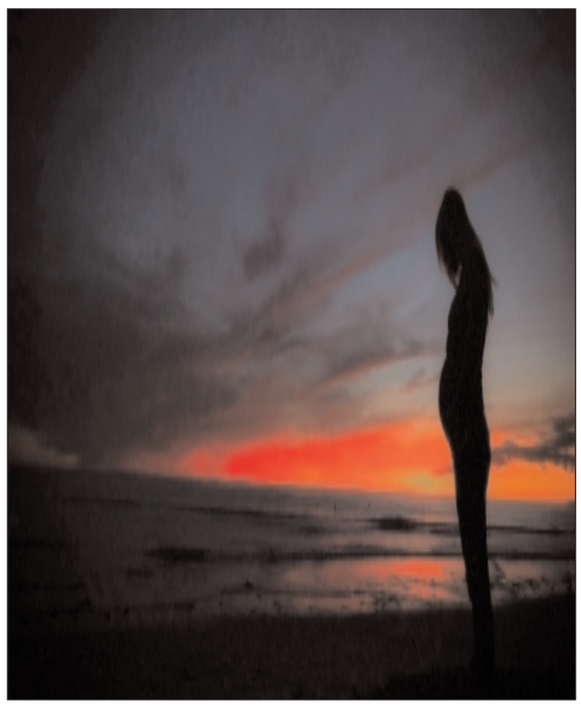

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक हालिया रिपोर्ट नवजात मृत्युदर की दुखद तस्वीर पेश करती है। ये कहती है कि नवजात मौतों को कम करने की वैश्विक मुहिम अब धीमी पड़ती जा रही है, जिससे लाखों बच्चों की जान पर खतरा बना हुआ है। यह रिपोर्ट 17 मार्च 2026 को जारी की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में करीब 23 लाख नवजातों की मौत हुई (एक अनुमान के अनुसार स्थिति अब भी बदली नहीं है)। ये वे बच्चे हैं जो मात्र 28 दिन या उससे कम के होते हैं। पिछले दो दशकों में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौतों में कमी आई थी, लेकिन नवजातों के मामले में यह गिरावट उतनी तेज नहीं रही। यही वजह है कि अब कुल बाल मृत्यु दर में नवजातों की हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि नवजात मृत्यु दर को कम करना एक जटिल चुनौती है, क्योंकि इसमें स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, समय पर देखभाल और संसाधनों की उपलब्धता जैसे कई कारक शामिल होते हैं। खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में स्थिति ज्यादा गंभीर है, जहां स्वास्थ्य ढांचा पहले से ही कमजोर है। अफ्रीकी देशों में हालात सबसे ज्यादा चिंताजनक हैं, जहां हर साल लगभग 11 लाख नवजात अपनी जान गंवा देते हैं। मौतों के पीछे प्रमुख कारणों में समय से पहले जन्म, प्रसव संबंधी जटिलताएं और संक्रमण शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इनमें से बड़ी संख्या में मौत रोकी जा सकती है, अगर गर्भावस्था और जन्म के समय उचित देखभाल सुनिश्चित की जाए।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय फंडिंग में कमी आई है। साथ ही कई देशों में राजनीतिक प्राथमिकताओं में बदलाव के चलते मातृ और शिशु स्वास्थ्य को उतना महत्व नहीं मिल पा रहा है। कोविड-19 महामारी और वैश्विक आर्थिक दबाव ने भी स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त असर डाला, जिससे प्रगति और धीमी हो गई।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, नवजातों की जान बचाने के लिए बड़े और जटिल उपायों की जरूरत नहीं है, बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना ही सबसे प्रभावी कदम हो सकता है। इसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की मौजूदगी में सुरक्षित प्रसव, जन्म के तुरंत बाद शिशु की देखभाल और संक्रमण से बचाव के उपाय शामिल हैं।

रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि अगर सरकारें और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इस दिशा में तुरंत ठोस कदम नहीं उठातीं, तो 2030 तक शिशु मृत्यु दर घटाने के वैश्विक लक्ष्य हासिल करना मुश्किल हो सकता है।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के सहयोगी शोभनदेव चट्टोपाध्याय विपक्ष के नेता बने

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की पराजित तृणमूल कांग्रेस में व्याप्त निराशा और आपसी आरोप-प्रत्यारोप के बीच अनुभवी नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय को विपक्ष के नेता के रूप में नामित किया जाना एक दुर्लभ सकारात्मक घटनाक्रम के रूप में सामने आया है।

राजनीतिक हलकों में व्यापक रूप से 'गलत पार्टी में सही व्यक्ति' माने जाने वाले 80 वर्षीय नेता की इस पदोन्नति ने पार्टी में ईमानदारी और अनुभव को लेकर चर्चाओं को फिर से जीवित कर दिया है।

तृणमूल के एक मध्यस्तरीय नेता के अनुसार, यदि पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी अपने गृह क्षेत्र भवानीपुर में जीत हासिल कर लेतीं, तो शायद चट्टोपाध्याय को यह जिम्मेदारी नहीं मिलती।

एक पूर्व विधायक ने कहा कि विधानसभा चुनाव में मिली हार ने राज्य में पार्टी नेतृत्व की जांच को और भी कड़ा कर दिया है। ममता बनर्जी ने एक बार फिर सत्ता पर सीधा नियंत्रण हासिल कर लिया है, जबकि उनके भतीजे और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी को अप्रत्याशित जनादेश को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। चट्टोपाध्याय का ममता बनर्जी से

संबंध उनके शुरुआती दिनों से है, जब वे कांग्रेस की एक उभरती हुई नेता थीं। आज भी, उन्हें एक सिद्धांतवादी राजनेता के रूप में देखा जाता है। 82 वर्ष की आयु में पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में उनकी नियुक्ति ने एक बार फिर इस बहस को जन्म दिया है कि क्या वे गलत राजनीतिक दल में सही मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

शुरुआत में कांग्रेसी रहे चट्टोपाध्याय बाद में तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से एक बने। वर्षों से, उन्होंने विद्युत और गैर-पारंपरिक ऊर्जा मंत्री, सदन के उपनेता और मुख्य सचेतक सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

ममता बनर्जी की भवानीपुर में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से हुई हार के बाद उनकी नियुक्ति हुई है, जिसके चलते पार्टी के विधायकीय नेतृत्व में फेरबदल हुआ है।

विधानसभा में विपक्ष की नई टीम ममता बनर्जी के वफादारों की वापसी को भी दर्शाती है। 294 सदस्यीय विधानसभा में 80 विधायकों के साथ तृणमूल कांग्रेस अब प्रमुख विपक्षी दल है। ममता बनर्जी की करीबी मानी जाने वाली नयना बंद्योपाध्याय को चौरंगी से जीत हासिल करने के बाद विपक्ष का उपनेता नियुक्त किया गया है। वह पार्टी के वरिष्ठ नेता सुदीप बंद्योपाध्याय की पत्नी हैं। धनेखाली से जीतने वाली असीमा पात्रा को दूसरा उपनेता बनाया गया है।

2024 के लोकसभा चुनावों से पहले, ऐसी खबरें आई थीं कि युवा नेतृत्व के पैरोकार माने जाने वाले अभिषेक बनर्जी ने उम्र के कारण सुदीप बंद्योपाध्याय के पुनर्नामांकन का विरोध किया था। हालांकि, ममता बनर्जी ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। अभिषेक ने नेताओं के लिए 75 वर्ष की सेवानिवृत्ति आयु का प्रस्ताव भी रखा था।

'इंस्पेक्टर अविनाश' में विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी जरूरी : उर्वशी रौतेला

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला एक बार फिर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के नए सीजन में पूनम मिश्रा के किरदार में नजर आने वाली हैं। इस बीच उर्वशी ने अपने किरदार और एक्टिंग को लेकर बात की।

उन्होंने कहा कि उनकी पब्लिक इमेज हमेशा ग्लैमर से जुड़ी रही है, लेकिन 'इंस्पेक्टर अविनाश' जैसे प्रोजेक्ट्स में दिखावे से ज्यादा सच्ची भावनाओं की जरूरत होती है।

उर्वशी ने आईएएनएस से बताया कि एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ने के लिए 'परफॉर्मेंस वैनिटी' यानी परफेक्ट दिखने की सोच को छोड़ना बहुत जरूरी होता है।

उन्होंने कहा, 'लोग अक्सर मुझसे हर फ्रेम, हर एक्सप्रेशन और हर पल में परफेक्शन की उम्मीद करते हैं, क्योंकि मेरी छवि ग्लैमरस रही है। लेकिन 'इंस्पेक्टर अविनाश' जैसे प्रोजेक्ट विजुअल परफेक्शन से ज्यादा भावनात्मक ईमानदारी मांगती हैं।'

एक्ट्रेस ने कहा कि इस किरदार के लिए उन्होंने खुद को ज्यादा 'प्रेजेंट' रखने पर ध्यान दिया उर्वशी ने कहा, 'असल जिंदगी में मुश्किल हालात से गुजर रहे लोग यह नहीं सोचते कि वे कैसे दिख रहे हैं। वे सिर्फ प्रतिक्रिया दे रहे होते हैं, हालात से जूझ रहे होते हैं और भावनाओं को महसूस कर रहे होते हैं। एक अभिनेता के तौर पर इस सच्चाई को समझना मेरे लिए बेहद जरूरी था।'

उर्वशी ने यह भी कहा कि संयमित अभिनय यानी कम शब्दों और शांत अभिनय के जरिए भावनाएं दिखाना ज्यादा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'मौन, स्थिरता और नियंत्रित भावनाएं के लिए अलग तरह का आत्मविश्वास चाहिए होता है। कई बार कम करके सच दिखाना, ज्यादा ड्रामेटिक होने से भी कठिन होता है।'

उर्वशी ने कहा, 'एक कलाकार के तौर पर, यह उनके लिए यकीनन आजादी देने वाला अनुभव था, क्योंकि इसने मुझे हर पल अपनी इमेज बनाए रखने के दबाव के बिना, अपनी भावनाओं को दिखाने का मौका दिया।'

बता दें कि 'इंस्पेक्टर अविनाश' पहली बार साल 2023 में रिलीज हुई थी। इस सीरीज में रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका में हैं। यह शो यूपी के सुपरकॉप अविनाश मिश्रा की जिंदगी और सच्ची घटनाओं पर आधारित है, जिसमें राज्य में अपराध रोकने की कहानी दिखाई गई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी रौतेला आखिरी बार फिल्म 'डाकू महाराज' में नजर आई थीं।

गौहर खान ने शेयर की बेटे जेहान के तीसरे जन्मदिन की झलकियां, लिखा- 'सिर्फ प्यार और शुक्रिया'

मुंबई । अभिनेत्री गौहर खान पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं। सोमवार को उन्होंने अपने बेटे के जन्मदिन की झलक इंस्टाग्राम पर शेयर की। इस खास मौके पर परिवार और इंडस्ट्री के कई करीबी दोस्त मौजूद रहे।

गौहर खान के बड़े बेटे का जन्मदिन 9 मई को होता है। अभिनेत्री ने बर्थडे सेलिब्रेशन की झलक सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की।

अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट के जरिए बेटे के जन्मदिन को खास बनाने वाले सभी साथियों का दिल से आभार व्यक्ति किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इसमें फैमिली फोटो शामिल हैं, जिनमें गौहर खान, उनके पति जैद और दोनों बच्चे नजर आ रहे हैं।

अभिनेत्री ने लिखा, 'सिर्फ प्यार और शुक्रिया। हमारा बेटा जेहान पूरे 3 साल का हो गया है। आप सभी की दुआओं, प्यार और शुभकामनाओं के लिए दिल से धन्यवाद।

बस यूं ही हमें अपनी दुआओं में याद रखिए। जेहान की बर्थडे पार्टी की प्लानिंग और सजावट के लिए इवेंट मैनेजमेंट का बहुत-बहुत धन्यवाद। भारती, आपने सब कुछ बिल्कुल मेरी पसंद के अनुसार किया और पूरा आयोजन इतना आसान और तनावमुक्त बना दिया। मेरे भाई आकाश को भी धन्यवाद, जो दूसरी बार जेहान के लिए सरप्राइज केक लेकर आए। तन्वी हमेशा की तरह बेहतरीन फोटोग्राफी और खूबसूरत यादों को कैद करने के लिए शुक्रिया। मेरी आखिरी समय की कॉल्स पर भी हमेशा तुरंत साथ देने के लिए दिल से धन्यवाद।'

गौहर की पोस्ट पर दोस्तों और करीबियों ने कमेंट सेक्शन में प्यार की बौछार कर दी। कुछ यूजर्स ने इमोजी के जरिए प्रतिक्रिया दी। अभिनेता गौतम रोडे और गौहर की ननद और कंटेंट क्रिएटर अनम दरबार ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी, तो युविका ने लिखा, 'जन्मदिन की बधाई हो, प्यारे बच्चे।'

गौहर खान ने साल 2020 में भारतीय कंपोजर और म्यूजिश्यन इस्माइल दरबार के बेटे जैद दरबार से शादी की। मई 2023 में, कपल ने अपने पहले बेटे का स्वागत किया, जिसका नाम उन्होंने जेहान रखा था। वहीं, 1 सितंबर 2025 को अपने दूसरे बेटे का स्वागत किया, जिसका नाम फरवान रखा गया।

अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने कहा-ज्यादा घंटे काम करने के बाद तरोताजा होने को आराम जरूरी

मुंबई। अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने टीवी में लंबे काम के घंटों पर अपने विचार शेयर करते हुए कहा कि ज्यादा घंटे काम करने के बाद तरोताजा होने के लिए आराम जरूरी है।मीडिया के साथ बातचीत में सुम्बुल ने बताया कि हर दिन इतने लंबे समय तक काम करने का असर किसी की भी शारीरिक और मानसिक सेहत पर पड़ना तय है और इसलिए ठीक से आराम करना बहुत जरूरी है। जब उनसे पूछा गया कि टीवी में लंबे काम के घंटों के बारे में आपके क्या विचार हैं तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि मैंने लगभग हर शो में लंबे काम के घंटे अनुभव किए हैं। शारीरिक और मानसिक, दोनों तरह से यह बहुत थकाने वाला होता है। आप लगातार परफॉर्म कर रहे होते हैं, डायलॉग याद कर रहे होते हैं और फोकस बनाए रखते हैं। अगर आप ज्यादा घंटे काम कर रहे हैं, तो उसके बाद दोबारा तरोताजा होने के लिए ठीक से आराम करना जरूरी है।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें कभी सेट पर बर्ताव को लेकर कोई दिक्कत हुई तो उन्होंने इससे इनकार करते हुए कहा कि अगर कभी ऐसा होता है, तो मैं निश्चित रूप से इसके बारे में बात करूंगी।

बातचीत के दौरान, सुम्बुल ने यह भी बताया कि बदलते दर्शकों के टेस्ट और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बढ़ते चलन के बीच टीवी में कहानी कहने के तरीके को भी बदलने की जरूरत है।

विजय के सीएम बनते ही तृषा कृष्णन बोलीं-प्यार की गूंज हमेशा ज्यादा होती है

मुंबई। टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके एक दिन बाद अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'प्यार की गूंज हमेशा ज्यादा होती है।

तृषा कृष्णन ने सोमवार को अपनी एक तस्वीर फैंस के साथ शेयर की, जिसमें वह एक्वा-ब्लू रंग की सिल्क साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उनकी साड़ी पर गोल्डन जरी का बॉर्डर है।

43 वर्षीय अभिनेत्री 10 मई को चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित विजय के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। इस दौरान उनके साथ उनकी मां उमा कृष्णा भी मौजूद थीं। समारोह के लिए त्रिशा ने गोल्डन रंग की साड़ी के साथ क्रीम कलर का ब्लाउज पहना था।

विजय की पार्टी टीवीके को तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, विदुथलाई चिरुथैगल काची, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और अम्मा मक्कल मुनेत्र कझगम शामिल हैं। इन सहयोगी दलों की मदद से टीवीके ने 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा पार किया।

हालिया तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी ने 108 सीटें हासिल कर सबसे बड़ी पार्टी बनने का गौरव हासिल किया। इस जीत के साथ ही राज्य में डीएमके और एआईएडीएमके के लंबे समय से चले आ रहे बारी-बारी के शासन का अंत हो गया। राज्यपाल ने विजय को 13 मई तक विधानसभा में विश्वास मत पेश करने को कहा है। तृषा कृष्णन अपनी अभिनय क्षमता, स्क्रीन प्रजेंस और लंबे समय तक स्टारडम बनाए रखने के कारण दक्षिण भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने कई फिल्मों में विजय के साथ स्क्रीन शेयर की है।उन्होंने 1999 में तमिल फिल्म 'जोडी' में एक छोटे किरदार से अभिनय की शुरुआत की थी। 2002 में रिलीज 'मौनम पेसियाधे' में वह पहली बार मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आई थीं इसके बाद। इसके बाद उन्होंने 'सामी', 'घिल्ली', 'आरु', 'उनक्कुम एनक्कुम', 'वर्षम', 'नुव्वोस्तानांटे नेनोड्डांताना', 'अथाडु', 'आडावारी मातालाकु अर्थालु वेरुले' और 'कृष्णा' जैसी फिल्मों से लोकप्रियता हासिल की।

तृषा कृष्णन ने अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'खट्टा मीठा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। वह आखिरी बार मणिरत्नम निर्देशित फिल्म 'ठग लाइफ' में नजर आई थीं।

सुकेश से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी ने जैकलीन फर्नांडीस के सरकारी गवाह बनने का किया विरोध

नई दिल्ली। महाठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस को बड़ा झटका लगा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने की अर्जी का कड़ा विरोध किया है।

दूसरी ओर, पटियाला हाउस कोर्ट ने जैकलीन फर्नांडीस के वकील को ईडी के जवाब पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। अगली सुनवाई 12 मई को होगी।

ईडी ने कोर्ट को बताया कि अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीस ने जांच के दौरान सहयोग नहीं किया था और उनका आचरण संतोषजनक नहीं रहा था। उन्होंने पीएमएलए की धारा 50 के तहत दर्ज अपने बयानों में पूर्ण और सही खुलासा करने में लगातार विफलता दिखाई।

ईडी ने कहा कि जैकलीन फर्नांडीस ने चंद्रशेखर के आपराधिक इतिहास जानकारी होने के बाद भी उनके साथ नियमित और लगातार संपर्क बनाए रखा, जिसने मनी लॉन्ड्रिंग से होने वाली अपराध की आय में से जैकलीन को गिफ्ट और अन्य सामान दिलाए।

सुकेश चंद्रशेखर पर 200 करोड़ रुपए की ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं। इस हाई-प्रोफाइल केस में जैकलीन फर्नांडिस का नाम तब सामने आया था, जब जांच एजेंसी ने दावा किया कि सुकेश ने ठगी के पैसों से जैकलीन को कई महंगे गिफ्ट्स दिए थे। इसी आधार पर ईडी ने उन्हें इस मामले में आरोपी बनाया था।

जैकलीन ने हाल ही में कोर्ट में अर्जी दाखिल कर यह इच्छा जताई थी कि वह इस मामले में सरकारी गवाह बनना चाहती हैं और जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं, लेकिन ईडी ने उनके इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा है कि फिलहाल उनकी अर्जी को स्वीकार करने का कोई ठोस आधार नहीं दिखता।

एक्ट्रेस ऐश्वर्या सखुजा ने डायबिटीज मरीजों की हिम्मत को किया सलाम, कहा- यह सिर्फ चीनी कम खाने की जंग नहीं

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या सखुजा डायबिटीज टाइप-1 से पीड़ित हैं। वे अक्सर सोशल मीडिया के माध्यम से डायबिटीज को लेकर जागरूकता फैलाती रहती हैं। सोमवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट कर डायबिटीज मरीजों के संघर्ष के बारे में बताया और उनकी सराहना की।

ऐश्वर्या सखुजा ने लिखा, 'कुछ भी खाने से पहले सोचना पड़ता है। कहीं बाहर जाना हो तो पहले से तैयारी करनी पड़ती है। कभी शुगर बहुत कम हो जाए, तो खुद को तुरंत संभालना पड़ता है और ज्यादा हो जाए तो शरीर थका हुआ महसूस करता है। नींद टूट जाती है, मूड स्विंग होता है। शरीर में कमजोरी महसूस होती है।

उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है जैसे हर समय अपने शरीर को संतुलित रखने की कोशिश चल रही हो। फिर भी डायबिटीज से जूझ रहे लोग हर सुबह उठते हैं और पूरे हौसले के साथ अपना दिन शुरू करते हैं।

उन्होंने कहा, 'इंसुलिन हमारे शरीर का बहुत जरूरी हार्मोन है। यह शरीर को ऊर्जा सही तरीके से इस्तेमाल करने में मदद करता है। इसे इंजेक्शन, पंप, दवाओं, शुगर चेक, खान-पान और लगातार सावधानी से संभालना आसान काम नहीं है। इसके लिए रोज अनुशासन, धैर्य, हिम्मत और मानसिक ताकत चाहिए होती है। डायबिटीज में कभी छुट्टी नहीं होती।

उन्होंने लिखा कि जो लोग इसे संभाल रहे हैं, वे खुद को सराहिए। उन्होंने कहा, 'दुनिया सिर्फ आपकी दवा, मशीन या इंजेक्शन देखती है, लेकिन उसके पीछे एक मजबूत इंसान होता है।

डायबिटीज संभालना कमजोरी और इंसुलिन लेना सिर्फ एक आदत नहीं है। यह हर दिन खुद को संभालने, जीने और मजबूत बने रहने की हिम्मत है।

इस्लामिक स्टेट का खतरनाक प्लान, विदेशी मॉड्यूल के जरिए भारत में कराना चाहता है श्रीलंका जैसे हमले

नई दिल्ली। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने भारत के खिलाफ एक नई रणनीति तैयार की है। इसके तहत वो हिंदुस्तान के इर्द-गिर्द स्थित देशों में मौजूद अपने चरमपंथी तत्वों का इस्तेमाल भारत के भीतर दुष्प्रचार और आतंकी हमले के लिए करेगा।

जब 2013 के अंत में इस्लामिक स्टेट ने वैश्विक स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई थी, तब भारत से भी कई लोग संगठन में शामिल होने के लिए देश छोड़कर चले गए थे। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में भारतीय एजेंसियों ने कई लोगों को सीरिया, इराक और अफगानिस्तान जाकर संगठन में शामिल होने से रोकने में सफलता हासिल की है।

साथ ही, सफल डी-रेडिकलाइजेशन अभियानों के जरिए उन लोगों को भी मुख्यधारा में वापस लाया गया, जो संगठन में शामिल होने की योजना बना रहे थे।

एक खुफिया ब्यूरो कर्मी के अनुसार, भारत में यह समस्या काफी हद तक नियंत्रण में है, लेकिन अब संगठन अन्य देशों से कट्टरपंथी तत्वों को भारत में भेजने की कोशिश कर रहा है।

इस्लामिक स्टेट ने पाकिस्तान, बांग्लादेश,

मालदीव और श्रीलंका में अपने अलग-अलग मॉड्यूल स्थापित कर रखे हैं।

श्रीलंका मॉड्यूल का असर तमिलनाडु और मंगलुरु में देखने को मिला था। दोनों जगहों पर इस्लामिक स्टेट से प्रभावित कट्टरपंथी व्यक्तियों ने हमले की कोशिश की थी, हालांकि वे असफल रहे।

इन मामलों में समानता यह थी कि आरोपी जेमेशा मुबीन और मोहम्मद शारिक, दोनों को श्रीलंका के एक ही व्यक्ति ने कट्टरपंथी बनाया था। श्रीलंका में हुए 'ईस्टर बम धमाकों' का मास्टरमाइंड जहरान हाशिम वहां इस्लामिक स्टेट का प्रमुख था। वह दक्षिण भारत आया था और काफी समय तक यहां रहा था, इसी दौरान उसने मुबीन और शारिक को कट्टरपंथी बनाया।

आधिकारिक सूत्र ने आगे कहा कि बांग्लादेश में मौजूद मॉड्यूल पश्चिम बंगाल और बिहार में रिक्रूट्स को भेजने पर ज्यादा केंद्रित हैं। दूसरी ओर, दक्षिणी राज्यों में श्रीलंका और मालदीव के जरिए चरमपंथी तत्वों को भेजने की तैयारी है।

अधिकारी ने इसे खतरनाक बताते हुए आगे कहा कि बांग्लादेश को इसके लिए सबसे मुफीद माना जा रहा है। इस्लामिक स्टेट के मुख पत्र, दाबिक के हाल के संस्करण में 'बंगाल में जिहाद का फिर से शुरू होना' शीर्षक से एक लेख छपा था, जिसका मकसद युवाओं को जिहाद के लिए उकसाना था।

अधिकारियों का कहना है कि यह पहली बार था जब बांग्लादेश में इस्लामिक स्टेट मॉड्यूल भारत में अपना एजेंडा आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा था।

एक और अधिकारी ने कहा कि श्रीलंका से खतरा सबसे कम है। ईस्टर बम धमाकों के बाद, इस गुट का एक बड़ा हिस्सा खत्म हो गया है, हालांकि यह मानना ??गलत होगा कि गुट ने देश में अपनी दुकान बंद कर दी है। अधिकारी ने आगे कहा कि यही वजह है कि मालदीव से दक्षिण भारत में बड़ी कोशिश की जा रही है इसका मकसद भारत में उसी पैमाने पर हमले का है जैसे श्रीलंका में किए गए थे। इस्लामिक स्टेट चाहता है।

काठमांडू एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला, तुर्किए एयरलाइंस के एयरक्राफ्ट के पहिये में लगी आग

काठमांडू। नेपाल में तुर्किए एयरलाइंस की फ्लाइट के साथ एक बड़ा हादसा होने से बच गया। नेपाली मीडिया के अनुसार, सोमवार सुबह तुर्किए की एयरलाइंस के एक एयरक्राफ्ट के पहियों में लैंडिंग के दौरान आग लगने की घटना सामने आई। इस घटना से एयरपोर्ट पर अफरातफरी का माहौल बन गया। वहीं घटना के बाद एयरपोर्ट को लगभग 98 मिनट के लिए बंद कर दिया गया।

घटना काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट की है, जहां लगभग 98 मिनट तक सेवा ठप रहने के बाद फ्लाइट ऑपरेशन फिर से शुरू किया गया। द काठमांडू पोस्ट के अनुसार, नेपाल सिविल एविएशन अथॉरिटी के सहायक प्रवक्ता ज्ञानेंद्र भुल के मुताबिक एयरक्राफ्ट के दाहिने मेन लैंडिंग गियर में आग लगने के बाद एयरपोर्ट सुबह 6:34 बजे बंद कर दिया गया था। फ्लाइट ऑपरेशन सुबह 8:12 बजे फिर से शुरू हुआ।

घटना के दौरान, एयरलाइन का वाइड-बॉडी एयरक्राफ्ट टैक्सीवे ब्रावो पर फंस गया। एयरपोर्ट अधिकारियों ने कहा कि लगभग 30 फीसदी एयरक्राफ्ट रनवे पर ही रहे जबकि बाकी 70 फीसदी टैक्सीवे पर खड़े रहे। इसकी वजह से अधिकारियों को सभी डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स सेवाएं रोकनी पड़ीं।

नेपाली मीडिया ने एयरपोर्ट ऑफिस के हवाले से बताया कि एयरक्राफ्ट में कुल 288 लोग सवार थे, जिनमें 11 क्रू मेंबर थे। शुरुआती जानकारी से पता चला है कि एयरक्राफ्ट के दाहिने मेन लैंडिंग गियर के एक टायर में आग लग गई थी।

अधिकारियों ने कहा है कि इसकी वजह हार्ड लैंडिंग, टायर प्रेशर की दिक्कत या दूसरी तकनीकी दिक्कतें हो सकती हैं, हालांकि पूरी जांच चल रही है। प्रवक्ता भूल ने कहा कि यात्रियों को निकासी स्लाइड का इस्तेमाल करके सुरक्षित निकाल लिया गया।

एयरलाइन की तरफ से एयरपोर्ट को दी गई जानकारी के मुताबिक, दो यात्रियों की उंगलियों में मामूली चोटें आईं। घटना के बाद, एयरक्राफ्ट को ग्राउंड पर रखा गया है। वहीं, काठमांडू से जाने वाले यात्रियों के लिए होटल की व्यवस्था की गई। जिन यात्रियों को दूसरी जगह जाना है, उनके लिए अधिकारी दूसरी फ्लाइट भेजने की भी व्यवस्था कर रहे हैं।

नेपाल : भारत की वित्तीय मदद से स्कूल निर्माण का काम चालू

काठमांडू । भारत सरकार की वित्तीय मदद से नेपाल के कैलाली जिले स्थित धनगढ़ी उप-महानगरपालिका में एक विद्यालय भवन के निर्माण का कार्य सोमवार को शुरू किया गया। भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी दी।

नेपाल स्थित भारतीय दूतावास में प्रथम सचिव नारायण सिंह ने सोमवार को एक कार्यक्रम में सिद्धनाथ माध्यमिक विद्यालय भवन की आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि और अन्य हितधारक भी उपस्थित रहे। दूतावास के बयान अनुसार, विद्यालय भवन का निर्माण भारत सरकार की ओर से हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (एचआईसीडीपी) योजना के तहत लगभग 3.6 करोड़ नेपाली रुपए की वित्तीय मदद से किया जा रहा है। इस परियोजना को धनगढ़ी उप-महानगरपालिका, कैलाली के माध्यम से लागू किया जाएगा।

धनगढ़ी उप-महानगरपालिका के मेयर गोपाल हमाल और अन्य हितधारकों ने भारत सरकार के सहयोग की सराहना की। उन्होंने

विश्वास जताया कि नए विद्यालय भवन से क्षेत्र के छात्रों और शिक्षकों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा।

भारतीय दूतावास ने कहा, 'भारत और नेपाल नजदीकी पड़ोसी होने के नाते विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सहयोग जारी रखे हुए हैं। विशेष रूप से प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के माध्यम से एचआईसीडीपी परियोजनाओं का क्रियान्वयन नेपाल में विकास और प्रगति को बढ़ावा देने के लिए भारत के निरंतर समर्थन को दर्शाता है।'

एचआईसीडीपी कार्यक्रम भारत-नेपाल विकास साझेदारी के प्रमुख स्तंभों में से एक बन चुका है, जो नेपाल में जमीनी स्तर पर विकास परियोजनाओं को समर्थन देता है। भारत जहां बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में भी सहयोग कर रहा है, वहीं एचआईसीडीपी स्थानीय स्तर पर बुनियादी सुविधाओं के विकास में मदद करता है, जिससे स्थानीय सरकारें जनता को बेहतर सार्वजनिक सेवाएं प्रदान कर सकें।

साल 2003 में शुरू की गई इस योजना को पहले 'स्मॉल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स' के नाम से जाना जाता था। इस पहल के तहत नेपाल में स्थानीय निकायों के माध्यम से छोटे स्तर की बुनियादी और सामुदायिक परियोजनाओं को समर्थन दिया जाता है। इनमें स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, स्वच्छता, ग्रामीण विद्युतीकरण, जलविद्युत और नदी प्रबंधन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

जनवरी 2024 में हुए एक नए समझौते के तहत इस योजना को और मजबूती मिली, जिसके तहत भारत की वित्तीय सहायता की सीमा प्रति परियोजना 50 लाख नेपाली रुपए से बढ़ाकर 2 करोड़ नेपाली रुपए कर दी गई।

हंता वायरस प्रभावित क्रूज शिप को डॉक करने पर यूएन महासचिव ने की स्पेन की सराहना

नई दिल्ली। हंता वायरस से प्रभावित क्रूज शिप एमवी होंडियस को लेकर स्पेन के कैनरी आईलैंड में डॉक किया गया। यहां शिप पर मौजूद क्रू मेंबर्स और यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने स्पेन सरकार की सराहना की। उन्होंने यात्रियों और क्रू सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैं स्पेन सरकार और दूसरों के लिए अपना समर्थन दिखाना चाहता हूं, क्योंकि वे हमारे विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथियों के साथ मिलकर हंता वायरस को मैनेज कर रहे हैं। हालांकि वायरस से अभी लोगों के स्वास्थ्य का खतरा कम है, लेकिन यह जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य कोशिशें एमवी होंडियस के यात्रियों और क्रू

सहित सभी की सेफ्टी सुनिश्चित करें।'

विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने इससे पहले कहा था, 'एमवी होंडियस क्रूज शिप के ज्यादातर पैसेंजर और क्रू आज सफलतापूर्वक उतर गए। मैं मंत्रियों और उनकी टीमों और स्पेन की पूरी सरकार का इस पूरे ऑपरेशन में दिखाए गए नेतृत्व और तकनीकी विशेषज्ञता के लिए शुक्रगुजार हूं। डब्ल्यूएच सभी शामिल देशों के विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम कर रहा है, क्योंकि पैसेंजर्स, क्रू, रेस्पॉन्डर्स और समुदायों को स्वस्थ और सुरक्षित रखने के लिए सहयोग जरूरी है।'

यूरो न्यूज के अनुसार, हंता वायरस से प्रभावित क्रूज शिप एमवी होंडियस रविवार को स्पेन के कैनरी आइलैंड्स में डॉक किया। हंता वायरस से प्रभावित क्रूज शिप से यात्रियों और क्रू के लिए उन्हें वहां से निकालने की फ्लाइट शुरू हो गई है।

पहले ग्रुप में सभी स्पेनिश नागरिक थे, जिन्हें निकाल लिया गया है और अब वे मैड्रिड जा रहे हैं। यहां पर इन सभी लोगों को क्वारंटाइन में रखा जाएगा। यूरो न्यूज ने बताया कि प्लेन में सवार सभी पैसेंजर्स में कोई लक्षण नहीं हैं।

वहीं फ्रांस के फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने कहा कि फ्रांस वापस लाए गए पांच फ्रांसीसी नागरिकों में से एक में अब बीमारी के लक्षण दिख रहे हैं।

होर्मुज में तनाव के बीच न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन ने तेल संकट से निपटने के लिए बताया अपना प्लान

नई दिल्ली। ईरान-अमेरिका और होर्मुज में तनाव के बीच तेल को लेकर संकट देखने को मिल रहा है। दुनिया के तमाम देश तेल और आर्थिक संकट को लेकर अलर्ट पर हैं। इसी बीच न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने तेल संकट के बीच किस तरह से काम करना है, स्थिति से कैसे निपटना है, उसे लेकर अपना प्लान बताया है।

पीएम लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो जारी कर भविष्य में आने वाली स्थिति को लेकर अपना प्लान साझा करते हुए कहा कि हमारे फ्यूल रिस्पॉन्स प्लान पर यह अपडेट है, ताकि अगर कभी दुनिया भर में फ्यूल की लंबे समय तक कमी हो तो न्यूजीलैंड तैयार रहे।

उन्होंने कहा, 'मैंने अभी हमारे फ्यूल रिस्पॉन्स प्लान पर एक अपडेट दिया है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अगर कभी दुनिया भर में फ्यूल की लंबी कमी होती है तो न्यूजीलैंड सुपर तैयार रहे और मैं बस यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि आप इसे यहां भी सुनें। यह बहुत अच्छी खबर है और मैं उन सभी को यह साफ कर देना चाहता हूं, जो इसके बारे में परेशान हो सकते हैं, न्यूजीलैंड में फ्यूल की सप्लाई बहुत अच्छी है। सप्लाई भी आने वाली है और यहां कमी होना बहुत ही कम होने वाली बात है। असल में ऐसा कुछ होगा कि हम एक महीने में अपना 30 फीसदी डीजल भी नहीं पा सकेंगे और असल में उस सप्लाई में छह महीने की रुकावट आएगी।'

पीएम लक्सन ने आगे कहा कि सिंगापुर के हमारे दौरे और दक्षिण कोरिया में अधिकारियों के दौरे के बाद हमने जो देखा है, असल में हमारी रिफाइनरियों, जहां से हमें फ्यूल मिलता है, ने क्रूड ऑयल के दूसरे सोर्स ढूंढने का बहुत अच्छा काम किया है, जिसे वे प्रोसेस करके जहाजों में डालकर न्यूजीलैंड भेज सकते हैं। लेकिन, एक जिम्मेदार प्रधानमंत्री और सरकार के तौर पर इसका मतलब है कि हम आगे की प्लानिंग कर रहे हैं ताकि हम उस बहुत ही मुश्किल हालात में, जब लंबे समय तक फ्यूल की बहुत ज्यादा कमी हो, उससे निपटने के लिए अच्छी स्थिति में हों।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमने हाल ही में कुछ काम किए हैं, जेनर्जी के साथ हमारा समझौता फाइनल हो गया है, इसका मतलब है कि हमारे पास एक्स्ट्रा 90 मिलियन लीटर डीजल है जो नए टैंकों में होगा, जिन्हें हमने जून के आखिर तक तेज भी कर दिया है। इससे हमें नौ दिनों का एक्स्ट्रा डीजल कवर मिलता है जो काफी जरूरी है और जिस फ्यूल रिस्पॉन्स प्लान के बारे में हमने आज बात की, वह यह सुनिश्चित करता है कि फेज चार में, इस बहुत ही कम संभावना वाले फेज में जहां हमारी किसी भी फ्यूल सप्लाई में लंबे समय तक कोई बड़ी रुकावट आती है, हम इस बारे में साफ होंगे कि हम जरूरी सेवाओं, खाना और माल ढुलाई, बहुत सारी दूसरी कमर्शियल गतिविधि और जाहिर है, फ्यूल के आम पब्लिक इस्तेमाल को भी कैसे प्राथमिकता देंगे।'

पीएम लक्सन ने यह भी कहा, 'जैसा कि मैंने पहले कहा था, यह सच में एक अप्रिय घटना है क्योंकि हमें सच में भरोसा है कि हमारे फ्यूल इंपोर्टर्स को जुलाई तक के कंफर्म ऑर्डर मिल गए हैं, अगस्त तक के प्लान किए गए ऑर्डर मिल गए हैं और हमने जो कुछ फैसले बहुत पहले लिए हैं, उन्हें देखते हुए हम काफी अच्छी हालत में हैं। वैसे भी फ्यूल की स्थिति में हम यहीं हैं, कृप्या इसके बारे में घबराएं नहीं क्योंकि हमारे पास बहुत अच्छी सप्लाई है, लेकिन बस यह भरोसा रखें कि अगर हम किसी अप्रिय घटना के साथ और मुश्किल हालात में पड़ जाते हैं, तो हम उस स्थिति के लिए भी अच्छी तरह तैयार हैं।

पाकिस्तानी सेना उग्रवाद और आतंकवाद को देती है शय, मकसद पड़ोसी देशों को नुकसान पहुंचाना: सिंधी नेता

बर्लिन । भारत बरसों से पाकिस्तान पर आतंकवाद और उग्रवाद के बूते पड़ोसी मुल्कों को अस्थिर करने की कोशिशों का खुलासा करता आया है। ऐसा ही कुछ जेय सिंध मुत्तहिदा महाज (जेएसएमएम) के चेयरमैन शफी बुरफत ने कहा है। उन्होंने पाकिस्तानी सेना पर लंबे समय से धार्मिक कट्टरता और आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के राजनीतिक, आर्थिक, विचारधारा और सामाजिक क्षेत्रों पर मिलिट्री का लगातार दबदबा दक्षिण एशिया में लोकतंत्र, क्षेत्रीय शांति और लंबे समय की स्थिरता के लिए खतरा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बुरफत ने कहा, 'बार-बार चुने हुए प्रतिनिधियों को हटाकर, राजनीतिक नेताओं को फांसी देकर, असहमति जताने वालों को जेल में डालकर और देश निकाला देकर, और बिना चुने हुए कठपुतली शासकों को बिठाकर, सेना लगातार पर्दे के पीछे से काम करती आई है। उसका राजनीति, मीडिया, न्यायपालिका और अर्थव्यवस्था के बड़े क्षेत्रों में पूरा दखल है। उन्होंने आगे कहा, 'इस वजह से, मिलिट्री चीफ ने बार-बार नाटकीय बयानबाजी, आक्रामक भाषणों, ताकत का बढ़ा-चढ़ाकर प्रदर्शन और धार्मिक राष्ट्रवाद में निहित मनगढ़ंत विचारधारा के दावों के जरिए खुद को विजेता के तौर पर दिखाने की कोशिश की है।'

पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को निशाने पर लेते हुए बुरफत ने कहा कि मुनीर के 'भावनात्मक रूप से उग्र अति-राष्ट्रवादी नारे, परमाणु धमकियां, और पड़ोसी देशों के खिलाफ आक्रामक बयानबाजी' रणनीतिक आत्मविश्वास या जिम्मेदार सैन्य नेतृत्व की छवि को प्रदर्शित नहीं करते।

उन्होंने कहा कि ऐसे भाषण एक 'मिलिटराइज्ड स्टेट स्ट्रक्चर' (सेना के प्रभाव वाली राष्ट्रीय व्यवस्था) के आंतरिक विरोधाभासों, राजनीतिक कमजोरियों और गहन असुरक्षा को सामने लाते हैं, जिसने लंबे समय से 'डर, कृत्रिम धार्मिक राष्ट्रवाद, स्थायी संघर्ष और वैचारिक हेरफेर' को अपना दबदबा बनाए रखने के लिए एक टूल के तौर पर इस्तेमाल किया है।

अमेरिकी एफ-35 जेट ने यूएई में इमरजेंसी लैंडिंग की: ईरान

हैदराबाद। भारत में हैदारबाद स्थित ईरानी दूतावास ने दावा किया है कि अमेरिकी वायुसेना के एक एफ-35ए लाइटनिंग-द्वद्व फाइटर जेट ने यूएई में इमरजेंसी लैंडिंग की है। दूतावास ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पोस्ट कर बताया कि अमेरिकी एफ-35ए जेट ओमान सागर के ऊपर उड़ान भर रहा था। इसी दौरान उसने इमरजेंसी कोड 7700 ट्रांसमिट किया। दरअसल, एविएशन में 7700 को सामान्य इमरजेंसी सिग्नल माना जाता है।

दावे के मुताबिक कोड भेजने के तुरंत बाद ही फाइटर जेट ने अपना रास्ता बदल लिया। इसके बाद उसने यूएई के अल धाफरा एयर बेस पर इमरजेंसी लैंडिंग की। पोस्ट में कहा गया कि पिछले 24 घंटे में यह दूसरा अमेरिकी एफ-35ए लाइटनिंग-द्वद्व है, जिसने इमरजेंसी कोड ट्रांसमिट किया।

ईरान की ओर से किए गए इस दावे का अमेरिका या यूएई की तरफ से कोई खंडन या

सहमति संबंधी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। अल धाफरा एयर बेस यूएई में अमेरिका का अहम सैन्य ठिकाना माना जाता है। यहां अमेरिकी वायुसेना के लड़ाकू विमान और निगरानी सिस्टम तैनात रहते हैं।

आधिकारिक अमेरिकी वेबसाइट के अनुसार, एफ-35 लाइटनिंग द्वद्व लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित दुनिया का सबसे उन्नत, पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ मल्टी-रोल फाइटर जेट है। यह रडार से बच निकलने की क्षमता, सेंसर फ्यूजन और जबरदस्त गति (1.6 मैक से अधिक) के साथ हवा-से-हवा, हवा-से-जमीन और खुफिया निगरानी मिशनों के लिए डिजाइन किया गया है।

अमेरिकी वायु सेना, नौसेना, और मरीन कॉर्प्स ही नहीं, यूके, इटली, नीदरलैंड, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जापान, और इजरायल जैसे सहयोगी देश भी इसका उपयोग करते हैं। अमेरिकी वायु सेना के अनुसार, देश को इस फाइटर जेट से काफी उम्मीदें हैं। ये पुराने एफ-16 और ए-10 विमानों की जगह ले रहा है और भविष्य के हवाई युद्ध में सर्वोच्चता बनाए रखने के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

1 जुलाई से शुरू होगा वीबी-जी राम जी योजना का क्रियान्वन, मिलेगी 125 दिन के रोजगार की गारंटी: शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी विधेयक के क्रियान्वयन की अधिसूचना जारी कर दी है, जिसे 1 जुलाई 2026 से पूरे देश में लागू किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह कानून ग्रामीण गरीब, श्रमिक परिवारों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और किसानों के जीवन में नई आशा, अधिक आय सुरक्षा और गांवों में बड़े पैमाने पर टिकाऊ विकास कार्यों का मार्ग खोलेगा।

शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि विकसित भारत जी-राम जी अधिनियम की अधिसूचना जारी कर दी गई है और 1 जुलाई से ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार चाहने वाले मजदूर भाई-बहनों को अब साल में 100 नहीं, 125 दिन का रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीच के समय में मनरेगा के सारे प्रावधान लागू रहेंगे और अधूरे काम 1 जुलाई के पहले तक मनरेगा के अंतर्गत ही पूरे किए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि राज्यों से व्यापक स्तर पर सलाह-मशविरा कर नियम बनाने की प्रक्रिया जारी है। ट्रांजिशन पीरियड में कोई भी मजदूर भाई-बहन रोजगार से वंचित न हो, इसकी संपूर्ण व्यवस्था कर दी गई है।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत जी-राम जी के अंतर्गत अधिकांश राज्यों को अपेक्षित तैयारी के लिए अधिकतम छह माह का समय रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि 1 जुलाई तक कोई राज्य अपेक्षित तैयारी नहीं कर पाया, तो 1 जुलाई के बाद कामों का फंडिंग पैटर्न विकसित भारत जी-राम जी योजना के अंतर्गत होगा।

उन्होंने कहा कि योजना के तहत रोजगार देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने अपने बजट में 95,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि राज्यों ने भी अपने-अपने बजट में इसे लागू करने के लिए प्रावधान किया है ।

सीएम रेखा गुप्ता ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर दी शुभकामनाएं, कहा-यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर एक भावनात्मक संदेश साझा करते हुए देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सोमनाथ पुनर्निर्माण के 75 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में पूरा राष्ट्र इस ऐतिहासिक पर्व को मना रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'सोमनाथ पुनर्निर्माण के 75 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में आज सम्पूर्ण राष्ट्र सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मना रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री ने श्री सोमनाथ मंदिर में पूर्ण विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया। यह केवल एक मंदिर के पुनर्निर्माण की यात्रा नहीं, बल्कि भारत की सनातन चेतना, सांस्कृतिक स्वाभिमान और राष्ट्रीय आत्मगौरव के पुनर्जागरण का अमर प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर के लाइव प्रसारण में सम्मिलित हुई और चांदनी चौक स्थित प्राचीन गौरी शंकर मंदिर में पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से समस्त देशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की प्रार्थना की। सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारत की अखंड आस्था और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक है। अनगिनत आक्रमणों और विध्वंसों के बाद भी सोमनाथ का पुनर्निर्माण यह संदेश देता है कि भारत की संस्कृति, श्रद्धा और सनातन चेतना शाश्वत है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र के साथ अपनी सांस्कृतिक पहचान को नए वैभव के साथ पुनर्प्रतिष्ठित कर रहा है। काशी विश्वनाथ से केदारनाथ और महाकाल लोक से सोमनाथ तक, यह कालखंड भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण का साक्षी बन रहा है।

संक्षिप्त खबर

चीन के वाणिज्य दूतावास ने अपने नागरिकों को भारत में वैध दस्तावेजों के साथ प्रवेश करने की दी सलाह

कोलकाता। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने हाल ही में नेपाल से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में एक चीनी नागरिक को हिरासत में लिया था। इसके बाद कोलकाता स्थित चीनी वाणिज्य दूतावास ने अपने नागरिकों को एक बार फिर वैध यात्रा दस्तावेजों के बिना अनजाने में भी भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने से सख्ती से बचने की सलाह दी है।

सोमवार को जारी बयान में, वाणिज्य दूतावास ने चीनी नागरिकों को याद दिलाया कि उन्हें भारत में प्रवेश करने से पहले भारतीय वीजा प्राप्त करना होगा।

इसमें कहा गया है कि नेपाल-भारत सीमा एक खुली सीमा है जिसमें अपेक्षाकृत कम सीमा चिह्न हैं, जिससे आकस्मिक सीमा पार करने का खतरा बढ़ जाता है, खासकर नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में यात्रा करने वाले चीनी नागरिकों के लिए। इसमें यह भी कहा गया है कि वैध भारतीय वीजा के बिना उन्हें भारतीय सीमा सैनिकों या पुलिस द्वारा हिरासत में लिया जा सकता है।

वाणिज्य दूतावास ने चेतावनी दी कि भारत अवैध रूप से प्रवेश करने वालों को कड़ी सजा देता है। चाहे प्रवेश जानबूझकर हो या अनजाने में, अवैध रूप से प्रवेश करने वाले किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेकर न्यायिक अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। ऐसे में दो से आठ साल तक की कैद व जुर्माना हो सकता है और जमानत मिलना मुश्किल होगा।

बयान के अनुसार, दूतावास ने नेपाल में रहने वाले चीनी नागरिकों से इस मुद्दे को गंभीरता से लेने, भारत-नेपाल सीमा के निकट के क्षेत्रों में यात्रा करने से बचने और अनावश्यक गंभीर परिणामों और व्यक्तिगत नुकसान से बचने के लिए जोखिम लेने या स्थानीय गाइडों का अनुसरण करने से परहेज करने का आग्रह किया।

वाणिज्य दूतावास ने चीनी नागरिकों को यह भी याद दिलाया कि वैध भारतीय वीजा होने के बावजूद, उन्हें प्रतिबंधित क्षेत्र में यात्रा करने से पहले भारतीय अधिकारियों से लिखित अनुमति प्राप्त करनी होगी।

दूतावास ने चीनी नागरिकों को यह भी याद दिलाया कि उन्हें अपने वीजा की समय सीमा समाप्त होने से पहले भारत छोड़ देना चाहिए और वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी नहीं रुकना चाहिए। अन्यथा, उन्हें किसी भी कानूनी परिणाम के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया जाएगा।यह निर्देश बिहार के अररिया जिले में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित जोगबानी चेकपोस्ट के पास वैध यात्रा दस्तावेजों के बिना भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे एक चीनी नागरिक की गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद जारी किया गया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने पूर्व सीएम एमके स्टालिन से मुलाकात की, सियासी गलियारों में चर्चा तेज

चेन्नई । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को पूर्व सीएम एमके स्टालिन से उनके अलवरपेट स्थित आवास पर मुलाकात की। राज्य में चुनाव के बाद हुए राजनीतिक समीकरणों के मद्देनजर यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है।

विजय ने विधानसभा में नव निर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के बाद स्टालिन से मुलाकात की।

सियासी गलियारों में सीएम विजय और पूर्व सीएम एमके स्टालिन की मुलाकात चर्चा का विषय बन गई है, क्योंकि डीएमके के सहयोगियों ने टीवीके सरकार को सत्ता संभालने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

हाल ही में संपन्न हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में टीवीके 234 सदस्यीय विधानसभा में 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी।

हालांकि, पार्टी अपने दम पर सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 118 सीटों से पीछे रह गई। इस पर विजय ने सरकार गठन के लिए बाहरी समर्थन प्राप्त करने के लिए डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन में पूर्व में शामिल रही पार्टियों के साथ बातचीत शुरू की।

बातचीत के बाद कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन देने पर सहमति जताई और डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन से औपचारिक रूप से खुद को अलग कर लिया। वामपंथी दलों, सीपीआई और सीपीआई-एम के साथ-साथ वीसीके और आईयूएमएल ने भी विजय के नेतृत्व वाले गठबंधन को बिना शर्त बाहरी समर्थन देने की घोषणा की, जिससे टीवीके विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा पार करने में सफल रही।

इन पार्टियों के समर्थन से विजय ने 10 मई को चेन्नई में आयोजित एक भव्य समारोह में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद उन्होंने तीन प्रमुख कल्याणकारी पहलों से संबंधित फाइलों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें फ्री बिजली, महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष उपाय और जिलों में नशीली दवाओं के खिलाफ प्रवर्तन अभियान शामिल हैं।

उन्होंने कानून व्यवस्था और नई सरकार की प्रशासनिक प्राथमिकताओं के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकों की अध्यक्षता भी की।

काशी में सीएम योगी का विपक्ष पर हमला, बोले-सनातन को मिटाने वाले खुद मिट गए

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को वाराणसी में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत 'सोमनाथ संकल्प महोत्सव' में सनातन, सांस्कृतिक विरासत और मंदिर पुनर्स्थापना के मुद्दे को लेकर विपक्ष पर जोरदार निशाना साधा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मोहम्मद गौरी से लेकर मुगल शासकों तक कई विदेशी आक्रांताओं ने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को मिटाने का प्रयास किया लेकिन वे भारत की आत्मा और सनातन चेतना को कभी समाप्त नहीं कर सके।

उन्होंने कहा कि औरंगजेब ने बाबा विश्वनाथ के प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर गुलामी का ढांचा खड़ा किया था लेकिन वह भारत की आत्मा को नहीं तोड़ पाया। सनातन केवल मंदिरों की दीवारों तक सीमित नहीं है बल्कि यह भारत की चेतना और आत्मा में बसता है।

सीएम योगी ने कहा, ''जिन्होंने सनातन को मिटाने का प्रयास किया, आज वे खुद मिट्टी में मिल चुके हैं। आज उन आक्रांताओं का नाम लेने वाला कोई नहीं है लेकिन काशी विश्वनाथ धाम और सोमनाथ महादेव मंदिर भारत के स्वाभिमान और सांस्कृतिक गौरव की गाथा को आगे बढ़ा रहे हैं।''

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना साकार होती दिखाई दे रही है। सोमनाथ मंदिर के पुनर्प्रतिष्ठा और सुंदरीकरण से लेकर काशी विश्वनाथ धाम, उज्जैन में महाकाल महालोक और अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण तक, देश के पवित्र तीर्थस्थल अपने प्राचीन वैभव के साथ विकास की नई यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं। इन सभी कार्यों की प्रेरक शक्ति प्रधानमंत्री मोदी हैं और इसके लिए उत्तर प्रदेश की जनता उनकी आभारी है।

सीएम योगी ने बिना नाम लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि दुर्भाग्य से आज भी कुछ शक्तियां भारत के आत्मगौरव और सांस्कृतिक प्रतीकों को आगे बढ़ते हुए नहीं देखना चाहतीं। यही वे लोग थे जिन्होंने सोमनाथ मंदिर की पुनर्प्रतिष्ठा और श्रीराम मंदिर निर्माण में लगातार बाधाएं खड़ी करने का प्रयास किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आनंदीबेन पटेल ने काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

पीएम की ऊर्जा बचत की अपील पर सियासत तेज, ब्रजेश पाठक बोले-अखिलेश और राहुल की सोच नकारात्मक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा बचत की अपील पर सवाल उठाने को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित के मुद्दों पर भी विपक्ष की नकारात्मक राजनीति सामने आ रही है और दोनों नेताओं की हताशा व राजनीतिक कुंठा उनके बयानों में साफ झलक रही है।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि राहुल गांधी और अखिलेश यादव को अब समझ लेना चाहिए कि आप दोनों की मानसिकता ही नकारात्मक हो गई है। फिर चाहे मुद्दा राष्ट्रहित का ही क्यों न हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशहित में अपने राष्ट्र के प्रिय परिवारीजनों से कुछ समय के लिए सीमित संसाधनों का उपयोग करने की विनम्र अपील की तो नकारात्मक मानसिकता से ग्रसित आप दोनों नेताओं की राजनीतिक कुंठा, हताशा और निराशा बाहर आ गई। अनर्गल बयानबाजी शुरू कर दी। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि जहां तक संभव हो, वर्क फ्रॉम होम को प्राथमिकता दें। एक साल तक सोना खरीदने से बचें। पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के लिए मेट्रो से सफर करें। पार्सल रेल से भेजें और कार का कम इस्तेमाल करें। खाने के तेल का भी कम उपयोग करें। रासायनिक खाद का इस्तेमाल आधा करें और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ें। विदेशी ब्रांडेड उत्पादों का उपयोग कम करें और स्वदेशी को अपनाएं एवं एक साल तक विदेशों की यात्रा कम करें। आइए, हम सब मिलकर तेल आयात पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा बचाने का संकल्प लें।

हफ्ते में एक दिन कारपूल करना हो या ईवी अपनाना, आपका हर छोटा कदम देशहित में बड़ा योगदान है। गैस चूल्हे की जगह इंडक्शन का उपयोग और घर पर सोलर पैनल लगाना एक बेहतरीन शुरुआत हो सकती है।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक्स के जरिए भाजपा पर निशाना साधते हुए लिखा कि चुनाव खत्म होते ही 'संकट' याद आ गया। दरअसल देश के लिए 'संकट' सिर्फ एक है और उसका नाम है 'भाजपा'। इतनी सारी पाबंदियां लगानी पड़ीं तो 'पंच ट्रिलियन डॉलर की जुमलाई अर्थव्यवस्था' कैसे बनेगी? लगता है भाजपा सरकार के हाथ से लगाम पूरी तरह छूट गई है। डॉलर आसमान छू रहा है और देश का रुपया पातालोन्मुखी हो गया है।

उन्होंने आगे कहा कि सोना न खरीदने की अपील जनता से नहीं, भाजपाइयों को अपने भ्रष्ट लोगों से करनी चाहिए, क्योंकि जनता तो वैसे भी 1.5 लाख तोले का सोना नहीं खरीद पा रही है।

सीबीआई ने होम बायर्स के साथ धोखाधड़ी मामले में सातवीं चार्जशीट दाखिल की

नई दिल्ली। होम बायर्स के साथ बड़े पैमाने पर हो रही धोखाधड़ी की चल रही जांच में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई की है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने नोएडा स्थित एक आवास परियोजना से संबंधित कथित धोखाधड़ी गतिविधियों के संबंध में मेसर्स सीक्वल बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

सीबीआई द्वारा की गई जांच से पता चला है कि आरोपी बिल्डर कंपनी और उसके निदेशकों ने आपराधिक साजिश के तहत भोले-भाले घर खरीदारों/निवेशकों को झूठे आश्वासनों, गुमराह करने वाले बयानों और कपटपूर्ण वादों के माध्यम से बहकाया, जिससे उन्होंने बेईमानी से वित्तीय लाभ प्राप्त किया और पीड़ितों को अनुचित नुकसान पहुंचाया।

आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात से संबंधित भारतीय दंड संहिता की प्रासंगिक धाराओं के तहत सक्षम न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया है।

सीबीआई वर्तमान में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत देश भर की विभिन्न बिल्डर कंपनियों और वित्तीय संस्थानों के अज्ञात अधिकारियों के खिलाफ घर खरीदारों से जुड़े कथित धोखाधड़ी और धन के गबन के मामलों में दर्ज 50 मामलों की जांच कर रही है।

इससे पहले, सीबीआई ने इसी तरह के मामलों में मेसर्स रुद्र बिल्डवेल कंस्ट्रक्शंस प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों, मेसर्स ड्रीम प्रोकॉन प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों, मेसर्स जयपी इंफ्राटेक लिमिटेड और उसके निदेशकों, मेसर्स एवीजे डेवलपर्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों के साथ-साथ कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों, मेसर्स सीएचडी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों और मेसर्स शुभकामना बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों के खिलाफ 6 आरोपपत्र दायर किए थे।

झारखंड हाईकोर्ट में धनबाद एसएसपी हुए सशरीर हाजिर, अदालत ने पीड़िता का वीडियो वायरल होने पर जताई चिंता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में एक आपराधिक अपील पर सुनवाई के दौरान सोमवार को धनबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अदालत के आदेश पर सशरीर हाजिर हुए। एसएसपी ने अदालत को बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस संजय प्रसाद की बेंच ने एसएसपी का पक्ष सुनने के बाद उन्हें भविष्य में व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट प्रदान कर दी। अगली सुनवाई 11 जून को होगी।

सुनवाई के दौरान अदालत ने एक युवती का वीडियो वायरल होने के मामले पर गहरी चिंता व्यक्त की। कोर्ट के समक्ष यह जानकारी आई कि उक्त वीडियो झारखंड के बजाय दूसरे राज्य गुजरात से वायरल हुआ है। इस पर अदालत ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस को इस वायरल वीडियो को तत्काल डिजिटल प्लेटफॉर्म से हटाने या डिलीट कराने के लिए प्रभावी प्रयास करने चाहिए थे।

कोर्ट ने धनबाद एसएसपी को निर्देश दिया है कि इस मामले की जांच में तेजी लाएं और अगली सुनवाई के दौरान अदालत में विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करें।

दरअसल यह पूरा मामला रवि साव नामक एक आरोपी से जुड़ा है, जिसे पूर्व में हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी थी। जमानत पर रिहा होने के बाद पीड़िता ने आरोपी की जमानत रद्द करने के लिए याचिका दायर की थी। पीड़िता का आरोप है कि जेल से बाहर आने के बाद आरोपी ने पुनः अवैध गतिविधियों को अंजाम दिया और उसका वीडियो वायरल कर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

सामान्य रोशनी से अलग पतली किरण, जो चांद की दूरी भी नाप सकती है, जानें क्या है 'लेजर'?

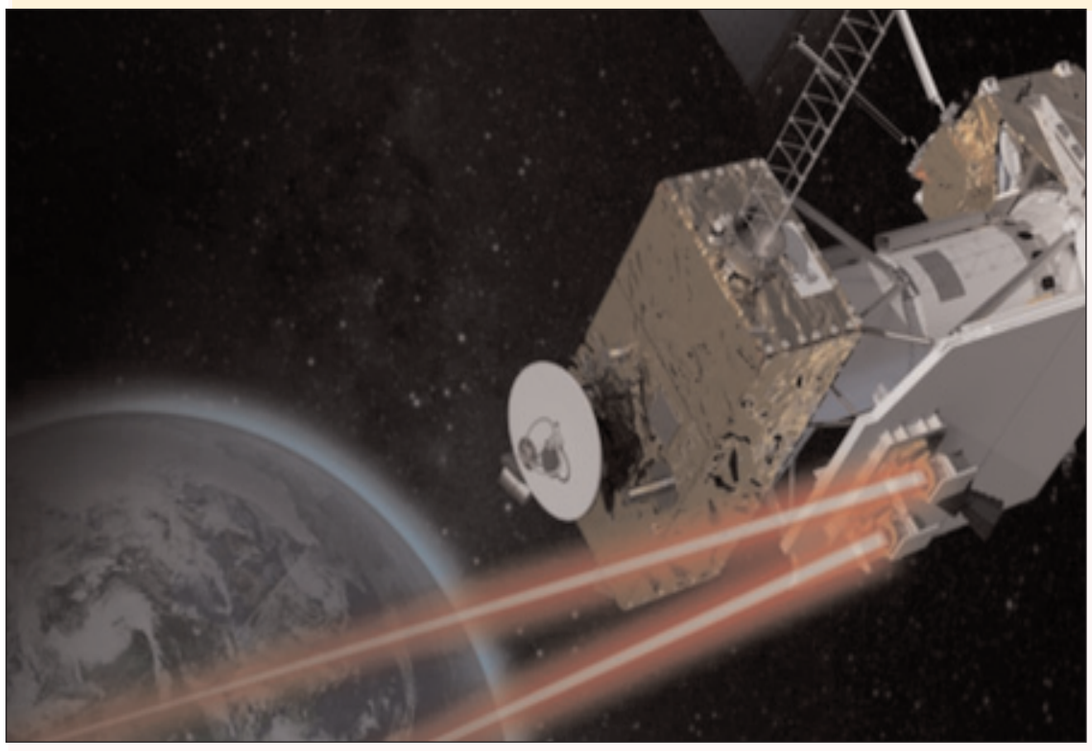

नई दिल्ली। लेजर शब्द आजकल हर जगह सुनाई पड़ता है। बारकोड स्कैनर, लेजर प्रिंटर, आंखों की सर्जरी लगभग हर क्षेत्र में इसका इस्तेमाल हो रहा है। यही नहीं लेजर लाइट चांद की दूरी भी नाप सकती है। लेजर असल में क्या है और यह कैसे काम करता है।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा लेजर के बारे में विस्तार से जानकारी देता है, जिसके अनुसार लेजर रोशनी की एक बहुत ही पतली किरण पैदा करता है जो कई तकनीकों और उपकरणों में काम आती है। लेजर शब्द 'लाइट एंप्लीफिकेशन बाई स्टीमूलेटेड एमीशन ऑफ रेडिएशन का संक्षिप्त रूप है यानी उत्तेजित उत्सर्जन द्वारा रोशनी का प्रवर्धन।

कह सकते हैं कि लेजर रोशनी का एक अनोखा सोर्स है। यह आम बल्ब या टॉर्च से काफी अलग होता है। लेजर रोशनी की एक बहुत ही पतली किरण पैदा करता है। इस तरह की रोशनी कई तकनीकों और उपकरणों के लिए उपयोगी होती है।

अब सवाल है कि लेजर कैसे काम करता है? तो वैज्ञानिक बताते हैं कि इसकी किरणें तरंगों के रूप में चलती है, एक तरंग के शिखरों के बीच की दूरी को तरंगदैर्ध्य कहा जाता है। सूरज की रोशनी और आम बल्ब की रोशनी कई अलग-अलग तरंगदैर्ध्य वाली रोशनियों से मिलकर बनी होती है। हालांकि, लेजर इनसे काफी अलग होता है। इसमें रोशनी की सभी तरंगों का तरंगदैर्ध्य लगभग एक जैसा होता है। लेजर की रोशनी की तरंगें एक साथ चलती हैं, जिनके शिखर एक ही लाइन में होते हैं या 'इन-फेज' होते हैं। यही वजह है कि लेजर किरणें पतली, चमकदार होती हैं और उन्हें एक बहुत ही छोटे बिंदु पर केंद्रित किया जा सकता है।

चूंकि लेजर की रोशनी केंद्रित रहती है और ज्यादा फैलती नहीं है, इसलिए लेजर किरणें बहुत लंबी दूरी तय कर सकती हैं। वे बहुत छोटे से क्षेत्र पर बहुत ज्यादा ऊर्जा भी केंद्रित कर सकती हैं।

लेजर के कई उपयोग किए जाते हैं। लेजर का इस्तेमाल सटीक औजारों में किया जाता है। ये हीरे या मोटी धातु को भी काट सकते हैं। इन्हें नाजुक सर्जरी में मदद करने के लिए भी डिजाइन किया जाता है। लेजर का इस्तेमाल जानकारी को रिकॉर्ड करने और उसे दोबारा पाने के लिए किया जाता है। इनका इस्तेमाल कम्यूनिकेशन, टीवी और इंटरनेट के सिग्नल ले जाने में किया जाता है। लेजर प्रिंटर, बार कोड स्कैनर और डीवीडी प्लेयर में भी देखे जा सकते हैं। ये कंप्यूटर और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के पुर्जे बनाने में भी मदद करते हैं।

यही नहीं लेजर का इस्तेमाल स्पेक्ट्रोमीटर में भी किया जाता है जो वैज्ञानिकों को यह पता लगाने में मदद करते हैं कि कोई चीज किन चीजों से मिलकर बनी है। नासा के 'क्यूरियोसिटी रोवर' ने मंगल ग्रह पर लेजर स्पेक्ट्रोमीटर का इस्तेमाल किया था। वैज्ञानिकों ने लेजर की मदद से चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी भी मापी है। लेजर की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसे बेहद सटीक तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है।

एक्ट्रेस करिश्मा टन्ना ने प्रेग्नेंट महिलाओं से की खास गुजारिश, बताए वॉकिंग के फायदे

मुंबई । अभिनेत्री करिश्मा तन्ना जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं। उन्होंने अपना अनुभव शेयर करते हुए बताया है कि

गर्भावस्था के दौरान रोजाना सैर करने से उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रहने में काफी मदद मिली है।

करिश्मा ने जिम से अपना एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह ट्रेडमिल पर चलती हुई नजर आ रही हैं। प्रेग्नेंसी को खूबसूरत, लेकिन चुनौतीपूर्ण बताते हुए एक्ट्रेस ने सभी 'होने वाली मांओं' से कहा कि वे अपने साथ नरमी बरतें, लेकिन पूरी तरह से चलना-फिरना बंद न करें।

इस क्लिप में करिश्मा को यह कहते हुए सुना जा सकता है, 'हाय दोस्तों, सभी होने वाली मांओं के लिए बस एक छोटी सी याद दिलाना चाहती हूं। प्रेग्नेंसी के दौरान एक चीज जो सच में मेरी मदद करती है, वह है चलना। रोजाना बस थोड़ी देर चलने से भी शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत फर्क पड़ता है।'

करिश्मा तन्ना ने कहा, 'मेरा यकीन मानिए। प्रेग्नेंसी एक बहुत ही खूबसूरत अनुभव है, लेकिन हां जिस तरह से शरीर में बदलाव आते हैं, थकान होती है, ये सब बिल्कुल सच है और इसी वजह से शरीर को गतिशील रखना बहुत-बहुत जरूरी हो जाता है। मेरा मतलब है, कोई दबाव नहीं है, बस आप सक्रिय रहें, मजबूत रहें और अपने शरीर से जुड़ाव बनाए रखें।'

' रोजाना सिर्फ 20-30 मिनट पैदल चलना भी आपको सूजन, अकड़न, मूड में होने वाले बदलाव, नींद और पाचन से जुड़ी समस्याओं में राहत देगा और सच कहूं तो इससे आपको अंदर से काफी बेहतर महसूस होगा।'

जो भी प्रेग्नेंट महिलाएं इस वीडियो को देख रही हैं, प्लीज, प्लीज अपने साथ नरमी बरतें, लेकिन पूरी तरह से हिलना-डुलना बंद न करें। आपका शरीर बाद में आपको धन्यवाद देगा। मैं भी बाद में आपको धन्यवाद दूंगी। ढेर सारा प्यार।

करिश्मा ने कैप्शन में लिखा, 'हे प्रेग्नेंट महिलाओं! चलो यह करते हैं। फिटनेस की शौकीन करिश्मा ने 2021 में मुंबई के एक रियल एस्टेट बिजनेसमैन वरुण बंगेरा को डेट करना शुरू किया। 2022 में उनकी शादी हो गई। इस अप्रैल में एक्ट्रेस ने घोषणा की कि वह अपने पति वरुण के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

एक जॉइंट पोस्ट में दोनों ने यह खबर साझा की। उन्होंने करिश्मा और वरुण की प्रेग्नेंसी फोटोशूट की कई तस्वीरें शेयर कीं।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप जारी, मृतकों की कुल संख्या हुई 409

ढाका। बांग्लादेश में खसरे का कहर जारी है। खसरे और उससे मिलते-जुलते लक्षणों के कारण 11 और लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही इस प्रकोप से जुड़ी पुष्ट और संदिग्ध मौतों की कुल संख्या बढ़कर 409 हो गई है।

स्थानीय मीडिया ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के हवाले से बताया कि मृतकों की ये संख्या रविवार तक के पिछले 24 घंटों में दर्ज की गईं।

डीजीएचएस ने बताया कि चार लोगों की मौत खसरे के कारण हुई इसकी पुष्टि हो चुकी है। इसके साथ ही 15 मार्च के बाद से खसरे से हुई पुष्ट मौतों की कुल संख्या 65 हो गई। वहीं, सात अन्य मृतक संख्या संदिग्ध मामलों से जुड़ी थीं, जिससे मौत का आंकड़ा बढ़कर 344 पहुंच गया।

बांग्लादेश के अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' के अनुसार, इसी 24 घंटे की अवधि में 1,503 नए संदिग्ध खसरा मरीज सामने आए, जिसके बाद 15 मार्च से अब तक कुल संदिग्ध मामलों की संख्या 49,159 हो गई है। इनमें से 205 मामलों में खसरे की पुष्टि हुई, जिससे कुल पुष्ट मामलों की संख्या 6,819 तक

पहुंच गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 15 मार्च के बाद से खसरे के लक्षणों वाले 34,909 मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मार्च के मध्य से अब तक बांग्लादेश में 400 से अधिक लोगों की मौत के बाद एक रिपोर्ट में इस प्रकोप को 'टाला जा सकने वाला संकट' बताया गया है। रिपोर्ट में पूर्व अंतरिम सरकार, जिसका नेतृत्व मुहम्मद यूनुस कर रहे थे, से जवाबदेही तय करने की मांग की गई। आरोप है कि सरकार ने बिना वैकल्पिक व्यवस्था तैयार किए एक प्रभावी वैक्सीन खरीद प्रणाली को समाप्त कर दिया।

'द डेली स्टार' में प्रकाशित संपादकीय रिपोर्ट में कहा गया, 'दो दशकों तक बांग्लादेश में खसरा टीकाकरण कवरेज लगातार बढ़ता रहा और यह कम आय वाले देशों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मॉडल बन गया था। लेकिन पिछली अंतरिम सरकार की लापरवाही ने इस उपलब्धि को बर्बाद कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, 1998 से लागू 'हेल्थ, पॉपुलेशन एंड न्यूट्रिशन सेक्टर प्रोग्राम' को मार्च 2025 में बिना किसी उचित वैकल्पिक योजना के समाप्त कर दिया गया।

रिपोर्ट में कहा गया कि अंतरिम सरकार के कार्यकाल में वैक्सीन खरीद प्रक्रिया ठप हो गई, 14,000 से अधिक सामुदायिक क्लीनिकों में दवाओं की आपूर्ति घट गई और आपातकालीन भंडार भी खत्म हो गए और इस वजह से स्थिति और गंभीर हो गई।

अंतरिम सरकार की आलोचना करते हुए रिपोर्ट में कहा गया, 'जवाबदेही की कमी एक जांच समिति की मांग करती है, जिसे व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय करने का अधिकार हो। बच्चों की मौत बेहद दुखद है।

तारामंडल क्या है? जानें आसमान में दिखने वाले तारों के इन पैटर्न का वैज्ञानिक महत्व

नई दिल्ली। जब लोग अंधेरी रात के आसमान में चमकते तारों को देखते हैं तो ये सवाल जरूर उठता है कि आखिर ये तारामंडल क्या है और वैज्ञानिक इन्हें कैसे इस्तेमाल करते हैं? वैज्ञानिक बताते हैं कि तारों के ये पैटर्न वास्तव में क्या है और इसका महत्व क्या है?

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के स्पेस प्लेस पोर्टल पर तारामंडल के बारे में विस्तार से जानकारी देता है। तारामंडल तारों के समूह होते हैं, जो पृथ्वी से देखने पर किसी खास आकार या चित्र जैसे दिखाई देते हैं। ये तारे आपस में जुड़े नहीं होते, बल्कि बहुत अलग-अलग दूरी पर स्थित होते हैं। फिर भी, जब हम इन्हें जोड़कर देखते हैं तो वे जानवरों, चीजों या इंसानों की आकृति बनाते नजर आते हैं।

पुराने समय से ही मानव संस्कृतियों ने इन पैटर्न को नाम दिए। आज दुनिया भर में 88 तारामंडलों को आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त है। इनके नाम अलग-अलग संस्कृतियों में अलग-अलग रहे हैं, लेकिन आधुनिक खगोल विज्ञान में इन्हें तय किया गया है। रात में दिखने वाले तारामंडल आपकी पृथ्वी पर स्थिति और साल के समय पर निर्भर करते हैं। पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक चक्कर लगाती है। इसलिए हर मौसम में रात का आसमान बदलता रहता है।

तारे हर रात थोड़ा पश्चिम की ओर खिसकते दिखाई देते हैं। उत्तरी गोलार्ध और दक्षिणी गोलार्ध में भी अलग-अलग तारामंडल दिखते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप उत्तरी गोलार्ध में सितंबर महीने की रात आसमान देखें तो आपको 'मीन' तारामंडल दिख सकता है, लेकिन 'कन्या' नहीं दिखेगा क्योंकि वह उस समय सूर्य की दूसरी तरफ होता है।

तारामंडल देखने में आसान लगते हैं, लेकिन ये वैज्ञानिकों को ब्रह्मांड की गहराई समझने में मदद करते हैं। कुछ तारे करीब लगते हैं और कुछ बहुत दूर।

जब हम कल्पना से इनके बीच लाइनें जोड़ते हैं तो सुंदर आकृतियां बन जाती हैं।

अब सवाल है कि वैज्ञानिक तारामंडलों का इस्तेमाल कैसे करते हैं? तारामंडल सिर्फ सुंदर नजारे नहीं हैं, बल्कि वैज्ञानिकों और स्पेस एजेंसिज के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण की तरह हैं क्योंकि तारामंडल लंबे समय तक लगभग एक ही जगह पर रहते हैं, इन्हें आसमान में निशान या लैंडमार्क की तरह इस्तेमाल किया जाता है। नासा और खगोलविद तारों, नीहारिकाओं और अन्य खगोलीय वस्तुओं के नाम उन्हीं तारामंडलों के आधार पर रखते हैं जिनमें वे स्थित होते हैं। उल्का शावर्स के नाम भी संबंधित तारामंडल से लिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, हर साल अक्टूबर में होने वाली 'ओरियोनिड्स' उल्का शावर्स 'ओरियन' तारामंडल की दिशा से आती दिखाई देती है। नेविगेशन में तारामंडलों की भूमिका बहुत पुरानी है। सदियों से नाविक समुद्र में दिशा पता करने के लिए तारों का इस्तेमाल करते रहे हैं, जिसे 'सेलेस्टियल नेविगेशन' कहते हैं।

लसोड़ा: एक जंगली फल, जो आपके स्वाद के साथ सेहत का भी रखता है ख्याल

नई दिल्ली। लसोड़ा, जिसे इंडियन चेरी भी कहा जाता है, एक मध्यम आकार का तेजी से बढ़ने वाला पर्णपाती वृक्ष है। यह आमतौर पर 10 से 20 मीटर तक ऊंचा होता है और अपने गोंद जैसे फलों के लिए प्रसिद्ध है, जिसे गांव-कस्बों में लोग सालों से खाते और इस्तेमाल करते आ रहे हैं। यह देखने में भले ही छोटा और साधारण लगे लेकिन स्वाद और सेहत दोनों के लिए फायदेमंद है।

लसोड़ा का पेड़ आमतौर पर सूखे और गर्म इलाकों में आसानी से उग जाता है। इसके फल हरे रंग के होते हैं और पकने के बाद हल्के मीठे हो जाते हैं। कच्चे लसोड़े का सबसे ज्यादा इस्तेमाल अचार बनाने में किया जाता है। कई घरों में इसकी स्वादिष्ट सब्जी भी बनाई जाती है, जिसे लोग बड़े चाव से खाते हैं।

लसोड़ा सिर्फ स्वाद ही नहीं बल्कि शरीर को जरूरी पोषण देने का भी काम करता है। इसके छोटे से फल में पोषक तत्वों का खजाना छिपा हुआ है। इसमें फाइबर, कैल्शियम, आयरन, फॉस्फोरस और जिंक जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह शरीर को ताकत देने के साथ पाचन को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। गांवों में पुराने समय से लोग इसे किसी न किसी रूप में इस्तेमाल करते आए हैं।

लसोड़ा पेट के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। जिन लोगों को कब्ज या पाचन की दिक्कत रहती है, उनके लिए यह अच्छा माना जाता है। इसके अलावा यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी मदद कर सकता है। आयुर्वेद में इसके फल, पत्ते और बीज तक का उपयोग किया जाता है।

कई जगहों पर इसकी पत्तियों का इस्तेमाल सूजन और त्वचा संबंधी समस्याओं में भी किया जाता है।आयुर्वेद में भले ही लसोड़ा के सेहत के लिए फायदेमंद बताया गया है लेकिन औषधि के रूप में इसका इस्तेमाल करने से पहले योग्य आयुर्वेदाचार्य से सलाह लेनी बहुत जरूरी है।

पोषण युक्त आहार से एनीमिया पर वार, हेल्थ एक्सपर्ट से जानें किन चीजों का सेवन फायदेमंद

नई दिल्ली। एनीमिया आजकल आम समस्या बनती जा रही है, खासकर महिलाओं और बच्चों में। थकान, कमजोरी, चिड़चिड़ापन, ध्यान केंद्रित न कर पाना और चेहरे का रंग फीका पड़ना, ये सभी लक्षण आयरन और विटामिन की कमी के कारण होते हैं। सही और पोषण युक्त आहार अपनाकर एनीमिया पर आसानी से नियंत्रण पाया जा सकता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अनुसार, नियमित रूप से संतुलित और पौष्टिक आहार लेने से शरीर में आयरन, विटामिन और अन्य जरूरी पोषक तत्वों की कमी नहीं होती। इससे न सिर्फ एनीमिया से बचाव होता है, बल्कि पूरे परिवार की सेहत भी बेहतर रहती है।

एनएचएम का कहना है कि एनीमिया से बचाव का सबसे सस्ता और प्रभावी तरीका है- संतुलित आहार। बाजार के सप्लीमेंट्स की बजाय प्राकृतिक खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में प्राथमिकता दें। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि खाने में विविधता रखें और मौसमी फल-सब्जियों का इस्तेमाल करें। महिलाओं, गर्भवती माताओं और बढ़ते बच्चों को खास ध्यान देने की जरूरत है।

अब सवाल है कि एनीमिया से बचने के लिए क्या खाएं? हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अपनी रोज की थाली में हरी सब्जियों, प्रोटीन युक्त आहार, फल, दूध, पनीर और ड्राई फ्रूट्स जैसी पोषक तत्वों से भरपूर चीजों को जरूर शामिल करें- हरी सब्जियां:- पालक, सरसों का साग, मेथी, बथुआ आदि आयरन से भरपूर होती हैं। इन्हें नियमित रूप से खाने से खून की कमी दूर होती है। इन्हें हल्का पकाकर या सलाद के रूप में लिया जा सकता है।

प्रोटीन युक्त आहार:- दालें, सोयाबीन आदि शरीर को एनर्जी देते हैं और हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद करते हैं। शाकाहारी लोग दाल-चावल के साथ छोले या राजमा भी खा सकते हैं।

फल: - केला, खजूर, पपीता, संतरा और अनार जैसे फल विटामिन सी और आयरन से भरपूर होते हैं। विटामिन सी आयरन के अवशोषण में मदद करता है, इसलिए फल और सब्जियों को साथ में खाना फायदेमंद है।

नट्स और बीज:- अलसी के बीज, कद्दू के बीज और अखरोट मैग्नीशियम और अन्य मिनरल्स प्रदान करते हैं। मुट्ठी भर नट्स रोजाना सेहत के लिए बहुत अच्छे हैं।

दुग्ध उत्पाद:- दूध, दही और पनीर कैल्शियम और प्रोटीन के अच्छे स्रोत हैं।

क्रूज पर हंतावायरस के प्रकोप के बीच उत्तर कोरिया ने खतरे की चेतावनी जारी की

सियोल । एक विदेशी क्रूज जहाज पर हंतावायरस के प्रकोप से तीन यात्रियों की मौत के बाद उत्तर कोरिया ने इससे उत्पन्न खतरे को लेकर चिंता जताई है। यह वर्षों पहले कोविड-19 महामारी के प्रति उसकी प्रतिक्रिया की याद दिलाता है।

सत्ताधारी वर्कर्स पार्टी के आधिकारिक समाचार पत्र रोडोंग सिमनुम ने सोमवार को अटलांटिक महासागर में चल रहे एक जहाज पर एंडीज क्षेत्र के वायरस के प्रकोप की खबर प्रकाशित की और इसे अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता का विषय बताया।

अखबार ने बताया कि अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र ने इस प्रकोप के मद्देनजर स्तर-3 की आपातकालीन प्रतिक्रिया जारी की है और अपने आपातकालीन संचालन केंद्र को सक्रिय कर दिया है।

अखबार ने जनता से संक्रमित चूहों के संपर्क को कम करने, घर और कार्यस्थल पर स्वच्छता बनाए रखने और संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता का पालन करने का आग्रह किया।

यह रिपोर्ट शुक्रवार को प्रकाशित एक अन्य रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें अर्जेंटीना से रवाना हुए एमवी होंडियस जहाज पर हुई पहली मौत की खबर दी गई थी।

ऐसा प्रतीत होता है कि इस कवरेज का उद्देश्य जनता को देश में वायरस के संभावित प्रसार के प्रति सचेत करना है। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, यह प्योंगयांग की कोविड-19 के प्रति प्रतिक्रिया की याद दिलाता है, जब उसने वायरस के प्रसार को रोकने के लिए वर्षों तक अपनी सीमाओं को सील कर दिया था।उस समय, लॉकडाउन ने चीन और रूस जैसे प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ आर्थिक आदान-प्रदान को प्रभावी रूप से रोक दिया था और माना जाता है कि इससे अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान हुआ था।

इस बीच, स्पेन के मैड्रिड स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि हंतावायरस से प्रभावित क्रूज पर सवार दो भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं और उनमें कोई लक्षण नहीं हैं। डच ध्वज वाला जहाज एमवी होंडियस, जिसमें दो भारतीय नागरिकों सहित लगभग 150 लोग सवार थे, रविवार को स्पेन पहुंचा।

हंतावायरस के प्रकोप के मद्देनजर जहाज स्पेन के कैनरी द्वीप समूह के तट पर लंगर डाल दिया गया।

आईपीएल 2026: अक्षर-मिलर के तूफानी अर्धशतक, दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हराया

धर्मशाला। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 55वें मुकाबले में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 विकेट से जीत हासिल की। यह दिल्ली कैपिटल्स का आईपीएल में दूसरा सबसे सफल रन चेज रहा।

इस जीत के साथ डीसी प्वाइंट्स टेबल में एक पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गई है। डीसी ने 12 में से 5 मैच जीते हैं। दूसरी तरफ, लगातार चौथी हार के बाद पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे पायदान पर बनी हुई है।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स ने 5 विकेट खोकर 210 रन बनाए। इस टीम को प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 6.5 ओवरों में 78 रन जुटाए।

प्रभसिमरन 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि प्रियांश ने 33 गेंदों में 6 छक्कों और 2 चौकों के साथ 56 रन की पारी खेली। इस टीम ने 97 के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खो दिए थे, जिसके बाद कूपर कोनोली ने कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 गेंदों में 83 रन की साझेदारी की।

कूपर 27 गेंदों में 38 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान श्रेयस 36 गेंदों में 3 छक्कों और 5 चौकों के साथ 59 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि शेडगे ने 8 गेंदों में 21 रन की नाबाद पारी खेली। विपक्षी खेमे से मिचेल स्टार्क और माधव तिवारी ने 2-2 विकेट निकाले। मुकेश कुमार को 1 विकेट हाथ लगा।

इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 19 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम ने 33 के स्कोर तक अपने 3 विकेट खो दिए थे। यहां से ट्रिस्टन स्टब्स ने कप्तान अक्षर पटेल के साथ चौथे विकेट के लिए 23 गेंदों में 41 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला।

ट्रिस्टन स्टब्स 17 गेंदों में 12 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद अक्षर ने डेविड मिलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 34 गेंदों में 64 रन जोड़कर टीम को 138 के स्कोर तक पहुंचाया। कप्तान अक्षर 30 गेंदों में 2 छक्कों और 8 चौकों के साथ 56 रन बनाकर आउट हुए। यहां से डेविड मिलर ने मोर्चा संभाला। उन्होंने 28 गेंदों में 4 छक्कों और 3 चौकों के साथ 51 रन बनाए, जबकि आशुतोष ने 10 गेंदों में 24 रन की तूफानी पारी खेली।

वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप: मुस्तफा से हारे चोटरानी, भारत का सफर हुआ समाप्त

गीजा। वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत की चुनौती खत्म हो गई है। वीर चोटरानी को गोल्फ सेंट्रल पाम हिल्स में पुरुषों के दूसरे राउंड में मिस्र के वर्ल्ड नंबर 1 और डिफेंडिंग चैंपियन मुस्तफा असल के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

विश्व के 45वें नंबर के खलाड़ी चोटरानी को मुस्तफा के खिलाफ 5-11, 2-11, 4-11 से शिकस्त झेलनी पड़ी। पहले राउंड में हमवतन अभय सिंह, रमित टंडन और वेलावन सेंथिलकुमार को हार का सामना करना पड़ा था। चोटरानी की हार के साथ भारतीय टीम का सफर खत्म हो गया है।

असल ने पीसीए टूर वेबसाइट को बताया, 'वीर और मैंने पहले भी साथ में बहुत खेला है, और मुझे उसे यहां देखकर खुशी हो रही है; वह अपना बेस्ट स्क्वैश खेल रहा है। हमने पहले भी जूनियर लेवल पर एक-दूसरे के खिलाफ काफी खेला है। हमारा सामना वर्ल्ड जूनियर्स में भी हो चुका है। हम हमेशा न्यूयॉर्क में साथ में ट्रेनिंग करते हैं। वीर उन खिलाड़ियों में से एक हैं जो आपको किसी भी समय टक्कर दे सकते हैं, इसलिए मैं जीत हासिल करके बहुत खुश हूं। मुझे खुशी है कि जिम्बो यहां मेरे साथ हैं, साथ ही हैथम इफत और मेरे अंकल भी मेरे साथ हैं। यह साल का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है, और हम मैच दर मैच आगे बढ़ रहे हैं। मैं अगले मैच के लिए तैयार हूं। पिछले साल शिकागो में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी भारत का कैंपेन दूसरे राउंड में ही खत्म हो गया था। भारत ने अभी तक वर्ल्ड स्क्वैश चैंपियनशिप में सिंगल्स इवेंट्स में कोई मेडल नहीं जीता है।

बार्सिलोना ने 29वीं बार जीता ला लीगा का खिताब, एल क्लासिको में रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया

बार्सिलोना। एफसी बार्सिलोना ने 'एल क्लासिको' मुकाबले में रियल मैड्रिड को 2-0 से हराते हुए ला लीगा के खिताब को अपने नाम किया। बार्सिलोना ने यह 29वीं बार ला लीगा की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है।

रियल मैड्रिड इस मुकाबले में अपने तीन अहम खिलाड़ियों के बिना मैदान पर उतरी। टीम के स्टार खिलाड़ी काइलियन एम्बाप्पे हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण यह मुकाबला नहीं खेल सके, तो फेडेरिको वाल्वरडे भी इस मैच का हिस्सा नहीं थे। वहीं, वॉर्मअप के दौरान हुई समस्या के कारण डीन हुइजसेन भी यह मैच खेलने नहीं उतरे।

बार्सिलोना के लिए इस मुकाबले में पहले गोल की नींव फेरान टोरेस ने रखी। उन्होंने 9वें मिनट में एंटोनियो रुडिगर से फाउल करवाया, जिसके पूरा फायदा मार्कस रैशफोर्ड ने उठाया। रैशफोर्ड की दनदनाती हुई किक को गोलकीपर थिबॉट कोर्टुआ रोकने में पूरी तरह से नाकाम रहे। टोरेस ने 18वें मिनट में बार्सिलोना की बढ़त दोगुनी कर दी, जब डैनी ओल्मो ने स्ट्राइकर को स्मार्ट बैकहील से शानदार पास दिया।

ब्रेक से पहले रैशफोर्ड के पास तीसरा गोल करने का शानदार मौका था, जब टोरेस ने उन्हें फिर से गोल करने के लिए बेहतरीन पास दिया, लेकिन इस बार कोर्टोइस ने शॉट को वाइड टिप कर दिया और ओल्मो ने मिले कॉर्नर से अपना शॉट वाइड मार दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में रियल मैड्रिड संघर्ष करती हुई नजर आई, कोर्टोइस ने रैशफोर्ड के खतरनाक क्रॉस को रोका और टोरेस के शॉट का शानदार अंदाज में बचाव किया। जूड बेलिंगहैम का एक गोल ऑफसाइड होने की वजह से रद्द कर दिया गया।

बार्सिलोना के गोलकीपर जोन गार्सिया ने विनीसियस के गोल करने के प्रयास को विफल कर दिया। मैच के अंतिम क्षणों में कोर्टोइस ने राफिन्हा और रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के शॉट का बचाव किया। रियल मैड्रिड ने मैच में वापसी करने के काफी प्रयास किए, लेकिन बार्सिलोना के मजबूत डिफेंस ने उन्हें अपने इरादों में सफल नहीं होने दिया।

टीम फैंस के साथ 2025/26 ला लीगा और सुपर कप टाइटल का जश्न मनाने के लिए बार्सिलोना की सड़कों पर उतरेगी। चैंपियंस परेड शहर के कई मशहूर हिस्सों से गुजरेगी और बार्सिलोना की सड़कों पर एक बड़ा 'ब्लाउग्राना' सेलिब्रेशन होगा।

इटैलियन ओपन: राफेल जोडार ने माटेओ अर्नाल्डी को हराकर बनाई चौथे राउंड में जगह

रोम। स्पेन के युवा खिलाड़ी राफेल जोडार ने अपने डेब्यू इटैलियन ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड से एंट्री करने वाले माटेओ अर्नाल्डी को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया।

राफेल ने मैच की शुरुआत शानदार अंदाज में की और पहले सेट को 6-1 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे सेट में अर्नाल्डी ने जोरदार वापसी की और सेट को 6-4 से जीता। हालांकि, तीसरे सेट में जोडार ने कमाल का खेल दिखाया और लगातार पांच गेम जीतते हुए मैच को अपने नाम कर लिया।दो घंटे तक चले मुकाबले में जीत दर्ज करने के साथ ही जोडार ने एटीपी जीत/हार इंडेक्स के अनुसार, साल 2026 में क्ले कोर्ट पर 14-2 का रिकॉर्ड बनाया। इस दौरान उन्होंने माराकेच में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता, जबकि बार्सिलोना में सेमीफाइनल और मैड्रिड में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया।

एटीपी टूर ने जोडार के हवाले से कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। रोम में यहां किसी इटैलियन के साथ खेलना कभी आसान नहीं होता। मैंने अपना टेनिस खेलने की कोशिश की। मैटेओ ने दूसरे और तीसरे सेट में बहुत अच्छा खेला, इसलिए मैंने हर पॉइंट पर मौजूद रहने और मैच के दौरान जो कुछ भी हुआ उसे स्वीकार करने की कोशिश की।' इस हफ्ते पहली बार एटीपी टूर पर सीडेड खिलाड़ी के तौर पर मुकाबला कर रहे जोडार का अगला मुकाबला मौजूदा नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल चैंपियन लर्नर टिएन से होगा।इससे पहले, टिएन ने अलेक्जेंडर बुब्लिक को 4-6, 6-3, 7-5 से हराकर मार्च में इंडियन वेल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने के बाद पहली बार लगातार दो एटीपी टूर जीत हासिल की।

20 वर्षीय टिएन, जो अब 19वें नंबर पर हैं, 2002 में एंडी रोडिक के बाद रोम में चौथे राउंड में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के अमेरिकी खिलाड़ी हैं।

एएफसी अंडर 17 एशियन कप: उज्बेकिस्तान से 0-3 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुई भारतीय पुरुष टीम

जेद्दा। किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी हॉल स्टेडियम में एएफसी अंडर 17 एशियन कप सऊदी अरब 2026 के ग्रुप डी के आखिरी मुकाबले में भारत को डिफेंडिंग चैंपियन उज्बेकिस्तान से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा।

इस हार के साथ भारत का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया है। भारत का फीफा अंडर 17 वर्ल्ड कप में सीधे क्वालीफाई करने का सपना भी अधूरा रह गया। पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया से बुरी तरह हारने के बाद, भारतीय टीम को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए जीत की जरूरत थी। यही वजह रही कि भारतीय टीम डिफेंडिंग चैंपियन उज्बेकिस्तान के खिलाफ सावधारी से खेलती हुई नजर आई। हालांकि, उज्बेकिस्तान ने लगातार आक्रामक खेल दिखाया और भारत के डिफेंस का बार-बार परखा।

पहले हाफ में दबाव के बावजूद भारत के डिफेंस का प्रदर्शन दमदार रहा। बैकलाइन ने अपनी शेप अच्छी बनाए रखी, जबकि गोलकीपर राजरूप सरकार ने उज्बेकिस्तान के कई प्रयासों को विफल किया। हालांकि, मैच के 32वें मिनट में भारतीय गोलकीपर से बड़ी चूक हुई, जिसका फायदा उज्बेकिस्तान को मिला। दरअसल, उज्बेकिस्तान के आक्रामक खेल को रोकने के लिए गोलकीपर राजरूप अपनी लाइन से बाहर निकले, लेकिन पेनल्टी एरिया में वह उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी लाजिज अब्दुरईमोव को गिरा बैठे। इसके बाद उज्बेकिस्तान को पेनल्टी कॉर्नर मिला और अब्दुरईमोव ने गेंद को गोल पोस्ट के अंदर पहुंचाते हुए उज्बेकिस्तान को 1-0 की बढ़त दिला ही।

भारतीय टीम ने ब्रेक से पहले गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। गुनलेइबा वांगखेइराकपाम ने गोल के सामने एक शानदार क्रॉस दिया, लेकिन कोई भी भारतीय अटैकर इस शॉट को गोल में तब्दील नहीं कर सका। भारत मैच के 56वें मिनट में स्कोर बराबर करने के काफी करीब पहुंचा। डल्लालमुओन गंगटे ने एक शानदार फ्री-किक मारी जो क्रॉसबार को हिलाकर गोलकीपर को चकमा दे गई। हीरांगनबा सेराम ने रिबाउंड पर सबसे तेजी से रिएक्ट किया, लेकिन वह पास से गोल नहीं कर पाए।उज्बेकिस्तान को दूसरा गोल वांगखेम डेनी सिंह की गलती के कारण मिला। वांगखेम मखमुद मुरादोव के कॉर्नर को अपने ही गोल पोस्ट में मार बैठे और विपक्षी टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद 78वें मिनट में उज्बेकिस्तान की ओर से अखरोरबेक रावशानबेकोव ने तीसरा गोल किया।

पाकिस्तान-बांग्लादेश से भिड़ने के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान, तीन युवा खिलाड़ियों को मिला मौका

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे और मई-जून 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है। आईपीएल 2026 में खेल रहे मिचेल मार्श दोनों ही फॉर्मेट में टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे।

पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क को आराम दिया गया है। वनडे टीम में बिली स्टैनलेक और रिले मेरेडिथ की वापसी हुई है। ओली पीक, लियाम स्कॉट और जोएल डेविस को पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। पीक को सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है, जबकि स्कॉट को बांग्लादेश के खिलाफ सिर्फ वनडे सीरीज के लिए टीम में जगह दी गई है। जोएल डेविस बांग्लादेश के खिलाफ सिर्फ टी20 सीरीज में खेलते नजर आएंगे।

आईपीएल 2026 में खेल रहे ट्रेविस हेड, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस और जेवियर बार्टलेट बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में पीक, स्टैनलेक, मेरेडिथ और मैट शॉर्ट की जगह लेंगे।

शिखा पांडे: इंजीनियर की डिग्री, वायु सेना से खास नाता, दो विश्व कप फाइनल में रहीं भारतीय टीम का हिस्सा

नई दिल्ली। इंजीनियर की डिग्री, वायसुना में फ्लाइट लेफ्टिनेंट की पोस्ट और फिर क्रिकेट के मैदान पर बनाई अपनी तेज गेंदबाजी से अलग पहचान। भारतीय टीम की स्टार खिलाड़ी शिखा पांडे ने एक जिंदगी में अपने कई सपनों को पूरा किया है। शिखा साल 2017 में हुए महिला वनडे विश्व कप में फाइनल तक का सफर तय करने वाली टीम का हिस्सा भी रहीं।

शिखा का जन्म 12 मई, 1989 को आंध्र प्रदेश (अब तेलंगाना) के करीमनगर जिले के रामागुंडम में हुआ। शिखा का शुरुआत से ही पढ़ाई में काफी मन लगता था। इसके साथ ही क्रिकेट में भी उनकी खास रुचि थी। शिखा क्रिकेट की बारीकियां सीखती रहीं और इस दौरान उन्होंने पढ़ाई का भी दामन नहीं छोड़ा। महज 15 साल की उम्र में शिखा का चयन गोवा टीम में हुआ। इसके बाद 17 साल की उम्र में उन्हें सीनियर राज्य टीम के लिए भी चुना गया। शिखा 22 गज की पिच पर हाथ आए हर मौके को भुनाने में सफल रहीं और उनका क्रिकेट करियर तेजी से आगे बढ़ता रहा।

क्रिकेट में अपनी पहचान बनाते हुए साल 2010 में शिखा ने गोवा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्हें कई बड़ी कंपनियों से नौकरी से ऑफर आए, लेकिन उन्होंने इन सभी ऑफर्स को सिर्फ इसलिए ठुकरा दिया, क्योंकि वह अपना पूरा ध्यान क्रिकेट पर लगाना चाहती थीं। साल 2011 में शिखा ने वायुसेना को जॉइन किया लेकिन क्रिकेटर बनने की चाहत और उसके लिए लगातार प्रयास जारी रहे।

साल 2014 में शिखा का सपना साकार हुआ जब बांग्लादेश के खिलाफ उन्हें अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिला। डेब्यू मैच में शिखा अपनी गेंदबाजी से प्रभावित करने में सफल भी रहीं। इसके बाद इसी साल शिखा ने भारत के लिए वनडे और टेस्ट में भी अपना डेब्यू किया। साल 2017 में खेले गए वनडे विश्व कप में उन्होंने भारतीय टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम किरदार निभाया। 7 मुकाबलों में उन्होंने 8 विकेट निकाले और उनकी इकोनॉमी महज 4.32 का रहा।

'क्रुणाल हमारी जीत के सूत्रधार रहे', एमआई के खिलाफ जीत के बाद बोले कप्तान रजत पाटीदार

रायपुर। आईपीएल 2026 के 54वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रविवार को मुंबई इंडियंस को 2 विकेट से हराया। रोमांच से भरे मुकाबले में आरसीबी ने आखिरी जीत पर दर्ज की। सीजन की सातवीं जीत का श्रेय कप्तान रजत पाटीदार ने क्रुणाल पांड्या को दिया।

एमआई के खिलाफ मिली जीत के बाद आरसीबी के कप्तान ने कहा, 'मुझे लगता है कि अब मेरी पल्स सामान्य है, लेकिन यह बहुत कड़ा मैच था। कुल मिलाकर यह शानदार मुकाबला रहा और खासतौर पर क्रुणाल पांड्या ने शानदार प्रदर्शन किया। वह हमारी इस जीत के सूत्रधार रहे।' क्रुणाल को नंबर पांच पर बल्लेबाजी करने के फैसले पर रजत ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह हमारा (टीम का) फैसला था। मुझे लगता है कि हमने टीम मीटिंग वगैरह में इस पर बात की है। हम जानते हैं कि वह इस तरह की पारियां खेल सकते हैं। वह पहले भी नंबर पांच पर खेल चुके हैं। हालांकि, हम उन्हें नंबर पांच पर खेलने का मौका देना चाहते थे और उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। क्रुणाल के पास काफी अनुभव है और वह बड़े स्टेज या फिर दबाव भरे मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हैं।'

भुवनेश्वर ने इस मुकाबले में अपनी गेंदबाजी से हर किसी को खासा प्रभावित किया। उन्होंने 23 रन देकर 4 विकेट निकाले। भुवनेश्वर के स्पेल पर बात करते हुए रजत ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह अविश्वसनीय है। मेरे हिसाब से जिस तरह से उन्होंने (भुवनेश्वर) गेंद पर अपना कंट्रोल बनाए रखा वो शानदार था। दूसरे पेस वाले इस तरह के विकेट पर यह करना आसान नहीं होता है। मुझे लगता है कि भुवनेश्वर को खेलना काफी कठिन है।'

रजत ने एमआई को 166 रनों के टोटल पर रोकने के लिए आरसीबी के गेंदबाजों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि टीम के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। हालांकि, उन्होंने माना कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मजबूत बल्लेबाजी क्रम को देखते हुए इस लक्ष्य को आसानी से चेज किया जाना चाहिए था। पहले बल्लेबाजी करते हुए एमआई ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 166 रन लगाए। हालांकि, आरसीबी 167 रनों के लक्ष्य को मैच की आखिरी गेंद पर चेज करने में सफल रही। इस जीत के साथ ही आरसीबी प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर पहुंच गई है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415